RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2023-25
Desp. 02 January, 2023

अंक – 7 (मासिक) वर्ष – 18 जनवरी, 2023 मूल्य 20/–

श्री माहेश्वरी टाईम्स

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

HAPPY NEW YEAR 2023

MAHESHWARI OF THE YEAR 2022

माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2022

एडीजी विपिन माहेश्वरी
म.प्र. पुलिस के ''रोल मॉडल'

हरिमोहन बांगड़
सीमेन्ट उद्योग के महानायक

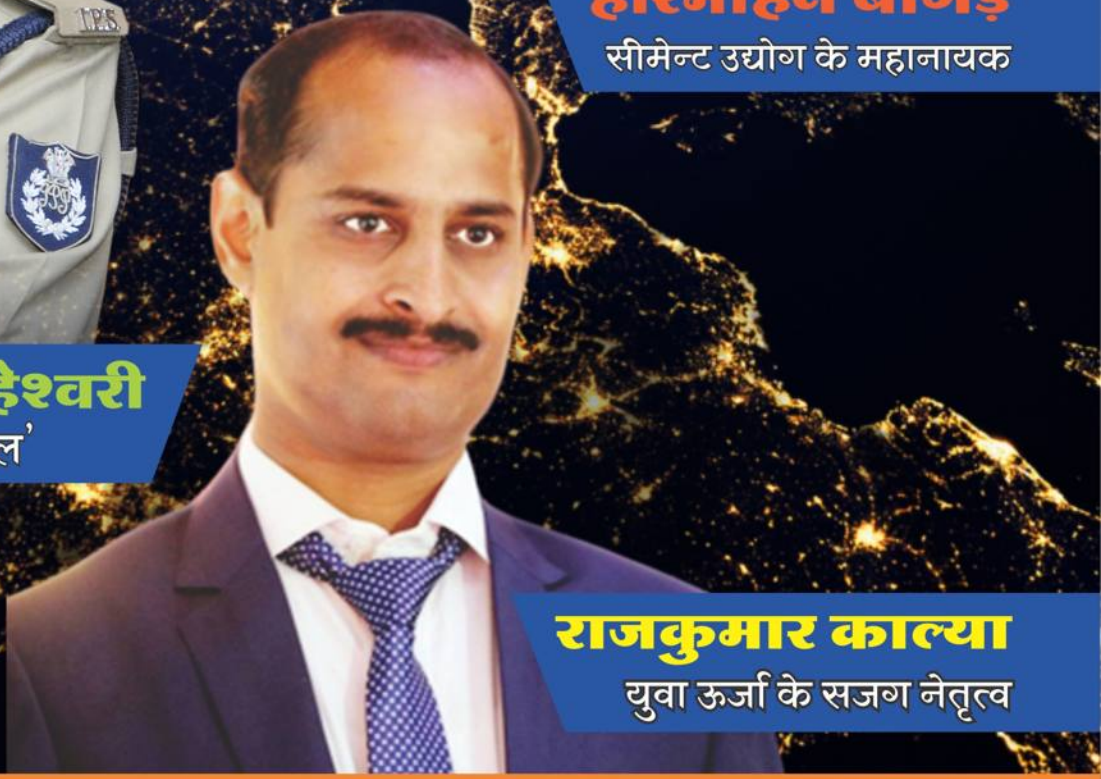

राजकुमार काल्या
युवा ऊर्जा के सजग नेतृत्व

श्री माहेश्वरी मेलापक

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2022
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

▸▸ अंक-07 ▸▸ जनवरी 2023 ▸▸वर्ष-18

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
विनोद काबरा, उज्जैन

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)
गोविन्द मालू (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

नववर्ष का हर पल

एक और नववर्ष आ गया। कालचक्र अत्यंत तीव्र गति से दौड़ता है और देखते ही देखते वर्ष, प्रतिवर्ष आते रहते हैं। हम सोचते ही रह जाते हैं कि यह कार्य कल करेंगे मगर वह कल आता ही नहीं। तब मनुष्य क्या करें?

महाभारत के शांतिपर्व में इसी पर केंद्रित पिता-पुत्र का एक अद्भुत संवाद है। कथा है कि प्राचीनकाल में एक वेदपाठी ब्राह्मण के मेधावी नामक पुत्र ने एक दिन अपने पिता से पूछा, 'पिताजी! मनुष्यों की आयु तीव्र गति से बीती जा रही है। यह जानते हुए धीर लोगों को क्या करना चाहिए?' पिता ने स्वभावतः एक पिता की भाँति उत्तर दिया। जिसमें शिक्षा के बाद गृहस्थाश्रम में प्रवेश करने, सन्तान उत्पन्न करने और वेदोक्त अन्य आश्रमों में नियमपूर्वक जीने की सीख थी। जैसा कि हम सब करते हैं। पहले शिक्षा, फिर व्यवसाय-नौकरी, फिर विवाह और परिवार आदि। जीवन बस इसी आपाधापी में व्यतीत हो जाता है। तो क्या यही जीवन है ?

कथा कहती है, पुत्र मेधावी अपने पिता से सहमत न था। उसका मानना था जीवन अत्यंत क्षणभंगुर है। इसमें तो हर दिन कुछ न कुछ शुभकर्म करना चाहिए। कोई भी काम कल पर टालना ही नहीं चाहिए क्योंकि जीवन केवल आज का नाम है।

तब पुत्र ने अपने तर्क दिए। बोला, 'मृत्युनाभ्याहतो लोको जरया परिवारितः। अहोरात्राः पतन्त्येते ननु कस्मान्न बुध्यसे।।' अर्थात् पिताजी! देखिए तो, यह सम्पूर्ण जगत् मृत्यु के हाथों मारा जा रहा है। दिन-रात हर पल प्राणियों की आयु का अपहरण कर व्यतीत हो रहे हैं। बुढापे ने लोगों को चारों ओर से घेर रखा है। इस बात को आप क्यों नहीं समझते?

उस ब्राह्मण पिता की भाँति हम सब भी इस बात को नहीं समझ पाते कि जीवन पल-पल कम हो रहा है। इसलिए हमे हरपल को सम्पूर्णता, प्रसन्नता, सजगता और समर्पण से जीने का अभ्यास करना चाहिए। जैसा कि मेधावी ने अपने पिता से कहा कि जीवन की सार्थकता तो इसमें है कि 'अद्यैव कुरु यच्छ्रेयो मा त्वां कालोऽत्यगादयम्। अकृतेष्वेव कार्येषु मृत्युर्वै सम्प्रकर्षति।।' जो कल्याणकारी कार्य हैं, उसे आज ही कर डालिए। आपका यह समय हाथ से न निकल जाए। क्योंकि सारे काम पड़े रह जाएंगे और मृत्यु आपको खींचकर ले जाएगी।

साधो! सार यह कि वर्षों की गणना व्यर्थ है और हर नया वर्ष काल की यात्रा का एक पढ़ाव भर है। यह उत्सव का बहाना अवश्य है परन्तु इसकी सबसे बड़ी सीख यह है कि जैसे गया वर्ष जीवन की आपाधापी में बीत गया, वैसे ही यह न बीत जाए। इसलिए इसके हर क्षण को पूर्णता में जीने के लिए संकल्पित हो जाइए।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

उठो, आगे बढ़ो और प्राप्त करो

'उत्तिष्ठत जागृत प्राप्य वरान्निबोधत' यानी 'उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक कि मंजिल प्राप्त न हो जाए।' यह बात स्वामी विवेकानंद ने कही थी। भारत की तरुणाई के लिए कही गई यह बात आज भी उतनी ही प्रासंगिक और प्रेरणीय है। न केवल तरुण बल्कि हमें उम्र के हर पड़ाव पर यह कथन नई हिम्मत और भरोसा देता है। परिस्थिति कोई भी हो हमें आगे बढ़ना है और हर हाल में अपना लक्ष्य हासिल करना है। अमिताभ बच्चन ने भी हाल ही अपने शो कौन बनेगा करोड़पति में शामिल हुए बच्चों को प्रेरित करते हुए इसी बात को अपने पिता की कविता के माध्यम से कहा- 'हमें हर हाल में अपने आप पर भरोसा होना चाहिए। कोई भी कठिनाई आए, जो लोग अपने आप पर भरोसा करते हैं, वे हर परिस्थिति से जूझ कर आगे निकल जाते हैं और अपनी मंजिल को हासिल करते हैं। सबसे ज्यादा जरूरी है अपने आप पर भरोसा और आगे बढ़ने का जज्बा। मंजिल खुद ब खुद आपके कदमों में होगी।'

इन्हीं सिद्धांतों को अपने जीवन में साबित करने वाले सीमेंट किंग हरिमोहन बांगड़, एडीजी विपिन माहेश्वरी व समाजसेवी राजकुमार काल्या इस बार श्री माहेश्वरी टाइम्स के 'माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2022' अवार्ड से सम्मानित होते हुए समाज की प्रेरणा के लिए प्रतिमान बने हैं। श्री माहेश्वरी टाईम्स की ओर से हर साल यह अवार्ड उन व्यक्तित्वों को अर्पित किया जाता है, जो समाज के लिए प्रेरणा पुंज की तरह दैदीप्यमान हैं। श्री हरिमोहन बांगड़ उद्योग और समाज की उन्नति के लिए अदम्य जीजीविषा के प्रतिमान हैं। श्री विपिन माहेश्वरी ने पुलिस सेवा में जो मापदंड स्थापित किए वे पुलिसिंग को नई दिशा देते हैं। श्री राजकुमार काल्या समाजसेवा के क्षेत्र में असीम समर्पण के माइल स्टोन हैं। श्री काल्या ने युवावर्ग ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण समाज के विकास व विषम परिस्थितियों में सहयोग के रूप में जो तन-मन-धन से योगदान दिया, वह अप्रतीम है।

निश्चित तौर पर जिस समाज में ऐसे व्यक्तित्व हों उसकी एक अलग पहचान होती है। माहेश्वरी समाज को ऐसे ही नक्षत्र सम्पूर्ण विश्व में गौरवान्वित करते हैं। तीनों ही व्यक्तित्वों का समाज में अलग से परिचय देने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वे अपने कृतित्व के माध्यम से उन ऊंचाइयों पर हैं जहां उनका व्यक्तित्व हमारे मार्गदर्शन के लिए प्रकाश स्तंभ नजर आता है। लेकिन हमारी नई पीढ़ी उन्हें नजदीक से जान सके, इसके लिए इस अंक में उनके असीम व्यक्तित्व और कृतित्व को शब्दों की सीमा में लाने की कोशिश भर की है। ताकि हमारी नई पीढ़ी मार्गदर्शन पा सके, प्रेरणा हासिल कर सके तथा अंग्रेजी नव वर्ष की पूर्व संध्या पर आने वाले नए साल के लिए जब हम अपने लिए नए लक्ष्य तय कर रहे हों तो इनके व्यक्तित्व और कृतित्व की रोशनी हमारा मार्ग प्रशस्त कर सके। हमें समय की संधि के आयाम पर यही प्रेरणा लेनी चाहिए कि आने वाला साल हमारे जीवन, व्यापार-व्यवसाय, उद्यम और परिवार के लिए ज्यादा उत्कर्ष, समृद्ध और सुखी बन सके।

यह विशेषांक आपके हाथों सौंपते हुए यह प्रसन्नता है कि पत्रिका के माध्यम से हम समाज के ऐसे व्यक्तित्वों की आभा से स्वयं को गौरवान्वित कर पाते हैं। अंक में समाज के खास व्यक्तित्वों के परिचय के साथ हमेशा की तरह स्थायी स्तंभों, विचारोत्तेजक और ज्ञानवर्द्धक आलेखों, सामाजिक गतिविधियों सहित अन्य सामग्री समाहित है। हमें उम्मीद है कि आपको यह अंक भी हमेशा की तरह पसंद आएगा। अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवगत कराना न भूलें।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

उज्जैन निवासी श्री विनोद काबरा 40 वर्षों से शिक्षा क्षेत्र से जुड़े ख्यात शिक्षाविद् हैं। आप व्याख्याता पद पर 12 वर्ष एवं 28 वर्षों तक प्राचार्य पद पर मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कुल उज्जैन में कार्यरत रहे। समाज में उनकी पहचान सख्त अनुशासन उत्तम परीक्षा परिणाम एवं सहयोगी के रूप में रही, अपने सेवाकाल के दौरान वे प्राचार्य मंच के 16 वर्षों तक अध्यक्ष रहे। आपके द्वारा नकल रोकने के लिये परीक्षा पद्धति में बदलाव का सुझाव राज्य स्तर पर स्वीकार कर परिवर्तन किया गया। संस्कार भारती संस्था में 15 वर्षों तक अध्यक्ष के पद पर रहते हुऐ नृत्य, गायन, नाट्य से सम्बंधित राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों में मुख्य भूमिका रही। गजलांजलि संस्था के माध्यम से आपकी अनेक रचनाओं का प्रकाशन एवं प्रसारण हुआ है। विनोबा भावे की संस्था आचार्य कुल के माध्यम से शिक्षा के सरलीकरण के अनेक प्रयोग किये तथा उनका क्रियान्वयन हुआ। समाज में वर्ष 1980 से ही सक्रिय सदस्य एवं उपयोगी कार्यकर्ता के रूप में आपकी सेंवाऐं सदैव मिलती रही हैं।

समर्पित भाव से हो समाज सेवा

नववर्ष की मंगलकामनाऐं। वर्ष 2023 आपके जीवन में आनंद, प्रेम, शान्ति एवं आध्यात्मिक उन्नति का संचार करे। आर्थिक उन्नति में आप सर्वोच्च ऊँचाई हासिल करें, यही मंगलकामनाऐं! संपूर्ण विश्व अपने-अपने ढंग से नववर्ष के आगमन का स्वागत करता है। भारत में हिन्दु धर्मावलंबी मंदिरों में पूजा अर्चना करते हैं तथा तीर्थाटन को निकल जाते है, पाश्चात्य देशों में आमोद-प्रमोद के साथ बड़े ही उल्लास एवं उमंग के साथ नववर्ष का स्वागत किया जाता है। इस ऋतु में वन-उपवन, लताएँ, बाग बगीचे पुष्टता हासिल करते है एवं बसन्त की तैयारी में लग जाते हैं। माहेश्वरी समाज भारत के साथ-साथ विश्व पटल पर उद्योग व्यापार एवं सेवाओं के क्षेत्र में सम्मान जनक स्थान रखता है। समाज के छात्र - छात्राऐं मेरिट में अपना स्थान बनाये रखने में सदैव आगे रहते हैं। सर्वोच्चता पर बने रहने का चिन्तन ही उनके जीवन का लक्ष्य बन गया है। ये नयी पौध शान्तचित्त मन से मस्तिष्क को शक्तिशाली करने में लगे हैं । वरिष्ठ समाजजन सेवा के कार्यों को तेजी से गति प्रदान करने में लगे हैं। महिला मण्डल अधिकतम उपस्थिति एवं योजनाबद्ध तरीके से समाज को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से एक सूत्र में बांधे हुऐ है। युवा मण्डल अपने व्यस्तम समय में से समाज को समय देने की कोशिश करता रहा है।

आज समाज को आवश्यकता ऐसे कार्यकताओं की है जो अहंकार से मुक्त हों, पद प्रतिष्ठा की चाह न करें। हम भगवान महेश की सन्तान हैं, उन्हीं की तरह तनाव रहित एवं शान्तचित्त रहते हुये समाज में समर्पित भाव से कार्य करते रहना हमारा परम लक्ष्य होना चाहिये। संसार की प्रगति विचारों का परिणाम है। चित्त की शान्त अवस्था में कर्म को चतुरता से करने पर उत्तम फल मिलता है, यही कर्मयोग का सिद्धान्त है।

समाज को नेतृत्व देने वाला पहले कार्यकर्ता है और एक कार्यकर्ता का दृष्टिकोण सकारात्मकता लिये होना चाहिये। उसे भूतकाल की विषमतायें भुलना चाहिये। नकारात्मकता उसके कार्य या व्यवहार में नहीं झलकनी चाहिये । पद प्रतिष्ठा का अहंकार उसके स्वभाव में नहीं दिखाना चाहिये। पदाधिकारीगण बोलते समय शब्दों का उचित चयन करने वाले हों। समाज में नेतृत्व करने वाले के चेहरे पर सदैव प्रसन्नता के भाव हों। जब नेतृत्वकर्ता मन को सब ओर से एकाग्र कर अपनी सम्पूर्ण शक्ति निर्धारित लक्ष्य पर डालता है तब लक्ष्य पर पहुंचा जाता है। सफलता भागीरथी धैर्य एवं प्रचण्ड इच्छा शक्ति से मिलती है।

समाज में तथ्यात्मक संदेशों के आदान प्रदान में कमी है। अखिल भारतीय स्तर पर लिये गये निर्णय, निर्देश व नियम प्रत्येक समाजजन तक कैसे पहुंचे, इसकी चिन्ता करनी चाहिये। विभिन्न जन कल्याणकारी योजनायें सामाजिक स्तर पर बनायी जा रही है लेकिन जानकारी एवं सहयोग के अभाव में जरूरतमन्द लाभ नहीं ले पा रहे हैं। सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा की साप्ताहिक मानीटरिंग होनी चाहिये। विभिन्न स्तर पर पदों के चुनाव में एक पक्ष समाज से दुरी बना लेता है, इस पर नेतृत्व को विचार कर कोई उपाय ढूंढना चाहिये। समयाभाव वाले युवा संचार माध्यम से नयी पौध को प्रगति के रास्ते बता सकते हैं तथा बौद्धिक आयोजन भी कर सकते हैं। भारत में राजनीति के क्षेत्र में हमारी पकड़ बहुत कम है, जबकि उद्योग व्यापार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान है। हमारे युवा इस क्षेत्र में आगे आयें एवं प्रभावपूर्ण उपस्थिति दें। समाज की कार्यकारिणी का स्वरूप विस्तृत होता है, किन्तु कार्यक्रम को गुणवत्तापूर्वक पूर्णता प्रदान करने में इनकी अनुपस्थिति रहती है। अतः कार्यकारिणी सजावटी न होकर समाजोपयोगी होना चाहिये। अन्त में हमें अपने देवस्थानों की व्यवस्था को आवास से श्रेष्ठ बनाने का प्रयत्न करना ही चरम लक्ष्य होना चाहिये मैं ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर'' से अलंकृत तीनों महानुभावों का भी अभिनंदन करता हूँ, जिनका जीवन समाज के लिये प्रेरणा है। इति !

सूत्र वाक्य : **तत्व बोध हो ज्ञान शोध हो, ऊर्जा का भी रहे साथ।**
आत्म बोध का दीप जला तू पकड़ दूजे का हाथ।

विनोद काबरा
अतिथि सम्पादक

श्री हिंगलाज माताजी

श्री हिंगलाज माताजी माहेश्वरी समाज की बल्दवा और पेड़ीवाल खाँप की कुलदेवी हैं। अन्य समाजों में भी माताजी की अच्छी ख्याति है।

■ टीम SMT

हिंगलाज माताजी का मंदिर बीकानेर में लोदरवा जैन मंदिर के पास लाल गुफा रोड़ पर स्थित है। यह मंदिर भी प्राचीन बताया जाता है लेकिन वर्तमान निर्माण सन् 1981 में खत्री समाज के अर्जुनदास खत्री ने अपने पिता की पुण्य स्मृति में करवाया था। खत्री समाज भी इन्हें कुलदेवी मानता है।

दर्शनीय स्थल

वैसे कुलदेवी का मूल मंदिर तो इसे ही माना जाता है फिर भी फतेहपुर में हिंगलाज माता का एक ओर मंदिर भी है जिसकी प्रतिमा 200 वर्ष पूर्व पाकिस्तान के बलूचिस्तान से लाई गई थी। यह स्थल 'बुद्धगिरी' मठ के नाम से भी जाना जाता है।

विशिष्ट आयोजन

प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को बीकानेर स्थित माताजी के मंदिर पर भव्य मेला लगता है जिसमें क्षेत्र के लोग तो शामिल होते ही हैं कई जातियों के श्रद्धालु भी दूर-दूर से आते हैं।

कैसे पहुँचें

श्री हिंगलाज माताजी का मंदिर जैसलमेर से 15 कि.मी. दूर ग्राम लोदर्वा में है। जैसलमेर से बस व निजी टेक्सी से वहाँ पहुँचा जा सकता है। मंदिर की निजी कोई धर्मशाला नहीं है लेकिन लोदर्वा जैन तीर्थ होने से वहाँ जैन धर्मशालाऐं हैं जहाँ ठहरा जा सकता है।

पूर्वी म.प्र. महिला संगठन ने आयोजित किया ''समावेश''

कार्यकारी मंडल बैठक में सामाजिक मुद्दों पर हुआ चिंतन

विदिशा। पूर्वी म.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन ने गत 18 दिसम्बर को अपनी कार्यकारी मंडल की बैठक ''समावेश'' का विदिशा में आयोजन किया। इस बैठक में विशेष रूप से समाज के सामने उठने वाली नवीन समस्याओं पर चिंतन हुआ।

पूर्वी मध्यप्रदेश की कार्यकारी मंडल बैठक ''समावेश'' विदिशा में गत 18 दिसंबर को राष्ट्रीय पदाधिकारी शैला कलन्त्री, राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष सुशीला काबरा, मध्यांचल के संगठन मंत्री विजय राठी, प्रदेश सभा के मानद मंत्री दीपक चांडक एवं युवा संगठन के अध्यक्ष स्वरूप मोहता तथा प्रदेश पदाधिकारियों के सान्निध्य में सम्पन्न हुई। सभी सम्मानीय अथितियों एवं सदस्याओं का विदिशा के विनायक वेंकट हाल में बारात जैसा भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों द्वारा भगवान महेश की मूर्ति के सम्मुख दीप प्रज्वलन किया गया। भगवान महेश की वंदना पर विदिशा महिला मंण्डल की सदस्याओं ने सुंदर नृत्य प्रस्तुति दी। साथ ही स्वागत गीत पर नृत्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। सभी अथितियो एवम पदाधिकारियों को मंचासीन करा स्वागत किया गया व विदिशा जिला अध्यक्ष प्रीति राठी द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। इसके बाद मंच की बागडोर प्रदेश सचिव रंजना बाहेती को सौंपी गयी। रंजना बाहेती ने सभी अतिथियों एवं सदन का शाब्दिक स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष अनिता जावंधिया ने अपने उद्बोधन में अपने द्वारा किये गए कार्यो का श्रेय अपनी टीम को दिया।

सेवा के लिये सम्मान

प्रदेश स्तर पर बनाई गई शुभविवाह समिति द्वारा तय हुए संबंधों की जानकारी दी गई एवं समिति प्रभारी, सरिता मालपानी, उर्मिला सादानी, हंसा केला, सुनीता जाखेटीया द्वारा किये गए कार्यो के लिए प्रदेश संगठन द्वारा सम्मानित किया गया। प्रदेश सभा के मानद मंत्री दीपक चांडक ने बताया कि महिला संगठन द्वारा एक नया इतिहास रचा गया है। युवा संगठन के अध्यक्ष स्वरूप मोहता ने युवा शक्ति को जोड़ने का आग्रह किया। मध्यांचल संगठन मंत्री विजय राठी ने महिलाओं के उत्थान के लिए एवं महिला शक्ति के बारे में बताया। राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्षा सुशीला काबरा ने संगठन में पदाधिकारियों के क्या-क्या कार्य होते हैं, विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष को सिर पर बर्फ, मुँह में मिश्री, पैरो में चक्कर रखकर चलना चाहिये।

दूसरे सत्र में सामाजिक चिंतन

दूसरे सत्र का शुभारंभ अति सुंदर गणेश वंदना की नृत्य प्रस्तुति के साथ हुआ। तत्पश्चात शैला दीदी ने उद्बोधन में पारिवारिक, सामाजिक एवं बच्चों के विदेश जाने की समस्याओं पर चिंतन एवं पंच सूत्रीय निवारण (बच्चों का ब्रेन बॉश करने पर जोर दिया) के साथ ही माहेश्वरी समाज की घटती हुई जनसंख्या पर भी चिंता व्यक्त की। सानिध्य से समागम पत्रिका का विमोचन भी किया गया। भव्य रथ पर सवार सुंदर विचारों से ओत प्रोत पत्रिका को पूरे संपादक मंडल द्वारा मंच पर लाया गया। बरेली की प्रियंका राठी द्वारा स्वरचित सुर तालों के साथ गीत प्रस्तुत किया जा रहा था। इसी के मध्य सभी अथितियों के सान्निध्य में समागम पत्रिका का विमोचन सम्पन्न हुआ। सभी जिला अध्यक्षों द्वारा अपनी 3 वर्ष की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। विदिशा की सदस्याओं द्वारा विदिशा के आसपास ऐतिहासिक धरोहर पर एक सुंदर, भावात्मक, संदेशात्मक नुक्कड़ नाटिका प्रस्तुत की गई। स्मारिका में दिए गए विज्ञापनों पर छोटे-छोटे नाट्य रूपांतरण के रूप में ऐड किये गए। प्रदेश सचिव आशु कवि रंजना बाहेती ने अपने सुंदर संचालन द्वारा सभी को बांधे रखा। वन्दे मातरम् एवं राष्ट्रीय गीत के साथ बैठक का समापन हुआ। विदिशा जिला संगठन व स्थानीय महिला संगठन द्वारा नाश्ता, भोजन, हाई टी की व्यवस्था की गई। उक्त जानकारी सभा की उपाध्यक्ष उर्मिला सादानी ने दी।

गट्टानी की कृति 'एक पाव सच' का हुआ लोकार्पण

भोपाल। वरिष्ठ व्यंग्य कवि राजेन्द्र गट्टानी की व्यंग्य कविताओं के संग्रह 'एक पाव सच' का गत 26 दिसंबर को दुष्यंत संग्रहालय भोपाल में लोकार्पण संपन्न हुआ। मध्यप्रदेश लेखक संघ के अध्यक्ष डॉ. रामवल्लभ आचार्य की अध्यक्षता, साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे के मुख्य आतिथ्य, व्यंग्य कवि गोविन्द राठी एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के प्रमुख अभियंता के. के. सोनगरिया के विशेष आतिथ्य में कवि गोकुल सोनी ने कृति समीक्षा की कार्यक्रम का संचालन धर्मेन्द्र सोलंकी ने किया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में डॉ. रामवल्लभ आचार्य ने हिन्दी और संस्कृत साहित्य में व्यंग्य को उद्धृत करते हुए श्री गट्टानी को कबीर की परंपरा का कवि बताया। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग अंतर्गत साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे ने कहा कि केवल विसंगतियों और विद्रूपताओं पर कटाक्ष कर देने से व्यंग्य की पूर्णता नहीं होती, व्यंग्य में मानवीय मूल्यों को भी इंगित किया जाना चाहिए जो गट्टानी जी की प्रायः हर रचना में विद्यमान है। विशिष्ट अतिथि कवि गोविन्द राठी ने अपने चुटीले अंदाज़ में व्यंग्य की व्याख्या की, आज की मंचीय स्थिति पर दुःख भी व्यक्त किया और अपनी एक सार्थक व्यंग्य रचना भी सुनाई। श्री सोनगरिया ने गट्टानी जी से अपनी गहरी मित्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि मुझे तो इनकी भाषा शैली में ही हास्य व्यंग्य का आभास होता है। इस अवसर पर कृतिकार श्री गट्टानी ने लोकार्पित काव्य संग्रह से कुछ चुनिंदा हास्य व्यंग्य रचनाओं को सुनाकर खूब तालियां बटोरीं। समारोह में इंदौर की कवयित्री पूजा कृष्णा ने सरस्वती वंदना की। स्वागत भाषण वरिष्ठ कवि ऋषि श्रृंगारी ने दिया। आभार व्यक्त किया राजुरकर राज ने व्यक्त किया। ऋषि मुनि प्रकाशन उज्जैन से प्रकाशित इस पुस्तक के लोकार्पण कार्यक्रम में प्रकाशक पुष्कर बाहेती विशेष रूप से उपस्थित रहे और अतिथियों का स्वागत और स्मृति चिन्ह प्रदान करने वालों में श्री पुष्कर के साथ ही माहेश्वरी समाज भोपाल के सक्रिय सदस्यगण वैद्यराज रमेश माहेश्वरी, त्रिलोक जाजू, ओमप्रकाश काबरा, संजय झंवर, रामकुमार राठी, आनंद सिंगी, संजय काबरा, सतीश घुरका, सुरेश लाहोटी सहित गट्टानी परिवार के सदस्य सम्मिलित रहे।

राष्ट्रीय खेल महोत्सव में स्वरा गांधी सम्मानित

नागपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन और एम्स जोधपुर द्वारा शतरंज खेल में असाधारण प्रदर्शन के लिए स्वरा राहुल गांधी को सम्मानित किया गया है। वह देश की सबसे कम उम्र की माहेश्वरी खिलाड़ी हैं जिसने पिछले दो वर्षों में स्थानीय, जिला, राज्य, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शतरंज के खेल में नागपुर और माहेश्वरी समाज का न केवल प्रतिनिधित्व किया बल्कि पुरस्कार भी जीते हैं। महज 7 वर्ष की उम्र में स्वरा ने अपनी असाधारण उपलब्धियों से माहेश्वरी समाज को गौरवान्वित किया है। स्वरा डॉ. राहुल गांधी एवं श्वेता गांधी की सुपुत्री हैं।

भारतीय रेल के चेयरमैन बने अनिलकुमार लाहोटी

गुना (मध्यप्रदेश)। माहेश्वरी गौरव रत्न स्वर्गीय रमेशचन्द्र लाहोटी (सुप्रीमकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश) के छोटे भ्राता अनिलकुमार लाहोटी वर्तमान निवास दिल्ली को विश्व की दूसरी सबसे बड़ी भारतीय रेल का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से माहेश्वरी समाज में हर्ष व्याप्त है।

डागा बने बैंक संचालक

नांदूरा। विदर्भ अर्बन बैंक एसोसिएशन लिमिटेड नागपुर के संचालक पद पर नांदूरा अर्बन बैंक के संचालक विठ्ठलदास डागा का निर्विरोध चयन हुआ हैं। बैंक के संचालक मंडल एवं कर्मचारी वृंद ने श्री डागा का अभिनंदन किया।

श्री बांगड़ को स्पेशल अचीवमेंट अवार्ड

उज्जैन। दी पैकेजिंग पीपुल ग्रुप के वरिष्ठ विजय बांगड़ को फेडरेशन ऑफ कोरुगेटेड बॉक्स एसोसिएशन इंडिया द्वारा आयोजित 50 वीं गोल्डन जुबली कॉन्फ्रेस इंदौर में विगत 36 वर्षो से मध्यप्रदेश करोगेटेड बॉक्स मैन्युफैक्चर एसोसिएशन की प्रदेश मेनेजिंग कमिटी में निरन्तर सेवाएं प्रदान करने के लिए स्पेशल अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

कल कल करते मत फिरो,
कल है काल का नाम,
काम आज का आज करो
चाहे हो जाए सुबह से शाम।

परिणय सूत्र में बंधे सिद्धांत-अंजलि

गोविंद मालू के भतीजे का विधायक अनिरूद्ध मारू की पुत्री के साथ विवाह

इंदौर। मध्यप्रदेश के खनिज मंडल के पूर्व अध्यक्ष व भाजपा के वरिष्ठ नेता गोविन्द मालू के भतीजे व मनासा के विधायक अनिरूद्ध माधव मारू की सुपुत्री गत दिनों आयोजित गरिमामय समारोह में परिणय सूत्र में बंध गये। इस अवसर पर राजनीतिक क्षेत्र की कई शीर्ष हस्तियों सहित बड़ी संख्या में कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

आयोजित यह विवाह समारोह राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण था क्योंकि इसके द्वारा समाज के राजनीति में सक्रिय दो शीर्ष परिवार भी आपस में सम्बद्ध हो गये। इस आयोजन में भाजपा नेता गोविन्द मालू के भतीजे व उनके भ्राता हरि-सुषमा मालू के सुपुत्र सिद्धांत मनासा के विधायक अनिरुद्ध माधव मारू की सुपुत्री अंजलि के साथ परिणय बंधन में बंध गये। इस अवसर पर आशीर्वाददाता के रूप में राजनीतिक क्षेत्र से केंद्रीय मंत्री नरेंद्रसिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, पूर्व मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, मंत्री नरोत्तम मिश्रा,

मोहन यादव, उषा ठाकुर, ओमप्रकाश सकलेचा, तुलसी सिलावट, राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, प्रदेश अध्यक्ष बी. डी. शर्मा, कैलाश विजयवर्गीय सहित कई मंत्री, विधायक एवं नेता तथा गणमान्यजन उपस्थित थे।

हरियाणा पंजाब की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

कुरुक्षेत्र। हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा सुमन जाजू बहादुरगढ़ ने बताया कि संस्था की पंचम कार्यकारिणी बैठक सत्यजीता धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में 21 एवं 22 दिसंबर को संपन्न हुई। इसमें भगवान श्री कृष्ण पर आधारित रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन भी हुआ। इस दो दिवसीय आयोजन में हरियाणा पंजाब के विभिन्न संगठनों की माहेश्वरी महिलाओं ने सर्जनात्मक, रचनात्मक कार्यों को एक नया रूप दिया। शुभारंभ अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़, संगठन मंत्री शैला कलंत्री एवं राष्ट्रीय उत्तरांचल उपाध्यक्ष अशोक सोमानी द्वारा किरण लड्ढा राष्ट्रीय माहेश्वरी महिला संगठन की उत्तरांचल उपाध्यक्ष, पूनम राठी कार्यसमिति सदस्य, मंजू सोमानी, उत्तरांचल सह प्रभारी विवाह समिति, फाउंडर प्रेसिडेंट हरियाणा पंजाब महेश्वरी समाज रामनिवास झंवर फरीदाबाद एवं फाउंडर प्रेसिडेंट माहेश्वरी जिला सभा बहादुरगढ़ राधेश्याम काबरा की उपस्थिति में किया गया। प्रदेश स्वास्थ्य समिति के अंतर्गत बच्चों एवं महिलाओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ शिविर श्री जयराम विद्यापीठ कुरुक्षेत्र में लगाया गया। प्रदेश अध्यक्ष सुमन जाजू की प्रेरणा से लक्ष्मी निवास माहेश्वरी (समाजसेवी) पंचकूला ने श्री जयराम विद्यापीठ में बच्चों के लिए एक वाटर कूलर भेट किया। चंडीगढ़ एवं लुधियाना माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा वृद्ध आश्रम में वजन मापने की मशीन, बीपी मापने की मशीन, नेबुलाइजर मशीन और इंफ्रारेड थर्मामीटर आदि इक्विपमेंट्स भेंट किए गए। भगवान श्री कृष्ण थीम पर कल्चर प्रोग्राम प्रतियोगिता भी रख गई जिसमें बहादुरगढ़ प्रदेश कार्यसमिति की सदस्याओं को प्रथम स्थान, बठिंडा संगठन को द्वितीय स्थान एवं फरीदाबाद संगठन को तृतीय स्थान मिला। आयोजन का संचालन प्रदेश सचिव सीमा मूंदड़ा फरीदाबाद, अनु सोमानी लुधियाना, सरिता मूंदड़ा चंडीगढ़ एवं वीडियो प्रोजेक्टर रिंपी कोठारी भटिंडा द्वारा किया गया। द्वितीय दिवस में प्रातः भगवान भोलेनाथ का अभिषेक, ब्रह्मसरोवर पर प्रभात फेरी, हवन एवं गुरुकुल के बच्चों का भंडारा एवं ऊनी टोपियों और वस्त्र कर वितरण किया गए।

तालुका माहेश्वरी संगठन की कार्यकारिणी गठित

नादूरा। नांदूरा तालुका माहेश्वरी संगठन की आगामी वर्ष 2023- 2026 के लिए नूतन कार्यकारिणी का चयन संगठन के वर्तमान अध्यक्ष घनश्याम मूंदडा की अध्यक्षता में 11 दिसम्बर को श्री बालाजी मंदिर नांदूरा में किया गया। इसमें प्रयाग दम्मानी-अध्यक्ष, अजय सोमानी-सचिव, राजेंद्र लड्ढा-कोषाध्यक्ष, अजय डागा उपाध्यक्ष, प्रफुल राठी-सहसचिव, जगदीश चांडक-सहसचिव, डॉ. प्रकाश टावरी-प्रचार प्रसार मंत्री एवं 11 सदस्य का चयन निर्विरोध किया गया।

बुरे वक्त में जो शिक्षा मिलती है वह शिक्षा गुरु नहीं दे सकता। विपत्ति में पड़कर जो अनुभव मिलता है वह कोई विद्यालय नहीं दे सकता।

राजदीदी के ''जीवन जीने का नया अंदाज'' की तैयारी पूर्ण

मात्र 1 हजार लोगों का होगा पंजीयन - 31 जनवरी को होगा आयोजन

उज्जैन। पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अपने अभिनव आयोजनों की श्रृंखला में आगामी 31 जनवरी को ख्यात आध्यात्मिक प्रेरक वक्ता राजदीदी के प्रेरक व्याख्यान सत्र का आयोजन स्थानीय झालरिया मठ में होगा। इस आयोजन को लेकर सभी तैयारियाँ अंतिम दौर में है।

संगठन अध्यक्ष वीणा सोमानी व सचिव उषा सोडानी ने बताया कि इस प्रेरक आयोजन में सुप्रसिद्ध **राजदीदी** स्वस्थ, सुखी-समृद्ध व सामंजस्यपूर्ण जीवन के सूत्र बताती हुई श्रोताओं को ''जीवन जीने का नया अंदाज'' सिखाऐंगी। इस आयोजन में मात्र एक हजार लोगों का ही पंजीयन किया जाऐगा, जो पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगा। इसके लिये लोगों में बहुत अधिक उत्साह है। अभी तक इसके लिये 500 से अधिक समाजजनों का पंजीयन हो चुका है, मात्र 500 पंजीयन ही और शेष हैं।

कार्यक्रम के लिये तैयारियाँ पूर्ण

कार्यक्रम संयोजक सरोज सोनी तथा संगीता भूतड़ा ने बताया कि इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम के आयोजन की तैयारियाँ लगभग पूर्ण हो चुकी हैं। इसके लिये आयोजन समिति भी गठित हो चुकी है, जो समस्त व्यवस्थाऐं सम्भालेगी। कार्यक्रम के प्रायोजक ''पैकेजिंग ग्रुप उज्जैन'' रहेंगे। इसका आयोजन आगामी 31 जनवरी को झालरिया मठ उज्जैन में दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक होगा। कार्यक्रम का समापन सांध्य प्रसादी के साथ होगा। पंजीकृत लोगों को ही इस आयोजन में प्रवेश प्रदान किया जाऐगा।

कैसे करवाऐं पंजीयन

पंजीयन प्रथम आओ प्रथम पाओ की पद्धति से किया जा रहा है। पंजीयन के लिये संयोजक **सरोज सोनी** मो. 74703 90782, **संगीता भूतड़ा** मो. 70007 85654, **सरिता बाहेती** मो. 77480 43575,अध्यक्ष **वीणा सोमानी** 92292 93081 सचिव **उषा सोडानी** मो. 98264 46466 से सम्पर्क किया जा सकता है।

पंजीयन शुल्क 250/- रूपये संगठन की कोषाध्यक्ष व संयोजक **सरोज सोनी** के **फोनपे नं. 7470390782** पर जमा किया जा सकता है। कृपया शुल्क जमा करने के पश्चात् उक्त नम्बर पर Phone pe के द्वाराव्हाटसअप मेसेज से सूचित अवश्य करें।

Harish Chandak
Mo. : 9100713837

समस्त समाज बन्धुओं को
नववर्ष की हार्दिक मंगलकामनाएं

Ganesh Chandak
Mo. : 9246565312

Shri Ram Enterprises
(House of Electrical Goods)

Crompton Greaves EVERYDAY SOLUTIONS | ALMONARD | HAVELL'S | khaitan | USHA | ANCHOR by Panasonic | Goldmedal SWITCHES & SYSTEMS | V-GUARD The name you can trust

@ 5-26, Near Bus Depot, Dilsukh Nagar, Hyderabad-60
Phone : 040-24051718, 24045312, 65291718
E-mail : shriramdsnr@gmail.com

महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

संगीता भूतड़ा

संध्या हेड़ा

उज्जैन। श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत महिला मंडल के त्रिवार्षिक चुनाव हेमलता गाँधी की अध्यक्षता तथा जिला पर्यवेक्षक किरण डोडिया एवं चुनाव अधिकारी शोभा मूंदड़ा की उपस्थिति में निर्विरोध सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष संगीता भूतड़ा, उपाध्यक्ष वंदना जैथलिया, सचिव संध्या हेड़ा, सहसचिव आरती सोडानी, कोषाध्यक्ष ज्योति राठी, संगठन मंत्री सीमा परवाल, सांस्कृतिक सचिव रेखा मंत्री को मनोनीत किया गया।

'नानीबाई रो मायरा' आयोजित

अहमदाबाद। महेश्वरी सखी संगठन द्वारा वेद मंदिर कांकरिया में गोवत्स राधा कृष्ण जी महाराज की मधुर वाणी में नानी बाई रो मायरा का संगीतमय आयोजन हुआ। स्वागत भाषण अध्यक्ष अनुराधा अजमेरा ने दिया। संरक्षक सदस्या इंदिरा राठी ने महाराज जी को नानी बाई का मायरा की मेजबानी करने का अवसर देने के लिए धन्यवाद दिया। धन्यवाद ज्ञापन सचिव निक्की राठी ने किया। प्रसाद और भोजन दोनों का लोगो ने लाभ उठाया। सभी आयोजकों को अभिव्यक्ति के प्रतीक के रूप में दुपट्टे भेंट किये गए। पूरे तीन दिन करीब 800 लोग मौजूद रहे।

जिला युवा संगठन का कैलेण्डर विमोचित

निजामाबाद। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी निजामाबाद जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा कैलेंडर 2023 प्रकाशित किया गया। इसका विमोचन श्री रमेश भाई ओझा द्वारा निजामाबाद में किया गया। युवा संगठन के अध्यक्ष श्रीकांत झंवर ने बताया कि इस कार्यक्रम में निजामाबाद जिला माहेश्वरी युवा संगठन के उपाध्यक्ष अनूप मालू, मंत्री अनुराग भांगड़िया, उपमंत्री राजगोपाल बंग, संगठन मंत्री अभिषेक जाजू, प्रादेशिक कोषाध्यक्ष मधुसूदन मालू, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पवन मूंदड़ा, कार्यक्रम संयोजक आनंद मोदानी, युवा संगठन के कार्यकारिणी सदस्य गोविंदा मालू, गोविन्द झंवर, विष्णु जाजु आदि उपस्थित थे।

काऊ प्रोडक्ट के गहने भेंट

नाथद्वारा। गौवंश मंथन और काऊ प्रोडक्ट एसोसिएशन की ओर से निकाली जा रही गौ मंथन यात्रा नाथद्वारा पहुंची। यात्रा में शामिल सदस्यों ने तिलकायत पुत्र विशाल बाबा (गोस्वामी भूपेश कुमार) से मुलाकात की और उनके जन्म दिवस के उपलक्ष्य में गाय के गोबर से बने प्रभु श्रीनाथ जी के गहने भेंट किए गए। जीव जंतु कल्याण बोर्ड भारत सरकार की सदस्य मोनिका अरोड़ा ने बताया कि इस दौरान विशाल बावा ने सभी सदस्यों का इकलई, पान-बीड़ा व प्रसाद भेंटकर समाधान किया। इस दौरान मंदिर अधिकारी सुधाकर उपाध्याय, गौवंश मंथन और काऊ प्रोडक्ट एसोसिएशन के संस्थापक भारत भूषण झंवर, प्रभारी अनुराग नीमा एवं आशीष कुमार, शरद झंवर, अक्षत झंवर, हर्षद गुगोलिया, जब्बरसिंह, नीता वाजपेयी, सत्यनारायण शर्मा, जितेन्द्र राठौड़ आदि मौजूद थे।

''स्मृति-एक धरोहर'' का विमोचन

उदयपुरा। डॉक्टर विजयकुमार मालानी के पूर्वज दादाजी स्वर्गीय श्री गंगाभक्त मालानी एवं अपने पिता घनश्यामदास मालानी दोनों ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे। उन महान आत्माओं की स्मृतियों को समाज तक पहुँचाने का एक वृहद प्रयास उन्होंने किया है। वैसे तो ये दोनो हस्तियाँ किसी परिचय या स्तुति गान के मोहताज नहीं है फिर भी स्मारिक (स्मृति-एक धरोहर) प्रकाशित कर उन्होंने नई पीढ़ी तक उनके विचार व व्यक्तित्व को पहुँचाने का प्रयास किया। स्मृति-एक धरोहर नामक इस स्मारिका में उनके दादा जी एवं बाबूजी के समकालीन स्वतंत्रता संग्राम के साथियों के सान्निध्य का सचित्र विवरण तो है ही साथ ही भोपाल रियासत के विलीनीकरण आंदोलन के तत्कालीन साथियों के परिवार के सदस्यों के संस्मरण भी चिह्नित किए गये हैं। मालानी परिवार की वंश बेल के चित्रण के साथ अनेक राजनेताओं के उद्‌गार एवं शुभकामना संदेश भी हैं। स्मारिका 'स्मृति- एक धरोहर' का विमोचन इन्द्र वंदन (मुखिया श्री नाथ जी मन्दिर-नाथद्वारा) द्वारा किया गया। उक्त जानकारी मनीषा राठी उज्जैन (म.प्र.) ने दी।

तुम कब सही थे ये कोई याद नहीं रखता।
तुम कब गलत थे इसे कोई नहीं भूलता।

पश्चिमी म.प्र. महिला संगठन ने करवाई उमंग यात्रा

इंदौर। पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत स्वाध्याय एवं आध्यात्म समिति द्वारा उमंग यात्रा का 14 से 21 दिसंबर तक आयोजन किया गया। इस 7 दिवसीय यात्रा में 23 सदस्यों की भागीदारी रही। यात्रा का शुभारम्भ 14 दिसंबर प्रातः 10 बजे इंदौर रेलवे स्टेशन पर महाकाल एक्सप्रेस (इंदौर-वाराणसी) से हुआ। उज्जैन स्टेशन पर महिला संगठन, उज्जैन द्वारा सभी यात्रियों का स्वल्पाहार के साथ माला पहनाकर स्वागत किया गया। प्रातः 6 बजे वाराणसी पहुँचे और बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए VIP दर्शन की व्यवस्था की गई थी। सायं 5 बजे माँ गंगा के घाट पर दीपदान किया। अगले दिन 16 दिसंबर को सर्वप्रथम संकट मोचन हनुमान मंदिर दर्शन लाभ के पश्चात सारनाथ पहुँचे। यहाँ गाइड द्वारा अवशेषों व स्तूप का भ्रमण कराते हुए विस्तारपूर्वक बौद्ध धर्म के सारनाथ से जुड़ी जानकारियां बताई गई। 17 दिसंबर को प्रातः बैजनाथ धाम ज्योतिर्लिंग देवघर पहुंचे। सभी यात्रियों ने बैजनाथ महादेव का अभिषेक किया। 18 दिसंबर को प्रयागराज सुबह 7 बजे पहुँचे। फिर सुबह 9 बजे त्रिवेणी संगम, विंध्यवासिनी शक्तिपीठ माता के दर्शन हेतु शाम 6:30 बजे पहुँचे। माँ को सुहाग अर्पण कर महिलाओं ने अखंड सुहाग का वर मांगा। खंडवा जिला अध्यक्षा रेखा मंत्री का जन्मदिन भी साथ मनाया गया। 19 दिसंबर को यात्रा के अंतिम चरणों की ओर बढ़ते हुए दोपहर 2 बजे अयोध्या मंदिर निर्माण के लिए तैयार की जा रही कलात्मक शिला के वर्कशॉप व हनुमान मंदिर देख सरयू आरती कर रामलला के दर्शन हेतु 6:30 बजे पहुँचे। पूर्ण भाव से दर्शन करते हुए यात्री हनुमान गढ़ी के दर्शन कर पुनः होटल पहुँचे। 20 दिसंबर को इंदौर हेतु अयोध्या से प्रयागराज हेतु प्रस्थान कर 2 बजे प्रयागराज रेलवे स्टेशन पहुँचे। 21 दिसंबर सुबह यात्रा इन्दौर पहुँची।

जिला एवं युवा संगठन के चुनाव सम्पन्न

जगदलपुर। बस्तर जिला माहेश्वरी युवा संगठन व बस्तर ज़िला माहेश्वरी सभा का सत्र 2022–2025 के लिए अध्यक्ष व महामंत्री पद का चुनाव गत 10 दिसम्बर को श्री माहेश्वरी भवन जगदलपुर में हुआ। इसमें बस्तर जिला माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष प्रवीण गांधी जगदलपुर व महामंत्री लोकेश राठी- सुकमा निर्वाचित हुए। बस्तर ज़िला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राजेन्द्र गांधी (बीजापुर) व महामंत्री संतोष चांडक (सुकमा) निर्वाचित हुए। शेष पदो पर अध्यक्ष व महामंत्री द्वारा अपने विवेक से चयनित किया जाएगा। उक्त जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री पीयूष चांडक ने दी।

उपलब्धि

खुशबू बनी न्यायाधीश

हिम्मटसर (बीकानेर)। स्वर्गीय श्री बजरंगलाल दम्माणी की सुपौत्री तथा गुवाहाटी प्रवासी सुभाष दम्माणी की सुपुत्री खुशबू ने असम न्यायपालिका सेवा की महत्वपूर्ण परीक्षा उत्तीर्ण कर न्यायाधीश बनने का स्वप्न साकार किया है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

जाह्नवी को स्वर्ण पदक

जलगांव। समाज सदस्य जान्हवी सोमानी सुपुत्री - स्मिता दीपक सोमानी ने 16 वर्ष की आयु में मलेशिया में रिदमिक योगा और पारंपरिक योगा में दो स्वर्ण पदक प्राप्त कर एशियन योगा चैंपियनशिप में अपना नाम दर्ज कराया है। पहले भी कु.जान्हवी ने 12 वर्ष की उम्र में वेरुल (औरंगाबाद) में जिलास्तरीय योगा प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था।

वांछित को केट में 98%

जयपुर। मूलतः सरदारशहर वासी स्वर्गीय श्री हनुमानमल सोमाणी के सुपौत्र व जयपुर प्रवासी दिलीपकुमार सोमाणी के सुपुत्र 21 वर्षीय वांछित सोमाणी ने गत वर्ष नागपुर NIT से Metallurgy & Material Science Engineering में B.Tech किया गया। वे इस वर्ष केट में 98% प्राप्त कर वे आईआईएम के लिये चयनित हुए।

जिंदगी में एक बात हमेशा याद रखना, सब कुछ हासिल करना लेकिन घमंड कभी मत करना।

माहेश्वरी टाईम्स के दीपावली विशेषांक का विमोचन

उज्जैन। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय गठबंधन समिति प्रमुख शर्मिला राठी - दिल्ली, मध्यांचल उपाध्यक्ष मंगला मर्दा-वापी तथा मध्यांचल संयुक्त मंत्री उषा करवा अपनी निजी धार्मिक यात्रा पर भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन में आयीं। यहाँ तीनों पदाधिकारियों ने भगवान श्री महाकालेश्वर सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर दर्शन किये एवं श्री माहेश्वरी टाईम्स कार्यालय पधारीं। इस अवसर पर उनके हाथों से श्री माहेश्वरी टाईम्स के दीपावली विशेषांक का विमोचन हुआ। अतिथियों का स्वागत पुष्कर बाहेती, प्रबंध सम्पादक सरिता बाहेती एवं मुनि बाहेती ने किया।

हेड़ा सम्मेलन का हुआ आयोजन

नडियाद। गुजरात के पवित्र वड़ताल धाम नडियाद में माहेश्वरी समाज की प्रमुख हेडा खांप का तीसरा महासम्मेलन 18 दिसंबर को संपन्न हुआ। इस दो दिवसीय सम्मलेन में गुजरात, राजस्थान, मप्र, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, गोवा व दुनियाभर के 1000 से ज्यादा हेड़ा परिवार एक मंच पर एकुजट हुए और समाज को संगठित करने के संकल्प के साथ लौटे। मुख्य अतिथि माहेश्वरी महासभा के सभापति श्याम सुंदर सोनी और विशेष अतिथि श्यामसुंदर राठी थे। इस मौके पर नई कार्यकारिणी के रूप में पुनः अध्यक्ष प्रहलाद राय हेड़ा, महासचिव डॉ. जी. एल. हेड़ा और कोषाध्यक्ष तुलसीराम हेड़ा निर्विरोध चुने गए। निवर्तमान महिला प्रभारी जमुना हेड़ा ने अपना कार्यभार जोधपुर की युवा कार्यकर्ता सुनीता हेड़ा को सौंपा। कार्यक्रम में अमेरिका से पधारे ख्यातिमान जेनेटिक्स रिसर्च वैज्ञानिक प्रो. (डॉ.) घनश्याम हेडा को हेड़ा-गौरव और वरिष्ठ समाजसेवी कालूराम हेडा को हेडा-रत्न सम्मान दिया गया। नैराबी से आये जाने-माने आर्थोपेडिक सर्जन डॉ प्रकाश हेड़ा को भी विशिष्ट सम्मान दिया गया। इस मौके पर समाज के बुजुर्गों, प्रतिभावान युवा पीढ़ी और विशिष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले समाजजनों और समाज के लिए दान करने वाले भामाशाहों को भी सम्मानित किया गया। प्रचार मंत्री कमलेश हेडा ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संगठन अध्यक्ष प्रहलाद हेडा, महासचिव डॉ. जीएल हेडा, कोषाध्यक्ष तुलसीराम हेडा, सचिव संदीप हेडा, महिला अध्यक्ष जमुना हेड़ा, संगठन मंत्री केदार हेडा समेत वरिष्ठ पदाधिकारी और सदस्यों का योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन सुनीता हेडा, रितिका हेडा, सत्यप्रकाश हेड़ा और आनंद हेड़ा ने किया।

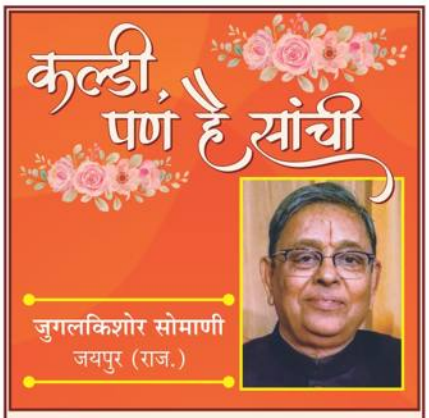

तो घर को काम करणै रो थारो ठेको कोनी, बेटी

आजकांलै साख-सम्बन्धां री चरचा स्यूँ ज्यादा तलाक री बातां मै लोगां नै रस आण लागग्यो। रोजीना तलाक रा नया किस्सा सुणिजै है। पण इंयाल्की रसीजेड़ी बातां रा दो कलाकार तो होणा ही होणा है - माँ है' र परनेड़ी बेटी। एक बळी रो बकरो भी तय है - बेटी को मोट्यार।

अबै थानै तलाक री बानगी बताऊँ :

संवाद तो माँ-बेटी को ही होणो है...

- परसीनै की बांस आवै...
- लेट भोत आवै...
- आंता ही सोणै की लागी रै...
- खन्नै तो तीन-चार दिन ही आवै कोनी...
- सासू उठणै की ताकड़ करै...
- बिना न्हाया चाय कोनी पीण दै...
- न्हाया बाद बडोड़ा कै पगा पड़नो पड़ै...
- बरमुडो कोनी पैरण दै...
- पीज्जा-बरगर कोनी मंगाण दै...
- ऑनलाइन समान मंगाणै स्यूँ रोळा करै..

तो घर को काम करणै रो थारो ठेको कोनी बेटी, मम्मी को घड़योमण्डो (रटोरटायो) उत्तर है।

ऐ ऊपर लिखी बातां नै टचूकड़ो (चुटकलो) मत समझ्या। ऐ बातां तलाक रै वास्तै कोरट (कोर्ट) मै कहीजै है।

अबै आप विचार करो कै इंयाल्का भाणा (बहाना) स्यूँ गिरस्थी खिण्डण लागगी, जणा किंया पाड़ पड़सी!

ऐ सगळी या फेर ईस्यूँ भी बोळी ऊळपचुळी बातां आया दिन अखबारां मै छपे है।

मालपानी परिवार का किया सम्मान

अमरावती। देश के स्वतंत्र आंदोलन में अमरावती स्थित कालाराम मंदिर सराफा में जुगलकिशोर व्यायाम शाला से इस आंदोलन की गतिविधियाँ होती थी। यहीं के मालपानी परिवार के तीन भाई स्व. श्री शरदचंद्र जगन्नाथ मालपानी, स्व. राजेंद्रलाल मालपानी व स्व. श्री रविन्द्रलाल मालपानी (नांदेड वाले) इस स्वतंत्रता आंदोलन में 2 वर्ष जेल में भी रहे। गांधीजी के आह्वान पर श्रीमती मालपानी ने स्वयं के गहने भी देश को अर्पित किये। देश की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन की ओर से माहेश्वरी समाज की राष्ट्रीय धरोहर की उपाधि देकर इन तीनों स्वतंत्रता सेनानी के परिवार को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रमेशचंद्र चांडक, रमन हेड़ा (अकोला), डॉ. सूर्यप्रकाश चांडक, डॉ. सुशीला मालपानी, आनंद मालपानी, देवेंद्र मालपानी व अमरावती माहेश्वरी संगठन के गणमान्यजन उपस्थित थे।

महिला मण्डल ने स्कूल में पहुँचाई मदद

खरगोन। शहर से 25 किमी दूर स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय, कुकडमाल, फल्या, बागदरा में माहेश्वरी महिला मण्डल, खरगोन की सदस्याओं द्वारा बच्चों को शीतलहर से बचाव हेतु स्वेटर व खाने के लिए चिप्स के पैकेट, चॉकलेट और बिस्किट वितरित किए गये। अध्यक्षा अलका सोमानी ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कक्षा एक से पाँचवीं तक बच्चों से कवितायें व गिनती सुनी और उन्हें शिक्षा की ओर प्रेरित किया। विद्यालय के अध्यापकों ने सभी का अभिवादन कर आभार व्यक्त किया। माहेश्वरी महिला मण्डल खरगोन के सदस्य, जानकी खटोड, उषा सोमानी, पुष्पा जाजू, कांता सोनी, निशा भट्टड, उमा सोमानी, डॉ.गरिमा सोमानी आदि भी उपस्थित थीं।

एक पल के लिए मान लेते हैं कि किस्मत में लिखे फैसले बदला नहीं करते, आप फैसला तो लीजिये क्या पता किस्मत ही बदल जाए।

रामरत्ना विद्या मंदिर ने मनाई रजत जयंती

ठाणे (महाराष्ट्र)। रामरत्ना समूह द्वारा भायंदर में संचालित शिक्षण संस्था ''रामरत्ना विद्या मंदिर'' की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह मनाया गया। इस अवसर पर रामरत्ना समूह के प्रमुख त्रिभुवन काबरा के पिताश्री रामेश्वरलाल काबरा व माताश्री श्रीमती रत्नादेवी काबरा विशेष रूप से उपस्थित थे। इस गरिमामय आयोजन में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री गडकरी ने संस्था की रजत जयंती की बधाई देते हुए कहा कि जहाँ अभी भी पूर्ण संसाधनों से शिक्षण व्यवस्था हर जगह उपलब्ध नहीं है, वहीं यह संस्था अपने श्रेष्ठ भवन, श्रेष्ठ शिक्षक व श्रेष्ठ विद्यार्थियों के साथ अपनी उपलब्धि की पताका फहरा रही है। अतिथि स्वागत श्री काबरा व स्कूल स्टाफ की ओर से किया गया। इस आयोजन में स्कूल के विद्यार्थियों ने आकर्षण रंगारंग प्रस्तुति देकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

स्वागत समारोह का हुआ आयोजन

डेगाना। माहेश्वरी नवयुवक मंडल डेगाना की ओर से सिटी माल में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। नवयुवक मंडल अध्यक्ष राकेश खटोड़ व सचिव आकाश करवा ने जानकारी देकर बताया कि माहेश्वरी नवयुवक मंडल के कार्यकारिणी सदस्य हरीश सोनी को व्यापार मंडल अध्यक्ष व राकेश करवा को व्यापार मंडल कोषाध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने बताया कि व्यापार मंडल के अध्यक्ष श्री सोनी व कोषाध्यक्ष श्री करवा का नवयुवक मंडल की समस्त कार्यकारिणी की ओर से साफा व माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर नवयुवक मंडल अध्यक्ष राकेश खटोड़, कोषाध्यक्ष अमित दरक, सचिव आकाश करवा, पवन खटोड़, राजेश तापड़िया, मुरली भूतड़ा, लक्ष्मीकांत करवा, संतोष सारड़ा, सुमित दरक, अंशुल सोमानी, हर्ष करवा, आयुष करवा सहित समाज के समस्त सदस्य उपस्थित थे।

निःशुल्क सामूहिक विवाह का आयोजन

इंदौर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय गठबंधन समिति के अंतर्गत निःशुल्क सामूहिक विवाह सप्तपदी 2022 का पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के संयोजन एवं श्री इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में गत 3 दिसम्बर को इंदौर शहर में छत्रीबाग व्यंकटेश मंदिर में पूज्य युवराज स्वामी जी श्री माधव प्रपन्नाचार्य जी के सानिध्य में आयोजन हुआ। शादी की सभी रस्मों, रिवाज को निभाने के साथ संगीत के माध्यम से सुंदर प्रस्तुति दी गयी। बारात के चल समारोह का 3 स्थानों पर समाजजनों द्वारा स्वागत सत्कार किया गया। मध्यांचल उपाध्यक्ष मंगल मर्दा, संयुक्त मंत्री उषा करवा व रा. गठबंधन समिति की प्रभारी शर्मिला राठी विशेष रूप से उपस्थित थीं। स्वागत अध्यक्ष मंजु सारड़ा, स्वागत मंत्री अरुणा मूँदड़ा, मुख्य अतिथि विमला अजमेरा, विशेष अतिथि श्री नागोरी के साथ सभी उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मंच पर सभी अतिथियों का स्वागत स्वामी जी द्वारा श्रीफल से किया गया। स्वागत उद्बोधन इंदौर जिलाध्यक्ष सुमन सारड़ा एवं प्रदेश अध्यक्ष वीणा सोमानी द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रमिला भूतड़ा एवं पूनम मालपानी ने किया। आभार प्रादेशिक सचिव उषा सोडाणी ने माना।

उत्कल अधिवेशन (उड़ीसा) 'कलासंगम'

बालेश्वर (उड़ीसा)। उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा पहली बार 'कलासंगम' (संस्कार संस्कृति समृद्धि) दो दिवसीय प्रदेश अधिवेशन बालेश्वर जिला के माहेश्वरी भवन में गत 17 व 18 दिसम्बर को आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा सादानी, विशेष अतिथि पूर्वांचल की संयुक्त मंत्री गिरिजा सारडा, पूर्वांचल के संयुक्त मंत्री दिनेश करनानी, उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नंदकिशोर माहेश्वरी व सचिव महावीर मूंधड़ा का स्वागत अभिनन्दन प्रदेश अध्यक्ष सुनीता राठी, सचिव संगीता मारु, कार्य समिति सदस्य अस्मिता मूंधड़ा, कोषाध्यक्ष शशी डोंगरा, उपाध्यक्ष कमला चांडक, संगठन मंत्री उषा मूंधड़ा, सह सचिव गीता सोमानी, बालेश्वर जिला की अध्यक्ष सीमा मूंधड़ा, सचिव निर्मला सारडा द्वारा इलायची की माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर किया। 17 दिसंबर को जिला बैनर प्रजेंटेशन, अतिथि उद्बोधन व सायंकाल में सभी जिला द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। 18 दिसंबर को सुबह बालेश्वर का खिराचुरा मंदिर एवं इमामी जगन्नाथ मंदिर का भ्रमण किया। उसके बाद सभी जिला अध्यक्ष द्वारा रिपोर्ट की प्रस्तुति, सर्टिफिकेट वितरण व खुला मंच रखा गया। उड़ीसा के सभी जिला अध्यक्ष सचिव व सभी सदस्याओं की उपस्थिति रही। जिला स्तर पर बिना फूलों के बुके व प्लाकार्ड प्रतियोगिता रखी गई। इस 'कलासंगम' अधिवेशन में उत्कल प्रदेश की समिति संयोजिकाए, बालेश्वर जिला समाजजनों व बालेश्वर महिला संगठन, युवा संगठन का सक्रिय योगदान रहा।

श्रद्धांजलि

श्री संजीव माहेश्वरी (देवपुरा)

इंदौर। उज्जैन के पूर्व जनसंपर्क अधिकारी स्वर्गीय श्री रामस्वरूप माहेश्वरी के सुपुत्र, समाजसेवी स्व. श्री किशोर राठी के दामाद, सी.आर. माहेश्वरी, नृसिंह, गोपाल, गोविंद व अतुल देवपुरा के भतीजे तथा अमित माहेश्वरी के पिताश्री संजीव कुमार माहेश्वरी (देवपुरा) का देवलोकगमन गत 7 दिसम्बर को हो गया। श्री संजीव माहेश्वरी म.प्र. माध्यम के पूर्व अधिकारी थे। आप सिद्धांत एवं ईमानदारी के लिए प्रसिद्ध थे। आपके निधन पर समाज एवं शहर के कई गणमान्यजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री सचिन गगरानी

खाचरौद (म.प्र.) समाज के वरिष्ठ लिमड़ावस निवासी नारायण गगरानी के सुपुत्र व हितेश, भरत, गौरव, हर्ष (गोलू) के भाई एवं अद्विक के पिताश्री सचिन गगरानी का स्वर्गवास 21 दिसंबर को हो गया था। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

श्री सूरजमल गग्गड़

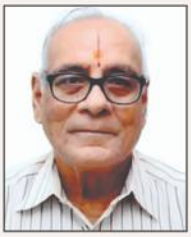

ठाणे। मौलासर के मूल निवासी समाज के वरिष्ठ श्री सूरजमल सुपुत्र श्री धन्नालाल गग्गड़ का गत 12 दिसम्बर को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे धर्मपत्नी एवं विवाहित पुत्र भरत, संजय व शरद तथा विवाहित पुत्री सरिता, मंगल, चित्रा व ज्योति आदि का पौत्र-पौत्री भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

पुणे। जिले में सेवा व त्याग का पर्याय बन चुकी चेरिटेबल संस्था सांगवी परिसर महेश मंडल, पुणे द्वारा गत 4 दिसंबर को कै. चम्पालाल गुगले की स्मृति में नटसम्राट निळू फुले रंगमन्दिर, सांगवी (पुणे) में 26 वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 179 रक्तदाताओं ने जीवन-मृत्यु के बीच संघर्षरत लोगों को रक्तदान द्वारा नवजीवन देने के लिये भागीदारी की। इस अवसर पर लीलाबाई गुगले, संदीप गुगले। मंडल अध्यक्ष सतीश लोहिया, मनोज अटल, निलेश अटल आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में दीपेश मालानी, गजानंद बिहाणी, मुकुन्द तापड़िया, गणेश चरखा, शुभम बिरला, हेमन्त पलोड, अनूप धीरन, आदि कार्यकर्ताओं की सराहनीय सेवाएं रही।

सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा प्रतिवर्ष उन लोगों को सम्मानित करती है जो समाज में तन, मन, धन से सहयोग और विशेष क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हैं, लेकिन विगत दो वर्षों से लॉकडाउन के कारण यह कार्यक्रम नहीं हो सका। इस वर्ष इचलकरंजी में 17 व 18 सितम्बर को इस सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें जलगाँव के प्रसिद्ध अधिवक्ता एवं समाजसेवी व जलगाँव जिला माहेश्वरी सभा के जिलाध्यक्ष नारायण रामदयाल लाठी का उल्लेखनीय योगदान के लिये सम्मान हुआ, जिन्होंने जलगाँव जिले में माहेश्वरी समाज में भूमि सहित 120 मकान बनाने का संकल्प लिया है। श्री लाठी बालाजी मंदिर संस्थानों के ट्रस्ट भी बालाजी मंदिर भवन, रिंग रोड महेश भवन के कार्यकारी निदेशक और लोहान माता लाठी कुलस्वामिनी के अध्यक्ष हैं। अखिल भारतीय महेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्यामसुंदर सोनी एवं महासचिव संदीप काबरा, क्षेत्रीय अध्यक्ष किशन भंसाली, कोल्हापुर क्षेत्र के विशेष पुलिस महानिरीक्षक मनोज लोहिया सहित विभिन्न पदाधिकारियों ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर गणमान्यजनों द्वारा सुयोग स्मारिका का विमोचन किया गया। अधिवक्ता नारायण रामदयाल लाठी के अभिनंदन के साथ ही राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में माहेश्वरी समुदाय के उल्लेखनीय कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी किया गया।

टॉक शो का किया आयोजन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा बहन बी. के. शिवानी जी का टॉक शो गत 3 दिसंबर 2022 को सायं काल 5 बजे से आयोजित किया गया। इसमें 'Celebrating Life' विषय पर आध्यात्मिक टॉक शो में राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति पुरस्कार से पुरस्कृत प्रख्यात आध्यात्मिक वक्ता सुश्री बीके शिवानी का प्रेरणादायी उद्बोधन हुआ। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष केदारमल भाला, उपाध्यक्ष समाज संजय माहेश्वरी, समाज महामंत्री मनोज मूंदड़ा, उपाध्यक्ष शिक्षा बजरंग लाल बाहेती, महासचिव शिक्षा मधुसूदन बिहाणी, कोषाध्यक्ष शिक्षा अनिल सारड़ा, समाज संरक्षक एवं समाज के पूर्व अध्यक्ष और समाज के अन्य गणमान्यजन मौजूद थे। महामंत्री समाज मनोज मूंदड़ा न कार्यक्रम संयोजिका तेजश्री परवाल, कार्यक्रम सह-संयोजक विकास सोमानी आदि अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

खरी-खरी

कटुता-कपट सहेते मन में,
मुख पर मीठे बोल यहाँ

घृणा, द्वेष ने ओढ़ रखा है,
अपनेपन का खोल यहाँ

इस भौतिक युग में,
चारित्रिक मूल्यों की परवाह किसे

बिकते देखी है नैतिकता,
दो कोड़ी के मोल यहाँ

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

खुशी पैसों पर नहीं, परिस्थितियों पर निर्भर करती है। एक बच्चा गुब्बारा खरीद कर खुश था तो दूसरा बच्चा उस गुब्बारे को बेच कर।

महिला मंडल ने ली शपथ

चंडीगढ़। ट्राई सिटी माहेश्वरी महिला मंडल का शपथ व सम्मान समारोह गत दिनों आयोजित हुआ। इसमें मुख्य अतिथि के रूप मे पंजाब हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष सुमन जाजू व उपाध्यक्ष नलिनी मिमानी उपस्थित थीं। पूर्व अध्यक्ष पद पर रही विजय लक्ष्मी गग्गड़ व चारू कोठारी ने अपना तीन साल के कार्यकाल का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। सुमन व नलिनी ने सभी को बधाई देते हुए नई कार्यकारिणी गठित की जिसमें अध्यक्ष प्रिया राठी, सचिव सरिता मुंधड़ा व कोषाध्यक्ष किरण सारड़ा चुनी गई। इसके साथ ही तीन उपाध्यक्ष बबीता सोनी, शर्मीला खटोड़, रश्मि इनानी, तीन सह सचिव सरोज बिहानी, शारदा माहेश्वरी, प्रियंका नेवर व सांस्कृतिक कमेटी में पांच मेम्बर संगीता गग्गड़, दिव्या मालपानी, भारती सारड़ा, मंजू राठी व प्रीती सारड़ा, प्रचार-प्रसार मंत्री सरिता करवा व ज्योति सोनी चुनी गई।

गट्टानी को समर्पित पुस्तक विमोचित

उदयपुर। के.जी.गट्टानी फाउण्डेशन द्वारा मुस्कान क्लब के स्थापना दिवस पर ओरियंटल पैलेस रिसोर्ट में आयोजित समारोह में भव्य भजन संध्या आयोजित की गई। इसमें बॉलीवुड गायक प्रवीण गौतम एवं अतुल पण्डित ने अपनी मधुर आवाज में भजन संध्या में समां बांध दिया। श्रद्धा गट्टानी ने बताया कि इस अवसर पर अजमेर के प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद सोमानी हंस द्वारा लिखित व्यंगात्मक पुस्तक 'हां कहने का सुख' स्व. श्री कृष्णगोपाल गटट्ानी को समर्पित की गई। समारोह के मुख्य अतिथि आईएमए अध्यक्ष डॉ. आनन्द गुप्ता, विशिष्ठ अतिथि कौशल्या गट्टानी, नितिन गट्टानी,नीरज गट्टानी,मुस्कान क्लब अध्यक्ष एस.एस.राजोरा थे।

रूचित बने चैम्पियन्स ऑफ चैम्पियन

मूर्तिजापुर। महाराष्ट्र राज्य स्तरीय अबेकस स्पर्धा में सबसे कम उम्र के प्रतिभागी संगीता-प्रमोद बंग के पौत्र एवं परेश और श्वेता के सुपुत्र रूचित बंग ने प्रथम स्थान अपने नाम कर 'चैंपियंस ऑफ द चैंपियन' का खिताब प्राप्त किया। जिस कोर्स के लिए कम से कम 5 वर्ष की आयु सुनिश्चित की गई है। वह कोर्स रूचित ने मात्र साढ़े चार साल की आयु में 2 माह में पूर्ण किया है।

बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल, भीलवाड़ा द्वारा 04 दिसम्बर को मासिक परिचय-पत्रक (बायोडाटा) अवलोकन कार्यक्रम 1:00 बजे से 4:00 बजे तक दोपहर में माहेश्वरी भवन नागोरी गार्डन भीलवाड़ा में संपन्न हुआ। इसमें राजस्थान के विभिन्न स्थानो से प्रत्याशियों के अभिभावकों ने बायोडाटा अवलोकन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ केकड़ी से अजमेर जिला माहेश्वरी सभा कार्यसमिति सदस्य निरंजन तोषनीवाल, बस्सी से व्यापार मंडल अध्यक्ष, एवम युवा संगठन के पूर्व जिला उपाध्यक्ष किशन जागेटिया, बस्सी नगर सभा के कोषाध्यक्ष संजय सोमानी, रमेश राठी, मंत्री माहेश्वरी समाज सम्पति ट्रस्ट, श्रवण समदानी, अशोक चण्डक, सुनील मूंदड़ा, सत्य नारायण तोषनीवाल, संपत माहेश्वरी व रामचंद्र मूंदड़ा आदि ने दीप प्रज्जवलन किया।

बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल के तत्वावधान में विवाह योग्य माहेश्वरी युवक-युवती परिचय पत्र का अवलोकन कार्यक्रम भीलवाड़ा से आये संपत तोषनीवाल, श्रवण समदानी और ओम कृष्ण समदानी के सान्निध्य में आयोजित किया गया। इसमें तकरीबन 1093 युवक और 1510 युवतियों का ईयर व एरिया वाइज बायोडाटा बैंक बनाया गया। प्रहलाद पुंगलिया, सोहन पुंगलिया, जानकीलाल भंडारी, गोविंद गदिया, राम प्रसाद मालू, ओम खटोड़, शिवजी पुगलिया, शिवजी मंत्री, कैलाश मूंदड़ा, नटवर जागेटिया, बालकिशन धूत, अंकित मालू आदि माहेश्वरी समाज के कई गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित थे। महिलाओं में भी गीता खटोड़, आशा मालू, सुचिता मंत्री, मेघना मालू, अर्चना मोदानी, वंदना भंडारी, नेहा न्याति, मोनिका गादिया, मधु न्याती, आदि ने इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लिया।

स जिंदगी मुश्किलों के सदा हल दे,
थक ना सकें हम फुर्सत के कुछ पल दे,
दुआ है दिल से सबको सुखद आज
और बेहतर कल दे।

गीता जयंती उत्सव संपन्न

राजनांदगांव। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गीता जयंती उत्सव रामदेव बाबा मंदिर में मनाया गया। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन राधा लड्ढा द्वारा किया गया। तत्पश्चात गीता जी का पूजन सुषमा राठी, अनीता चितलांगिया, मंजू बागड़ी, सीमा पोरवाल, प्रीति चितलांगिया द्वारा किया गया। तत्पश्चात संस्कार पाठशाला के बच्चों द्वारा पहले अध्याय के श्लोको का पठन किया गया। सभी लोगों द्वारा सामूहिक रूप से 12 वें अध्याय का पठन किया गया। कार्यक्रम में दीपा बागड़ी का विशेष सहयोग रहा। रुपाली गांधी द्वारा गीता क्विज रखी गई, गीता जी की आरती की गई। सरस्वती लोहिया, सरोज बागड़ी व वसुधा लड्ढा द्वारा गीता जी के संदेश दिए गए। कार्यक्रम का संचालन सचिव सुषमा राठी द्वारा किया गया एवं अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया गया। उक्त जानकारी पीआरओ पिंकी धूत ने दी।

आगार दम्पत्ति को 3-3 पदक

रतलाम। मास्टर्स गेम एसोसिएशन मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित, राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में मीना पति राजकुमार आगार (रतलाम) ने तीन इवेंट में तीन मेडल गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रॉन्ज़ प्राप्त किये। इसी प्रकार तीन इवेंट में राजकुमार आगार (रतलाम) ने भी तीन मैडल गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रॉन्ज़ जीते।

भूल सुधार

शकुन्तला नावंदर बैंक डायरेक्टर नियुक्त

हैदराबाद। समाज सेवा में विशिष्ठ पहचान रखने वाली, आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष शकुन्तला नावंदर को राज राजेश्वरी महिला कॉपरेटिव्ह बैंक की निर्देशक के पद पर नियुक्त किया गया। संगठन के सभी सदस्यों ने शुभकामनाए एवं बधाई दी।

बृज चौरासी कोस यात्रा का आयोजन

जयपुर। जिला माहेश्वरी सभा समिति द्वारा गत 19 नवम्बर से 27 नवम्बर तक बृज चौरासी कोस यात्रा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में 154 समाज बंधु सम्मिलित हुए जिनमें अधिकांश वरिष्ठ नागरिक थे। यात्रियों का मुख्य निवास वृंदावन में रहा। यात्रा छोटी गाडियों जैसे इनोवा, स्कार्पियो, तवेरा आदि गाडियों से की गयी। यात्रा के प्रथम दिन ही भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। श्री कृष्णा धाम वृंदावन में यात्रियों का स्थायी निवास रहा। सभी कमरों में एसी, गीजर, टी. वी. आदि सुविधाएं उपलब्ध थीं। प्रातः कालीन नाश्ता, चाय, विश्राम एवं दोपहर का भोजन विभिन्न यात्रा स्थानों पर उपलब्ध कराया गया। सायंकालीन भोजन एवं रात्रि दूध आदि की व्यवस्था विश्राम स्थल पर उपलब्ध करायी गयी। यात्रा के अंतिम दिन मथुरा में चुनरी मनोरथ का कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस कार्यक्रम में जयपुर से अनेक परिवार मथुरा पहुंचे। यह कार्यक्रम बहुत ही सुंदर एवं दर्शनीय था। लगभग 15 नौकाओं में सवार समाज बंधुओं ने यमुना मैया को चुनरी समर्पित करने का मंगल कार्य किया। इस यात्रा के मुख्य संयोजक बृजेश लड्ढा एवं सहसंयोजक दिनेश मोदानी व प्रकाश मैनाणा रहें। जिला अध्यक्ष नवल किशोर झंवर भी यात्रा में साथ रहे। चुनरी मनोरथ में प्रेम लता मांधना, अल्पना शारदा, राजकुमारी लड्ढा, अनिता परवाल, अनिता मूंदडा आदि का विशेष योगदान रहा।

झंवर बनी सहकारी समिति अध्यक्ष

मांडलगढ़। ग्राम सेवा सहकारी समिति में अध्यक्ष इंद्रा विनय झंवर पुनः निर्विरोध चुनी गईं। वर्ष 2011 से लगातार चुनी जा रही ज्योति देवी चेचानी प्रबन्ध कार्यकारिणी सदस्य चुनी गई। समाजजनों ने इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त किया।

अकड़ और अभिमान एक मानसिक बीमारी है, जिसका इलाज कुदरत और समय जरूर करता है।

बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता 'एमसीएल-2022' सम्पन्न

बीकानेर। माहेश्वरी समाज की जिलास्तरीय नाईट बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता 'एमसीएल-2022' का समापन फाइनल मुकाबले, शानदार आतिशबाजी व गाजेबाजे के साथ हुआ। माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम लाहोटी ने बताया कि एमसीएल-2022 का आयोजन 7 नवम्बर से 12 नवम्बर 2022 तक केसी मंडपम के जोरा गार्डन में किया गया। सभा सचिव शिवप्रकाश चाण्डक ने बताया कि युवा संगठन व सभा के साथियों ने सभी अतिथियों को दुपट्टा पहनाकर स्मृति चिह्न भेंट किया। स्वागत उद्बोधन प्रदेश सदस्य ललित किशोर झंवर ने दिया। बीकानेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष अंकित तोषनीवाल ने बताया कि कार्यक्रम में नोखा वृत्ताधिकारी भवानीसिंह इन्दा, पूर्व संसदीय सचिव कन्हैयालाल झंवर, नगरपालिका अध्यक्ष नारायण झंवर, आसकरण भट्टड़, उत्तरी राजस्थान प्रदेश सभा के अध्यक्ष बाबूलाल मोहता, जिला सभा अध्यक्ष ओमप्रकाश करनानी, महिला मण्डल की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष लता मुंदड़ा, पुष्कर सेवा सदन के मुरलीधर झंवर, शिवनारायण झंवर, युवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सुनील झंवर, प्रदेश सचिव किशन लोहिया, गुडगांव में कार्यरत सेंट्रल जीएसटी व कस्टम इंस्पेक्टर अजय मल, एमसीएल-2022 के टाइटल स्पॉन्सर बिहाणी कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के महावीर बिहाणी आदि अतिथि के रूप में उपस्थिति थे। माहेश्वरी युवा संगठन नोखा के उपाध्यक्ष दिनेश राठी व जिला खेलमन्त्री विजय बिहाणी ने बताया कि बीकानेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन व माहेश्वरी युवा संगठन नोखा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस टूर्नामेंट के छठे दिन 2 सेमीफाइनल व 1 फाइनल मैच खेला गया। एमसीएल 2022 का फाइनल मैच राइजिंग स्टार नोखा व माहेश्वरी यूनिटी क्लब बीकानेर के बीच खेला गया, इसमें टारगेट का पीछा करते हुए राइजिंग स्टार नोखा ने 5 विकेट से मुकाबला जीत लिया। माहेश्वरी युनिटी क्लब बीकानेर रनरअप रही। मेन ऑफ द मैच शेखर बागड़ी रहे। विजेता टीम व ओनर को क्रमशः 51 व 61हजार रुपये की इनामी राशि व रनरअप टीम को 35 व 41 हजार की नकद राशि प्रदान की गई।

क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न

ब्यावर। क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के 30 वे सत्र 2022-25 के चुनाव मुख्य चुनाव अधिकारी श्यामसुंदर झंवर एवं जिला सभा मुख्य चुनाव अधिकारी गोपाल मालू, चुनाव पर्यवेक्षक ज्वाला प्रसाद कांकाणी की देख रेख में संपन्न हुये। निवर्तमान अध्यक्ष जुगलकिशोर मनियार व मंत्री सुनील झंवर ने बताया कि आगामी सत्र हेतु अध्यक्ष डॉ. एल. एन. बल्दुआ सर्वसम्मति से चुने गए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री बल्दुआ ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा करते हुये उपाध्यक्ष-स्वरूप नारायण झंवर, मंत्री-रमेश चितलांगिया, उपमंत्री-नारायण हेड़ा, कोषाध्यक्ष-विजय झंवर, संगठन मंत्री-राजेंद्र काबरा, प्रचार मंत्री- प्रकाश चितलांगिया के साथ 14 सदस्यीय कार्यकारिणी की घोषणा की।

गट्टानी की कृति साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत

भोपाल। सक्रिय और सेवाभावी समाज सदस्य राजेन्द्र गट्टानी की कविता कृति ''युग का गरल पिया करते हैं,'' मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग अंतर्गत साहित्य अकादमी द्वारा बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' पुरस्कार हेतु चयनित की गई है। उल्लेखनीय है कि श्री गट्टानी का श्री माहेश्वरी टाइम्स में खरी-खरी शीर्षक से नियमित कॉलम है। प्रदेश स्तर के इस पुरस्कार हेतु रचनाकार के रूप में श्री गट्टानी को शाल, श्रीफल, स्मृतिचिन्ह और प्रशस्ति पत्र के साथ रूपये 51 हजार की राशि से समारोहपूर्वक सम्मानित किया जाएगा। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

सोडानी चिली से आमंत्रित

इंदौर। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आगामी 8 से 10 जनवरी 2023 को इंदौर में आयोजित 17 वें प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर सैंटियोगो, चिली से Kupos.cl के संस्थापक और चेयरमैन अमित सोडाणी सुपुत्र गोविन्द सोडाणी व सुपौत्र स्वर्गीय तुलसीराम सोडाणी, मेखलीगंज, पश्चिम बंगाल मूल निम्बी जोधा, नागौर को विशेष वक्ता के रूप में आमन्त्रित किया गया है। इनको विषय वक्तव्य के लिये Role of Diaspora Youth in Innovations and new Technologies विषय दिया गया है।

जब हमें बड़े हो जाते हैं तो हमसे पेंसिल लेकर पेन इसलिये दिया जाता है ताकि हम समझ जाए कि हमारी गलतियों को मिटाना अब आसान नहीं है।

जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता

वाराणसी। पूर्वी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा के आह्वान पर प्रदेश में एक माहेश्वरी परिवार को व्यवसाय में आ रही आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए राजकुमार कोठारी वाराणसी ने एक लाख रुपए का ब्याज रहित लोन देकर सामाजिक संवेदनशीलता का परिचय प्रस्तुत किया है। तीन हजार रुपए मासिक किस्त द्वारा लोन की अदायगी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा भी अपने प्रादेशिक ट्रस्ट श्री महेश सेवा ट्रस्ट के माध्यम से प्रदेश में 2 लाख रुपए तक वार्षिक आय वाले परिवारों का सामाजिक सहयोग करने हेतु दो योजनाएं चालू करने जा रही है, जिसमें बच्चों की शिक्षा हेतु 5,000/- रुपए प्रति वर्ष शिक्षा सहयोग व दीपावली पर 5,000/- रुपए की उपहार राशि की भेंट शामिल है।

श्रीमती तापड़िया की स्मृति में भेंट

लोहरदा (देवास)। स्व. श्रीमती समीक्षा मनोज तापड़िया की स्मृति में दाना बाबा पर 2 स्टील की 3 सीटर आराम कुर्सी भेंट की गई। इस लोकार्पण कार्यक्रम में गोविन्ददास, मोहनलाल, श्याम तापड़िया, बंशीलाल भूतड़ा, नर्मदा प्रसाद बाल्दी, ओम मालू, हरि पटेल, श्याम मालू, संजय गुप्ता, गौरव बाल्दी, संजय कासलीवाल, योगेश पाटोदी आदि उपस्थित थे। अन्त में दाना बाबा समिति के विकास भूतड़ा, राकेश तापड़िया, मोनू मानधना, सोनू मानधन, मुकेश पाटोदी ने आभार व्यक्त किया। आये हुए अतिथियों का स्वागत रूपेश तापड़िया व मनोज तापड़िया ने किया।

महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

गंगापुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन भीलवाड़ा द्वारा निर्देशित चुनाव के तहत माहेश्वरी महिला मंडल गंगापुर के चुनाव 19 दिसंबर को चुनाव पर्यवेक्षक वंदना बाल्दी एवं चुनाव अधिकारी चंदा बहेड़िया के मार्गदर्शन में संपन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से मंडल की अध्यक्ष चंदा जागेटिया, सचिव सीमा समदानी व कोषाध्यक्ष चंदा काबरा को निर्वाचित किया गया।

निःशुल्क जाँच शिविर का किया आयोजन

सुजानगढ़। श्री माहेश्वरी सभा व माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा श्री सिद्धम वेलफेयर संस्थान जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में श्री माहेश्वरी सेवा सदन सुजानगढ़ में विशाल निःशुल्क कान-नाक-गला एवं सिर-मुख-गला कैंसर रोग जांच शिविर लगाया गया। सुबह 10 बजे प्रारम्भ हुए कैंप में दोपहर 2 बजे तक 145 रोगियों की जांच की गई। लगभग 20 रोगियों का निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन हुआ। श्रवण तोषनीवाल, पवन चितलांगिया, अशोक जाजू, प्रियांशु लड्ढा, सुमन देवी करवा, लक्ष्मी लड्ढा, सुभाष जाजू, गिरधारी तोषनीवाल, मुरली राठी, रोहित कांकानी, दिनेश सारड़ा, सूर्य प्रकाश लाहौटी, राजकुमार राठी आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन रामअवतार मंत्री ने किया।

आराध्या को चित्रकला का राष्ट्रीय पुरस्कार

सूरत। समाज सदस्य अरविंद सोनी की कक्षा 7वीं में अध्ययरत सुपुत्री आराध्या ने ऊर्जा संरक्षण विषय पर आयोजित राज्य व राष्ट्र स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त किये। इसके अंतर्गतत आराध्या ने राज्य स्तर पर ग्रुप-ए में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं राष्ट्र स्तरीय स्पर्धा में उन्हें राष्ट्रपति के हाथों सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इस उपलब्धि के लिये भारत सरकार के उपक्रम "पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि." द्वारा आराध्या को राज्य स्तर पर द्वितीय पुरस्कार के रूप में 30 हजार रुपये की पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई।

आंसू को पलकों तक लाया मत करो
दिल की बात किसी को बताया मत करो
लोग मुट्ठी में नमक लिये फिरते हैं
अपने जख्म उन्हें दिखाया मत करो।

फुटबॉल स्पर्धा का उद्घाटन

इंदौर। अखिल भारतीय जिमखाना क्लब फुटबॉल स्पर्धा का उद्घाटन गत दिनों हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि इंदौर जिला कलेक्टर इलैयाराजा, मुख्य संयोजक महेंद्र हार्डिया, विधायक संजय लुणावत, रमेश मूलचंदानी एवं स्पर्धा संयोजक डॉ. रविंद्र राठी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

ईशिना ने जीता राष्ट्रस्तरीय पदक

संगमनेर। नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 17 से 19 अक्टूबर तक आयोजित 23वीं अखिल भारतीय रोप स्कीपिंग स्पर्धा में इशिता विपीन बियानी ने हिस्सा लिया था। इस राष्ट्रीय स्पर्धा में कुल 18 राज्यों से 9200 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें स्कीपिंग में तरह-तरह की स्पर्धा आयोजित की गई। ईशिता और उनके साथियों ने सांघिक स्पीड रिले स्क्रीपिंग स्पर्धा में रौप्य पदक हासिल किया है। इसके पहले ईशिता बियानी ने नासिक में राज्य स्तरीय रोप स्कीपिंग स्पर्धा में भाग लिया था। वहाँ उन्होंने 3 स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया था।

टॉक शो का किया आयोजन

मालेगाँव। श्री माहेश्वरी प्रगति मंडल मालेगांव द्वारा 'टॉक-विथ प्रतिष्ठा मुच्छाल' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की प्रमुख वक्ता प्रतिष्ठा मुच्छाल ने जीवन को सरल और सहज बनाने के लिए छोटे-छोटे व्यवहारिक मंत्र सुझाये। उन्होंने कहा कि परिवार में हर पीढ़ी में आपसी तालमेल और रिश्तों की मिठास बरकरार रखने के लिए नियमित बातचीत का संचार अतिआवश्यक है। श्री माहेश्वरी प्रगति मंडल के अध्यक्ष कल्पेश हेडा एवं कार्यकर्ताओं के प्रयास से 200 से अधिक समाजजनों को लाभ मिला। सूत्र संचालन सुमिता मूंधड़ा एवं पूरणमल मरदा ने किया।

रुपाली 'सीहोर गौरव सम्मान' से सम्मानित

सीहोर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, सांसद सुश्री प्रज्ञा ठाकुर, क्षेत्र के विधायक सुदेश राय व नगर पालिका अध्यक्ष प्रिन्स विकास राठौर द्वारा कथक नृत्य के क्षेत्र मे प्रदेश ही नहीं अपितु राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर तक नृत्य कला का लोहा मनवाने वाली माहेश्वरी समाज सीहोर की बेटी एवं बहू रुपाली नवीन सोनी को 29 नवंबर, 2022 को आयोजित सीहोर नगर गौरव दिवस-2022 कार्यक्रम में 'सीहोर नगर गौरव रत्न अवार्ड' से सम्मानित किया गया। रुपाली सीहोर में सरस्वती कथक (डांस) कला केंद्र की डायरेक्टर हैं जिसके माध्यम से वे 4 वर्ष से अधिक उम्र की लगभग 1500 से अधिक बच्चियों को भारतीय शास्त्रीय कथक नृत्य कला की शिक्षा दे चुकी हैं।

करणी माता का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

कोलकाता। बड़ाबाजार गणपत बागला रोड स्थित श्री आनंद भैरव मंदिर में श्री करणी माता का प्रथम वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर श्री करणी माता का स्वर्ण बर्क से श्रंगार किया गया। आयोजन का शुभारंभ सुबह माता की विशेष पूजा-अर्चना से हुआ। इसमें काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। शाम को माता को सवामणी का प्रसाद भोग लगाया गया। मूल चन्द्र राठी, रमेश कुमार राठी, हीरालाल राठी, कृष्ण कुमार राठी, राधा किशन राठी, मन मोहन राठी आदि उपस्थित थे।

जिंदगी में दो खास मित्र जरूर होना चाहिये-
एक कृष्ण जो न लड़ें फिर भी
जीत पक्की कर दें दूसरा कर्ण जो हार
सामने हो फिर भी साथ ना छोड़े।

देवेश को अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

जलगांव (जामोद)। समाज सदस्य नवलकिशोर और उषा भैया के सुपौत्र जलगांव (खान्देश) निवासी पंकज और पल्लवी भैया के सुपुत्र देवेश भैया ने 19 वें अंतरराष्ट्रीय जूनियर साइंस ओलंपियाड (आईजेएसओ 2022) में भारत के लिये स्वर्ण पदक जीता। इसका आयोजन इस साल बोगोटा (कोलंबिया) में 2 से 12 दिसम्बर के बीच किया गया। देवेश ने लगातार दूसरे वर्ष आईजेएसओ प्रतियोगिता में भारत के लिये गोल्ड मेडल हासिल किया है।

समाज कार्यकारिणी का हुआ चयन

बागोर। माहेश्वरी समाज बागोर के अध्यक्ष पद और कार्यकारिणी का चयन गत 14 दिसम्बर को जिला सभा प्रतिनिधि प्रमोद ईनाणी, तहसील मंत्री सुरेश जाजू और पवन मंडोवरा के सान्निध्य में हुआ। अध्यक्ष पद हेतु राम बगस सोमानी, उपाध्यक्ष-प्रहलाद राय सेठिया व सज्जन सिंह देवपुरा, मंत्री-सुनील कुमार देवपुरा, कोषाध्यक्ष-राजेंद्र कुमार सेठिया, संगठन मंत्री-रामेश्वर लाल सेठिया, सांस्कृतिक मंत्री पद पर पारसमल सोनी का चयन सर्वसम्मति से किया गया। तहसील सभा के लिये रामस्वरूल सेठिया, बालमुकुंद सोनी, जगदीश सोनी, राजमल सेठिया, शंभु सेठिया, रामेश्वरलाल सेठिया तथा सत्यनारायण देवपुरा का सर्वसम्मति से चयन किया गया। उक्त जानकारी उप सरपंच घनश्याम सिंह देवपुरा ने दी।

अस्पताल में लगवाई सीटी स्केन मशीन

जैसलमेर। वर्तमान में यूएसए निवासी लक्ष्मी लक्ष्मीनारायण सांवल ने श्री माहेश्वरी हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर में लगभग एक करोड़ रुपये लागत की सीटी स्केन मशीन लगवाई। इस योगदान पर मशीन के उद्घाटन समारोह के साथ भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन भी गत 28 दिसम्बर को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईएएस रीना डाबी कलेक्टर जैसलमेर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पुलिस अधीक्षक भँवरसिंह नाथावत, नगर परिषद अध्यक्ष हरिवल्लभ कल्ला तथा मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एल. बुनकर उपस्थित थे। इस अवसर पर अस्पताल के सभी ट्रस्टी, निदेशक, चिकित्सक, कर्मचारी आदि उपस्थित थे। अंत में माधुर्य भोज का आयोजन भी किया गया।

माहेश्वरी स्मृति समारोह सम्पन्न

नंदग्राम-जायस (उ.प्र.)। पंकज माहेश्वरी स्मृति महाविद्यालय, नंदग्राम में संस्थापक स्व. श्री द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी की पुण्यतिथि पर मुख्य अतिथि सी. ओ. तिलोई एवं प्रबंधक मनोज माहेश्वरी ने दीप जलाकर तथा संस्थापक एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कबड्डी प्रतियोगिता, रस्सी कूद, रंगोली एवं भाषण प्रतियोगितायें आयोजित हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने साइबर सुरक्षा एवं सड़क सुरक्षा पर प्रकाश डाला। रंगोली प्रतियोगिता में सड़क सुरक्षा को दर्शाते चित्र व भाषण प्रतियोगिता के विषय 'सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा' विषय पर 15 छात्र-छात्राओं ने अपने विचार रखे। घनश्याम माहेश्वरी ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। अर्चना माहेश्वरी एवं रोली जैन ने रंगोली प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में भागीदारी की एवं पुरस्कार वितरण किया। इस अवसर पर पुल्कित माहेश्वरी, विवेक माहेश्वरी एवं जायस नगर पालिका अध्यक्ष सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

जाजू अध्यक्ष-नामधर मंत्री

भीलवाड़ा। श्री नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा द्वारा आयोजित संपूर्ण नगर के क्षेत्रीय माहेश्वरी सभाओं के चुनाव के तहत बसंत विहार गांधीनगर क्षेत्रीय सभा के चुनाव 18 दिसम्बर को बसंत विहार पेंशनर्स भवन पर संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी गोपाल भदादा, राधेश्याम काबरा, गिरिराज मूंदड़ा एवं पर्यवेक्षक रामपाल लाठी व अशोक बिरला ने चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाई। इसमें सर्वसम्मति से संस्था के अध्यक्ष-महेश जाजू, उपाध्यक्ष-रामनारायण लड्ढा व देवेंद्र कुमार माहेश्वरी, मंत्री-परीक्षित नामधर, संयुक्त मंत्री - सौरभ माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष-कुंज बिहारी चांडक, संगठन मंत्री-निलेश सोडाणी को निर्वाचित किया गया।

बार-बार झुक कर ''लाश'' बनने से अच्छा है, उन लोगों को छोड़कर आगे निकल जाओ जिनकी 'जिद' ही सिर्फ आपको तोड़ना है।

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

सीमेन्ट उद्योग के महानायक

हरिमोहन बांगड़

महानायक वह होता है, जिसमें बहुत कुछ बदलकर शिखर की ऊँचाई छुने की क्षमता होती है। कोलकाता निवासी श्री सीमेन्ट लि. के चेयरमैन हरिमोहन बांगड़ सीमेन्ट उद्योग की दुनिया के ऐसे ही महानायक हैं, जिन्होंने न सिर्फ अपनी कम्पनी को शिखर की ऊँचाई दी बल्कि विपरीत परिस्थितियों से देशभर के सीमेन्ट उद्योग को बाहर लाने में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री माहेश्वरी टाईम्स सीमेंट उद्योग जगत में विशिष्ट योगदान के लिये आपको ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2022'' अवार्ड अर्पित करते हुए गौरवान्वित महसूस करती है।

भारतीय सीमेंट उद्योग जगत में जब भी कोलकाता निवासी हरिमोहन बांगड़ का नाम लिया जाता है, तो हर कोई नतमस्तक हुए बिना नहीं रहता। कारण यही है कि उन्होंने सीमेंट उद्योग जगत में जो किया वह अत्यंत विरले ही कर पाते हैं। इसे उनकी नेतृत्व क्षमता का ही करिश्मा मान सकते हैं कि वर्ष 1992 में उन्होंने श्री सीमेन्ट में पद भार संभाला था तब मात्र 0.60 मिलियन टन सीमेन्ट उत्पादन की क्षमता रखने वाली कम्पनी श्री सीमेन्ट लि. की आज 46.40 मिलियन टन सीमेन्ट उत्पादन क्षमता तो है ही, साथ ही 820 मेगावॉट विद्युत उत्पादन क्षमता के साथ ऊर्जा के लिये पूर्णतः आत्मनिर्भर भी है। इतना ही नहीं यह उनकी सफलता का परिणाम ही है कि श्री बांगड़ के नेतृत्व में श्री सीमेंट की शेयर मार्केट वेल्यु वर्ष 2000-2001 के 110 करोड़ से वर्तमान में 85000 करोड़ पर जा पहुँची है। वर्तमान में यह कम्पनी देश की तीसरी सबसे बड़ी सीमेन्ट उत्पादक समूह है।

ऐसे बढ़े उद्योग जगत में कदम

श्री बांगड़ का जन्म 29 अक्टूबर 1952 में कोलकाता के प्रतिष्ठित उद्यमी परिवार में हुआ था। उनका परिवार मूल रूप से डिडवाना (राजस्थान) का मूल निवासी है। श्री बांगड़ बचपन से ही अत्यंत प्रतिभावान रहे हैं। आपने वेस्ट बंगाल कोंसिल ऑफ हायरसेकेंडरी एज्युकेशन की हायर सेकेंडरी स्तरीय परीक्षा राज्य में 20वीं रेंक के साथ उत्तीर्ण की। फिर उन्हें आईआईटी बॉम्बे में केमिकल इंजीनियरिंग शाखा में प्रवेश मिला। अपनी इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् अपने पैतृक समूह की टेक्सटाईल मिल्स से उन्होंने अपनी औद्योगिक यात्रा प्रारम्भ की और अपनी नयी सोच व त्वरीत बुद्धि से शीघ्र ही इसे लाभ देने वाले उपक्रम में बदल दिया। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से बांगड़ ग्रुप के एक शीर्ष उपक्रम "श्री दिग्विजय सीमेंट कं. लि." का प्रभार सौंपा गया, जिसे उन्होंने कुशलतापूर्वक सम्भाला। उस समय प्रथम बार बांगड़ ग्रुप को श्री बांगड़ के नेतृत्व में आयकोनिक इन्डो सोवियत कल्चरल

कोआपरेटिव कार्यक्रम ''बेलेट ऑन आईस इन इंडिया'' को स्पान्सर करने का अवसर भी मिला।

फिर प्रारम्भ हुई श्री सीमेंट की यात्रा

श्री बांगड़ ने जुलाई 1992 से श्री सीमेंट के साथ जुड़ने के बाद इस कंपनी को सफलता की ऊंचाई तक पहुंचाने में अपनी पूरी सामर्थ्य और प्रयत्न लगा दिए। इसी के फलस्वरूप कंपनी इस मुकाम पर पहुंची है। इस सफलता का कारण रहा ऋग्वेद का एक सूत्र जो श्री बांगड़ के भी जीवन का सूत्र बन गया- ''आ नो भद्राः कृतवो यन्तु विश्वतः। अर्थात् ''पूरे विश्व से श्रेष्ठ विचारों को हम ग्रहण करें''। इसी का परिपालन करते हुए श्री बांगड़ ने हमेशा श्रेष्ठ विचारों तथा नवान्वेषण को अपनाया।

हर मामले में शिखर पर पहुँची कंपनी

श्री सीमेंट न सिर्फ अपनी उत्पादन क्षमता से ही देश की शीर्ष सीमेंट कंपनियों में शामिल है, अपितु हर मामले में उत्कृष्टता में किसी से पीछे नहीं है। इसके पास वेस्ट हीट जनित पावर उत्पादन करने की विश्व सीमेंट उद्योग में (चीन के बाद) सबसे ज्यादा क्षमता है। इसके अलावा कंपनी सीमेंट उत्पादन में शत प्रतिशत पेट कोक का उपयोग करने वाली पहली कंपनी थी जिसे बाद में पूरे सीमेंट उद्योग ने अपनाया। बस इसके पीछे लक्ष्य है, प्रदूषण को कम करना। पर्यावरण संरक्षण के लिये कंपनी सभी औद्योगिक शर्तों का अक्षरशः पालन करती है। इन सभी प्रयासों ने ही श्री सीमेंट को निवेशकों के लिये विश्वास का दूसरा नाम बना दिया शेयर मार्केट में भी श्री सीमेंट देश की टॉप 50 कम्पनियों में शामिल है।

सीमेंट उद्योग जगत को भी दी नयी दिशा

श्री बांगड़ को भारतीय सीमेंट उद्योग जगत में ''ट्रेंडसेटर'' कहा जाता है। कारण यह है कि उन्होंने अपने क्रांतिकारी विचारों से सीमेंट उद्योग में कई ऐसे सकारात्मक परिवर्तन करवाऐ जो इस उद्योग के लिये ऐतिहासिक बन गये। आप वर्ष 2007-09 तक ''सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन (सीएमए) के अध्यक्ष रहे। उनके इस कार्यकाल के दौरान सीमेंट उद्योग अत्यंत कठिन दौर से गुजर रहा था, लेकिन श्री बांगड़ ने उस चुनौतीपूर्ण समय में भी सीमेंट उद्योग का सी ऍम ए के अध्यक्ष के रूप में सफलतापूर्वक मार्गदर्शन किया। इतना ही नहीं सड़क निर्माण में सीमेंट के उपयोग को भी उन्होंने प्रोत्साहित करवाया। सीमेंट निर्माण के लिये ''फ्लायऐश'' की उपलब्धता भी सुनिश्चित करवाई। अपने योगदानों के लिये श्री बांगड़ वर्ष 2016 में ''उत्पादन श्रेणी'' में विश्वस्तरीय ''अर्नेस्ट एण्ड यंग इंटरप्रेन्यौर (EOY) ऑफ द ईयर अॅवार्ड'' से भी सम्मानित हुए। सातवें फोर्ब्स इंडिया लीडरशिप अवार्ड (FILA) 2017 समारोह में उन्हें ''प्रेस्टीजियस इन्टरप्रेन्यौर ऑफ द ईयर अवार्ड'' से सम्मानित किया गया। श्री बांगड़ ने विभिन्न टीवी चेनल्स पर सीमेंट उद्योग के मामलों में कई साक्षात्कार दिये तथा उद्योग संगठन FICCI के कार्यक्रमों में भी अपने उद्बोधन से मार्गदर्शन प्रदान किया। आप भारत चेम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री (BCCI) के अध्यक्ष भी रहे हैं। नेशनल कौंसिल फॉर सीमेंट एंड बिल्डिंग मटेरियल (ऐनसीसीबीएम) की रिसर्च एडवाइजरी कमिटी के भी श्री बांगड़ चेयरमैन रहे हैं।

समाजजनों के स्वास्थ्य की भी चिंता

वर्तमान में चिकित्सा इतनी महंगी हो गई है कि आम व्यक्ति उचित चिकित्सा सुविधा तक से वंचित हो जाता है। इसी स्थिति को देखते हुए श्री बांगड़ के प्रयासों से उनकी ही अध्यक्षता में 12 अक्टूबर 2010 को सामान्य परिवारों को गंभीर बीमारी में आर्थिक सहयोग हेतु संस्था **''श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी''** की स्थापना की गई। इसमें श्री बांगड़ प्रारम्भ में 50 लाख तथा गत तीन वर्षों से प्रतिवर्ष 60 लाख रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान कर रहे हैं। प्रमुख दानदाता के साथ ही गोल्ड, सिल्वर व ब्रॉज श्रेणी के सदस्यों का भी प्रावधान है। इसके अंतर्गत प्रतिवर्ष 1 लाख रुपये 10 वर्ष तक में गोल्ड, 5 वर्ष में सिल्वर तथा 3 वर्ष में ब्रॉज श्रेणी के सदस्य बनाये जाते हैं। सोसायटी द्वारा सामान्य बीमारी में अधिकतम 65000 रुपये, कैंसर एवं किडनी रोग में 80 हजार रुपये तथा किडनी, लिवर एवं हृदय के प्रत्यारोपण हेतु एक लाख रुपयों की सहायता दी जाती है। गत वर्ष 2018 तक सोसायटी द्वारा 1486 रोगियों को 7,78,87,634 रुपयों की सहायता प्रदान की गई है। इसके साथ ही सामूहिक मेडिकल बीमा योजना में 50 से 75 प्रतिशत प्रीमियम सहयोग अंतर्गत 148477 रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। लगभग डेढ़ लाख रुपये का रक्तदान शिविरों में भी सहयोग प्रदान किया।

''समाजसेवा में विशिष्ट योगदान''

श्री बांगड़ अपनी तमाम व्यस्तता के बावजूद भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से समाजसेवा के क्षेत्र में भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करते रहे हैं। आप ''राजस्थान फाउण्डेशन कोलकाता चेप्टर'' के अध्यक्ष रहे हैं। विश्व स्तरीय सेवा संगठन रोटरी क्लब कोलकाता के आप सक्रिय सदस्य हैं। इनके साथ ही श्री बांगड़ अनगिनत चेरिटेबल संस्थाओं से भी व्यक्तिगत रूप से सम्बद्ध हैं। इसके साथ ही उनका उद्योग ग्रुप अपने सोश्यल वेलफेयर ट्रस्ट के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा आदि समाजसेवी गतिविधियों में भी सेवा दे रहा है। शिक्षा क्षेत्र में प्राथमिक शिक्षा विशेषकर बालिका शिक्षा के क्षेत्र में कई प्राथमिक शिक्षा केंद्रों का विकास कर ''सबके लिये शिक्षा'' के ध्येय वाक्य को साकार किया। स्वास्थ्य सेवा में 24 घंटे उनके ''वेलनेस मैनेजमेंट सेंटर'' कार्यरत हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में भी सेवा दे रहे हैं। सीएसआर गतिविधि के अंतर्गत नारी सशक्तिकरण व स्किल डेवलपमेंट, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, शहीद सैनिकों के परिवारों को सहयोग, वरिष्ठजनों के लिये प्रकल्प ''प्रोणाम'' तथा कला व संस्कृति के प्रोत्साहन के लिये विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर इन्हें प्रोत्साहित किया जाता है।

म.प्र. पुलिस के ''रोल मॉडल'

एडीजी विपिन माहेश्वरी

अपनी बुद्धि ही नहीं बल्कि इसके साथ अपने शौर्य के लिये भी माहेश्वरी समाज जाना जाता रहा है। इसका इतिहास साक्षी है और इसी इतिहास को अपनी तीक्ष्य बुद्धि व अपने साहस से पुनः साकार कर रहे हैं, म.प्र. पुलिस के आईपीएस विपिन माहश्वेरी। श्री माहेश्वरी विभिन्न पदों पर साहस का प्रतिमान स्थापित कर वर्तमान में म.प्र. पुलिस के भोपाल हेडक्वार्टर में ए.डी.जी. (एस.टी.एफ एवं दूरसंचार) के पद पर कार्य करते हुए पुलिस विभाग को त्वरित सेवा देने वाले विभाग में बदलने में जुटे हुए हैं। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार आपकी उत्कृष्ट प्रशासनिक सेवाओं के लिये आपको माहेश्वरी ऑफ द ईयर अवार्ड समर्पित करते हुए गौरवान्वित महसूस करता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ श्री माहेश्वरी

सन् 1990 बैच के आईपीएस विपिन माहेश्वरी म.प्र. पुलिस के लिये गौरव का ऐसा नाम बने हुए हैं, जिनकी उपस्थिति किसी भी असंभव को संभव बनाने में पर्याप्त है। यही कारण है कि 32 वर्षों की भारतीय पुलिस सेवा की सफल यात्रा के बाद श्री माहेश्वरी को ए.डी.जी. एसटीएफ के पद पर प्रदेश के पुलिस मुख्यालय में पदस्थ किया गया है। इस पद पर रहते हुए श्री माहेश्वरी पुलिस की उस छवि को सुधारने में जुटे हैं, जिसमें यह माना जाता है कि पुलिस कभी समय पर नहीं पहुँचती। वर्तमान में श्री माहेश्वरी म.प्र. पुलिस की कार्यप्रणाली को त्वरित बनाते हुए उसे अपराध पर नकेल कसने में पूर्णरूप से सक्षम बनाने में जुटे हुए हैं। इसके लिये वे आधुनिकतम तकनीकों का भी उपयोग कर रहे हैं।

ऐसे बढ़े आईपीएस की ओर कदम

श्री माहेश्वरी का जन्म 1 दिसम्बर, 1963 को श्री राजेश्वर प्रसाद माहेश्वरी के यहाँ हुआ। आपका परिवार न्याती (फोफलिया) खांप से होकर जैसलमेर का मूल निवासी रहा है। आपका परिवार लगभग 200-250 वर्ष पूर्व मथुरा आकर बस गया था। पिताश्री श्रीराम कॉलेज, नईदिल्ली में सेवारत थे। आपने बी.कॉम. ऑनर्स के बाद चार्टर्ड अकाउंटेट की परीक्षा न केवल उत्तीर्ण की, बल्कि सफलतापूर्वक नईदिल्ली में 2 वर्ष तक व्यवसाय भी किया। सीए के रूप में सफलतापूर्वक व्यवसायरत रहते हुए अच्छी आय अर्जित करने के बावजूद भी, बचपन से देखा उच्च पुलिस अधिकारी बनने का सपना मन में पीड़ा देता रहा। पिताजी की भी इच्छा थी कि बेटा भारतीय पुलिस सेवा में जाऐ। बस, पिता का आशीर्वाद और मित्र तथा शुभचिंतकों की शुभकामनाऐं संबल बनी और संघ लोकसेवा आयोग द्वारा आईपीएस के लिये चयनित हो गये। फिर आपने सन् 1990 की बेच में आईपीएस परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्तमान में आपका पत्नी प्रतिज्ञा व पुत्र आयुष तथा वरुण सहित भरापूरा परिवार है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के हाथों सम्मान प्राप्त करते श्री माहेश्वरी

महामहिम पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के साथ श्री माहेश्वरी.

महामहिम पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा जी पटील के साथ श्री माहेश्वरी.

महामहिम पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के साथ श्री माहेश्वरी.

कई महत्वपूर्ण पदों पर दी सेवा

भारतीय पुलिस सेवा में चयन के उपरांत प्रारम्भिक समय में आप क्रमशः अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बरेली-जिला रायसेन, अति पुलिस अधीक्षक-श्योपुर एवं अति पुलिस अधीक्षक-ग्वालियर के पद पर पदस्थ रहे। तत्पश्चात वर्ष 1997 से 2004 के मध्य आप प्रदेश के सिवनी, राजगढ़, खरगोन एवं भोपाल जैसे महत्वपूर्ण जिलों में पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थ रहे तथा कर्त्तव्य के नये आयाम स्थापित करते रहे। आप मध्यप्रदेश विशेष सशस्त्र बल की 7वीं वाहिनी-भोपाल, 26वीं वाहिनी-गुना एवं 29वीं वाहिनी दतिया में सेनानी के पद पर भी आसीन रहे हैं। उत्कृष्ट कर्त्तव्य परायणता के फलस्वरूप राज्य शासन द्वारा वर्ष 2004 में आपको पुलिस उप-महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया। पदोन्नति उपरांत वर्ष 2004 से वर्ष 2009 तक आपने डी.आई.जी. खरगोन रेंज एवं डीआईजी उज्जैन रेंज के पद पर पदस्थ रहकर अपनी उत्कृष्ट कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया। प्रदेश के इंदौर व भोपाल शहरों में एस.एस.पी. सिस्टम लागू किये जाने पर आपको जून 2009 में इंदौर जैसे महत्वपूर्ण शहर में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (डीआईजी) के पद पर पदस्थ किया गया। इसके पश्चात् आईजी एटीएस भोपाल, आई.जी.पी. व एडीजीपी इंदौर जोन रहे। इसके पश्चात् पुलिस मुख्यालय भोपाल में ए.डी.जी. (एसटीएफ एवं दूरसंचार) के रूप में सेवा दे रहे हैं।

साहस के साथ तीक्ष्ण बुद्धि

नवम्बर 2009 में खण्डवा में एटीएस के एक आरक्षक की आतंकवादियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। इसके अतिरिक्त आतंकवादी संगठन सिमी की मध्यप्रदेश में गतिविधियों की समय-समय पर जानकारी भी प्राप्त हो रही थी। इस पर इन आतंकवादियों को पकड़ने के लिये श्री माहेश्वरी के नेतृत्व में ''आपरेशन विजय'' प्रारंभ किया गया। लगभग डेढ़ साल के आपरेशन में श्री माहेश्वरी एवं उनकी टीम द्वारा इन आतंकवादियों को चिन्हित कर उन पर रणनीति के तहत कार्यवाही की गई। इन आतंकवादियों द्वारा जून 2011 में भी एटीएस के एक अन्य सिपाही की रतलाम में हत्या कर दी गई। तदुपरांत ''आपरेशन विजय'' के अंतर्गत 21 आतंकवादियों व उनके कई सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया। श्री माहेश्वरी द्वारा किये गये इस उत्कृष्ट कार्य के लिये मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन द्वारा 15 अगस्त 2012 ''स्वाधीनता दिवस'' के अवसर पर पिस्टल से सम्मानित किया गया। भारत सरकार द्वारा भी इन आतंकवादियों को पकड़ने पर अगस्त 2013 में पुलिस वीरता पदक प्रदान किया गया।

आधुनिक तकनीकों का पूरा उपयोग

अति. पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, इन्दौर जोन के रूप में श्री माहेश्वरी ने कम्प्यूटर क्रांति का बेहतर उपयोग कर साफ्टवेयर के माध्यम से कई नवाचार प्रारंभ कर नागरिकों को अनेक सुविधाएँ प्रदान की। इन्दौर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आरएलवीडी सिस्टम प्रारंभ किया। इतने वह्द स्तर पर आरएलवीडी व्यवस्था स्थापित करने वाला म.प्र. देश का पहला राज्य बना। महिलाओं एवं छात्राओं को तत्काल पुलिस सहायता दिलाने, मूल्यवान वस्तु जैसे मोबाइल, पासपोर्ट आदि गुम होने की तत्काल सूचना देने, पुलिस थानों एवं पुलिस अधिकारियों के फोन एवं मोबाइल नम्बर सुलभ कराने, यातायात पुलिस द्वारा गलत स्थान पर पार्क वाहनों को टोइंग किए जाने की जानकारी उपलब्ध कराने आदि के लिए ''सिटीजन कॉप'' नामक वेब एप्लीकेशन बनवाई गई, जो इन्दौर शहर के नागरिकों में आज भी अत्यंत लोकप्रिय है। प्रतिदिन सैकड़ों नागरिक इस एप्लीकेशन का उपयोग कर न केवल सुविधा का लाभ उठा रहे हैं, बल्कि गुण्डे बदमाशों की जानकारी भी निडरता से दे रहे हैं। आपके प्रयासों से विभाग में भ्रष्टाचार को कम करने हेतु पुलिस ऑफिसर की ड्यूटी, सॉफ्टवेयर के माध्यम से लगाने की पहल भी की गयी। कई अन्य ऐसे सॉफ्टवेयर, जिनसे जनसामान्य संबंधित सुविधाओं में त्वरित गति से निष्पादन करने में सहूलियत हो सके, उन्हें भी प्रारंभ किया।

उत्कृष्ट सेवा ने दिलाया उत्कृष्ट सम्मान

उत्कृष्ट कार्यशैली के फलस्वरूप भारतीय पुलिस वीरता पदक सहित अनेक अवसरों पर राज्य शासन द्वारा आपको प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। आपको वर्ष 2006 में सराहनीय सेवाओं के लिये ''Indian Police Medal" के अलंकरण से अलंकृत किया गया। इसके अतिरिक्त आपको Indira Gandhi Award तथा Communal and Harmony and Peace" अवार्ड से भी अलंकृत किया गया है। इसके अतिरिक्त भी उन्हें कई संगठनों व संस्थाओं द्वारा उत्कृष्ट सेवाओं के लिये सम्मानित किया जाता रहा है। सम्मान की इसी श्रृंखला में श्री माहेश्वरी को उनके दीर्घ व उत्कृष्ट कार्यकाल के लिये वर्ष 2018 में भारत सरकार द्वारा शीर्ष सम्मान राष्ट्रपति के विशिष्ट सेवा पुलिस पदक से भी सम्मानित किया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ जी के हाथों सम्मान प्राप्त करते श्री माहेश्वरी

परिवार के बीच : पिता श्री आर.पी. माहेश्वरी, पत्नि श्रीमती प्रतिज्ञा, पुत्र आयुष एवं वरूण के साथ श्री माहेश्वरी

युवा ऊर्जा के सजग नेतृत्व

राजकुमार काल्या

किसी भी देश या समाज का विकास अथवा पतन दोनों ही उसकी युवा शक्ति पर निर्भर होता है। युवा वर्ग ऊर्जा से भरपूर होता है, ऐसे में यदि उसकी ऊर्जा को नकारात्मक दिशा मिल जाऐ तो वह ऊर्जा विध्वंसक बनकर पतन का कारण बन जाती है। वहीं यदि इसे सकारात्मक दिशा मिल जाऐ तो यही ऊर्जा विकास के नये प्रतिमान स्थापित कर देती है। समाज की ऐसी ही युवा ऊर्जा को अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष के रूप में गत दो सत्रों से सजग नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं, गुलाबपुरा जिला भीलवाड़ा (राज.) निवासी राजकुमार काल्या। उनके इन्हीं अप्रतीम समाजसेवी योगदानों के लिये श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार आपको समाजसेवा के लिए ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2022'' अवार्ड समर्पित करते हुए गौरवान्वित महसूस करता है।

चेयरपर्सन - आदित्य बिड़ला ग्रुप राजश्री बिड़ला के साथ

कुमार मंगलम बिड़ला के साथ

वेदान्ता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के साथ

किसी भी संगठन में लगातार दो सत्रों तक नेतृत्व प्राप्त करना वास्तव में उस नेतृत्व की योग्यता, उसके समर्पण तथा उसकी कुशल नेतृत्व क्षमता का ही परिचायक है। गुलाबपुरा जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) निवासी राजकुमार काल्या एक ऐसे ही नेतृत्व हैं। अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष के रूप में 12वें सत्र में जब श्री काल्या ने युवा संगठन की बागडोर संभाली थी, तब हर किसी ने उसकी कार्यकुशलता व नेतृत्व क्षमता को देखकर यह तो जरूर सोचा था कि श्री काल्या कुछ नया करेंगे। लेकिन यह नहीं सोचा था कि वे मात्र एक कार्यकाल में ही युवा वर्ग के इतने चहेते भी बन जाऐंगे कि उन्हें दोबारा फिर युवा शक्ति का नेतृत्व सौंपा जाऐगा। वास्तव में हुआ ऐसा ही श्री काल्या ने अपने प्रथम कार्यकाल में युवाओं के सर्वांगीण विकास में वह कीर्तिमान स्थापित किये कि हर कोई उनका मुरीद बन गया। बस फिर क्या था अगले 13वें सत्र में भी जब युवा संगठन का नेतृत्व चुनने का मौका आया तो सभी ने अपना विश्वास श्री काल्या के पक्ष में ही व्यक्त करते हुए उन्हें ही पुनः युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंप दी। वर्तमान सत्र में भी श्री काल्या अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद युवा शक्ति के विकास के लिये तन-मन-धन से जुटे हुए हैं।

स्व-व्यवसाय को बनाया आजीविका

भीलवाड़ा जिले के गुलाबपुरा नगर के ख्यात व्यवसायी एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री बसन्तीलाल काल्या के यहां 1 नवम्बर 1979 को श्री काल्या का जन्म हुआ। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गुलाबपुरा से ही प्राप्त की। इसके पश्चात मास्टर डिग्री वाणिज्य संकाय व तदुपरांत एम.बी.ए. की शिक्षा ग्रहण की। शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात भी नौकरी की राह न चुनते हुए अपने पैतृक एक्सप्लोसिव व्यवसाय को ही चुना। कर्तव्य परायणता एवं कार्य कुशलता का परिचय देते हुए इसको तो शिखर पर पहुँचाया ही, साथ ही रियल एस्टेट व्यवसाय में भी प्रवेश कर लिया। अपने कुशल प्रबंधन के परिणामस्वरूप श्री काल्या ने इस व्यवसाय में अनेक शिखरतम सफलताएँ अर्जित कीं। इसके तहत श्री काल्या कई शहरों में अनेक आवासीय/वाणिज्यिक/इंडस्ट्रीयल टाउनशिप प्रोजेक्ट विकसित कर रहे हैं। इसके साथ कम उम्र में ही एग्रो फार्मिंग, माईनिंग, वाटर पार्क, फाइनेंस व मीडिया संबंधित व्यापार व्यवसाय में भी अपनी उन्होंने अमिट छाप छोड़ी है। श्री काल्या की कारोबारी कंपनियां आईएसओ 9001-2000 से प्रमाणित हैं।

राधाकृष्ण दमानी के साथ के साथ

संस्कार के रुप में मिली समाजसेवा

समाजसेवा की प्रेरणा श्री काल्या को पैतृक रूप से विरासत में ही प्राप्त हुई। श्री काल्या के पिता श्री बसन्तीलाल काल्या एवं माता श्रीमती मनोरमादेवी काल्या भी समाज के विभिन्न पदों पर रहते हुए समाज की सेवा में लगे हुए हैं। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के तत्कालीन अध्यक्ष अशोक इनाणी के गुलाबपुरा के अल्प प्रवास के दौरान ही उनकी निगाहें श्री काल्या के समाज प्रेम एवं कर्तव्यनिष्ठा पर पड़ी। फलस्वरूप श्री इनाणी ने इनको अपने संगठन की कार्यसमिति का सदस्य मनोनीत कर दिया। बैठकों में इनकी नियमित उपस्थिति एवं समयबद्धता ने सभी को आकर्षित किया। अपनी व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद भी समाज संगठन की बैठकों में उनकी यह उपस्थिति अपने आप में उनके समाज प्रेम को व्यक्त करती है। उनकी इन सेवाओं ने युवा संगठन ही नहीं बल्कि समाज के लगभग सभी संगठनों में उनकी एक प्रतिष्ठित पहचान बना दी। श्री काल्या ने अपनी तीक्ष्ण बौद्धिक क्षमता व समर्पित भाव से उद्योग व्यवसाय में तो सफलता का शिखर छुआ ही, समाज सेवा में भी एक कीर्तिमान स्थापित किया। उनकी युवा संगठन में सेवा यात्रा उनके व्यावसायिक

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी के साथ

मुख्यमंत्री श्री अशोक गेहलोत के साथ

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला के साथ

कैरियर के साथ ही प्रारंभ हो गई थी। व्यवसाय व समाजसेवा उचित तालमेल से किस तरह सफलतापूर्वक साथ चल सकती है, उसका आदर्श श्री काल्या का जीवन स्वयं है। उन्होंने बिना किसी बाधा के दोनों ही क्षेत्रों में शिखर की ऊँचाई प्राप्त की।

ऐसे सतत चली सेवा यात्रा

वर्ष 2006 में अहमदाबाद में आयोजित क्रीड़ा प्रतियोगिता में तत्कालीन महासभा सभापति रामपाल सोनी की उपस्थिति में श्री काल्या को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के नवम् सत्र का सांस्कृतिक मंत्री नियुक्त किया गया। इस प्रकार श्री काल्या ने यह ऊँचाइयां अपनी शादी से पूर्व अल्पायु में ही प्राप्त कर ली। 6 फरवरी 2007 को भीलवाड़ा निवासी राधेश्याम कचौलिया की पुत्री दिव्या के साथ परिणय सूत्र में बंधे। श्री काल्या के दो पुत्र रचित ओर रिषित हैं। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के दशम सत्र में आपने कुशलतापूर्वक कोषाध्यक्ष पद के दायित्व का निर्वहन किया। 11वें सत्र में राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में समाज और संगठन को एक नई दिशा देते हुए सफलतापूर्वक दायित्वों का निवर्हन किया। इनकी कार्यकुशलता एवं नेतृत्व क्षमता को देखते हुए ही अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन की कार्यसमिति की बैठक में श्री काल्या को 12वें सत्र के लिये प्रथम बार निर्विरोध रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। इसके पश्चात् जब 13वें सत्र के लिये अध्यक्ष चयन का फिर मौका आया तो सभी की पहली पसंद श्री काल्या ही बन गये।

लोहार्गल भवन व युवा फाउण्डेशन की सौगात

श्री काल्या के नेतृत्व में युवा संगठन ने 12वें सत्र में जो कार्य किये, वे इतिहास के पन्नों पर दर्ज हो गये। इन्हीं ने उन्हें युवा संगठन से आगे बढ़कर आम समाजजन का भी चहेता बना दिया। उनके इस कार्यकाल की सबसे बड़ी पहली उपलब्धि लोहार्गल भवन का निर्माण पूर्ण कर उसे समाज को समर्पित करना था। इसके साथ ही युवा फाउंडेशन के गठन के द्वारा समाज की प्रतिभा के चुहुंमुखी विकास के लिये पंख लगा दिये। श्री काल्या के नेतृत्व में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा द्वादश सत्र में चारधाम बैठक, 5 कार्यकारी मंडल एवं 13 कार्यसमिति बैठक, लोहार्गल भवन लोकार्पण, 47 हजार से अधिक यूनिट रक्तदान, युवा शिक्षा रत्न सम्मान, खेल महोत्सव, राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम 'कौन बनेगा सुपरस्टार', बिजनेस कॉक्लेव 'युवमन', योग दिवस, सदस्यता अभियान, पर्यावरण दिवस इत्यादि का सफलतम आयोजन हुआ। युवा संगठन के ट्रस्ट 'श्री बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा.माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' का भी 10000000 रुपये की राशि से गठन किया गया।

कोरोना काल में भी चलीं सेवा यात्रा

त्रयोदश सत्र में कोरोना की विकट परिस्थिति के बावजूद राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव 'हम हैं सुपरस्टार' 2500 से अधिक युवा साथियों की उपस्थिति में ऐतिहासिक सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। लोहार्गल धाम में मंदिर निर्माण शुरू हुआ। कोरोना महामारी एवं लोकडाउन में 3600 जरूरतमंद माहेश्वरी परिवारों को 5400000 रू. से अधिक की राशि की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। कोरोना की दूसरी लहर में 150 से अधिक जरूरतमंद परिवारों को 300000 रू. से अधिक की सहायता राशि काल्या परिवार के ट्रस्ट 'श्री बसन्तीलाल मनोरमा देवी काल्या फाउंडेशन' द्वारा प्रदान की गई। माहेश्वरी बिजनेस एक्सपो, स्टार्टअप 'न्यू बिजनेस आइडिया कॉन्टेस्ट, माहेश्वरी बिजनेस मार्ट, युवा शिक्षा रत्न, ब्रेन-हंट, जरूरतमंदों को इंश्योरेंस पॉलिसी, महेश आवास योजना, कौन बनेगा करोड़पति एवं कपिल शर्मा शो, श्री बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन द्वारा पारितोषिक वितरण, सेल्फी विद सैपलिंग, योगाभ्यास, लाइव सिंगिंग कंसर्ट, धन्यवाद सुपरस्टार, मां तुझे प्रणाम, महेश नवमी महोत्सव, विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व योग दिवस, इत्यादि कार्य संपन्न किए गए। रमेशजी दमानी, मधुसूदन केला, मंगलम मालू, चंदन तापड़िया,डॉ. विवेक बिंद्रा, शिव खेड़ा, अनन्या बिरला, प्रकाश देसाई, किरण बेदी, मनोज जोशी व सोनू सूद, विश्वनाथ आनंद, स्मृति इरानी, दिलीप जोशी 'जेठालाल' से समाज बंधुओं को रूबरू कराया गया। 15 कार्यसमिति बैठक एवं 4 कार्यकारी मंडल बैठक का आयोजन किया जा चुका है। सोमनाथ, गंगासागर, वेष्णो देवी मां के दर्शनों के साथ कार्यसमिति बैठक

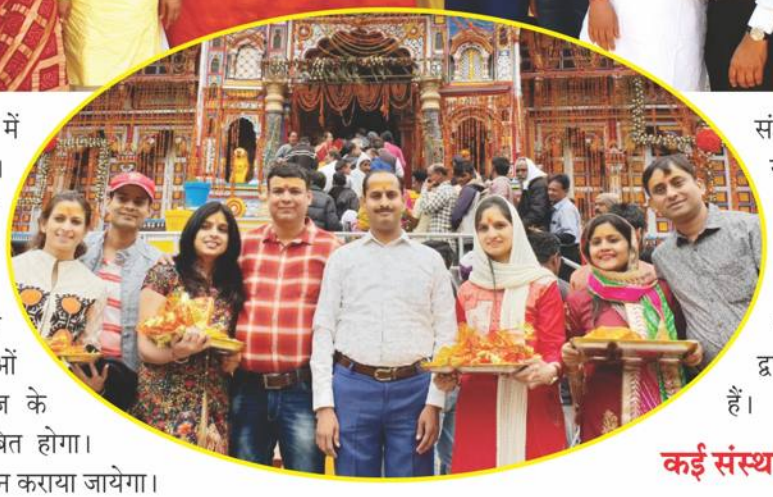

आयोजित हो चुकी है। विधान में संशोधन किया जा रहा है। राष्ट्रीय खेल महोत्सव 'AIMS' का आयोजन जोधपुर में सम्पन्न हुआ। ABMYS कनेक्ट बिजनेस ऐप को युवाओं और समाज बंधुओं को उपलब्ध कराया जो आज के परिपेक्ष में श्रेष्ठतम कार्य साबित होगा। जल्द ही 'युवा कुंभ' का आयोजन कराया जायेगा।

लोहार्गल धाम में अब भव्य मंदिर निर्माण

समाज के उत्पत्ति स्थल लोहार्गल धाम में माहेश्वरी भवन का वास्तु पूजन व लोकार्पण 12वें सत्र में ही हो चुका है। अब लोहार्गल धाम भवन परिसर में ही भव्य मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है जिसमें शिव परिवार की प्रतिमाएं, भगवान उमा-महेश संग 72 उमराव एवं गुरुजनों की प्रतिमाएं तथा माहेश्वरी समाज की समस्त 'कुलदेवियों' के स्वरूप की प्रतिमाएं स्थापित की जाएगी। मंदिर संपूर्ण मार्बल में बनाया जा रहा है। मंदिर निर्माण के लिए फाउंडेशन का कार्य जोर-शोर से चल रहा है। अल्प समय में ही लगभग 150 परिवारों द्वारा कुलदेवियो की प्रतिमाओं की स्थापना हेतु 1-1 लाख रु. की सहयोग राशि प्रदान करने की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है एवं 11 लाख रु. व इससे अधिक राशि का सहयोग प्रदान करने की स्वीकृति के रूप में समाज के दानदाताओं द्वारा लगभग 1.25 करोड रु. की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। मंदिर निर्माण हेतु युवा संगठन के विभिन्न राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रादेशिक संगठनों द्वारा 1 करोड रु. की सहयोग राशि एकत्रित करने का आश्वासन प्रदान किया गया है। मंदिर निर्माण हेतु सलाहकार समिति एवं मंदिर निर्माण समिति का गठन किया जा चुका है।

सेवा में चहुंमुखी योगदान

श्री काल्या की छवि समाज में एक ऐसे जननायक के रूप में है, जो स्वयं तो तन-मन-धन से समाज की सेवा करते ही हैं, साथ ही अन्य को भी प्रेरित करने में पीछे नहीं हैं। श्री काल्या के प्रयासों से अयोध्या में ''शौर्य भवन जन उपयोगी सेवा केंद्र'' के निर्माण हेतु 1 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई। श्री काल्या ने लगभग 1 करोड़ रुपये की राशि से ''बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या ट्रस्ट की भी स्थापना की है, जो विशिष्ट जरूरतमन्दो की मदद करेगा। इसके साथ ही श्री काल्या शिक्षा, समाजसेवा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन, सांस्कृतिक शिक्षा, योग प्रोत्साहन, खेल प्रोत्साहन आदि में भी विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से सतत योगदान देते रहे हैं। उनके योगदानों के लिये ''वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड-2021'' द्वारा प्रमाण पत्र तथा मुख्यमंत्री राजस्थान व लोकसभा अध्यक्ष द्वारा प्रशंसा पत्र भी प्राप्त हो चुके हैं।

कई संस्थाओं से भी सम्बद्ध

शौर्य भवन जनोपयोगी सेवा केन्द्र, अयोध्या, श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, श्री बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन व श्री नाकोडा पार्श्वनाथ भैरव मंदिर ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी, एबीएमएम माहेश्वरी रिलीफ फाउंडेशन के संरक्षक हैं। श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी, श्री प्राज्ञ कुंदन वल्लभ हॉस्पिटल, श्री बद्रीलाल सोनी शिक्षा सहयोग केन्द्र, श्री कृष्णदासजाजू स्मारक ट्रस्ट, अखिल भारतीय एजुकेशनल ट्रस्ट, कोटा, अखिल भारतीय एजुकेशनल ट्रस्ट, मुम्बई व श्री आदित्य विक्रम बिडला व्यापार संहयोग केन्द्र के ट्रस्टी के रूप में सेवा दे रहे हैं। प्रबंधकारिणी सदस्य - श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर व कार्यसमिति सदस्य - अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के रूप में भी आप सेवा दे रहे हैं।

पशु और मानव में भेद मानव की संस्कृति व संस्कार के कारण है, अन्यथा दोनों समान ही हैं। वास्तव में देखा जाऐ तो इनके साथ ही वर्तमान में भी मानव जीवन के लिये सबसे ज्यादा जरूरी है तो वह है संयुक्त परिवार। कारण यह है कि संयुक्त परिवार यदि हैं, तो संस्कृति व संस्कार तो स्वतः ही आ जाते हैं।

संस्कृति व संस्कार के साथ संयुक्त परिवार भी जरूरी

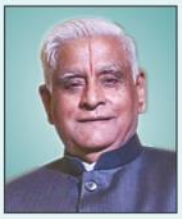

त्रिभुवन काबरा

हम परम भाग्यशाली हैं कि हमें मनुष्य जीवन प्राप्त हुआ है। जनम से लेकर मरण तक मनुष्य के सामने अनेकों सम्बन्ध, तरह-तरह की जिम्मेदारियां, विभिन्न परिस्थितियां आदि आती हैं। ईश्वर ने एकमात्र प्राणी ऐसा बनाया, जो इन सभी विषयों को निभाने में सक्षम हैं और वह दूसरा कोई नहीं, वह है 'मनुष्य'। कुछ वर्षों के अंतराल में मनुष्य में कुछ-न-कुछ बदलाव आये और साथ में कुछ नई जिम्मेदारियां भी। साथ ही कुछ ऐसे मोड़ आते हैं, जब परिस्थितियां उसे कुछ फैसले लेने के लिए बाध्य कर देती हैं, जो उसकी इच्छा के विरुद्ध होते हैं, तब उसका मन विचिलित रहता है, वह पूरी तरह से प्रसन्न भी नहीं रह पाता।

एक महिला, अपने बच्चे को नौ महीने तक अपने गर्भ में बड़ा करती है और उसके बाद उसे जन्म देती है। इन नौ महीनों की अवधि में वह महिला जो कुछ भी करती है, उसका सीधा असर उसके गर्भ में पल रहे बच्चे पर पड़ता है। इसलिए महिला को गर्भ धारण के पश्चात अपने खान-पान, रहन-सहन, आचार-विचार आदि सभी पर विशेष ध्यान देना चाहिये। पारिवारिक सम्बन्ध में मधुरता भरा व्यवहार करना चाहिए, ईश्वर की पूजा-अर्चना करनी चाहिए, जिससे होने वाले बच्चे पर अपनी संस्कृति एवं संस्कार की छाप पड़े। महाभारत कथा में उल्लेख है- अभिमन्यु ने अपनी माँ के गर्भ में ही सुनकर युद्धकला सीख ली थी।

मन, वाचा, कर्मणा और शरीर को पवित्र रखना ही संस्कार है। संस्कार से ही हमारे सामाजिक एवं आध्यात्मिक जीवन की गरिमा बढ़ती है तथा इसका पालन करने वाले लोग सभ्य कहलाते हैं। संस्कारों के विपरीत आचरण करना असभ्य की निशानी है। माना कि मानव एवं समाज निरंतर परिवर्तनशील है, परंतु हमें परिवर्तन राष्ट्र विकास की ओर अग्रसर होने की दृष्टी से अपनाना चाहिए न कि संस्कृति और संस्कारों का पतन करने के लिए। वर्तमान परिवेश में संस्कारों को मनमाने तरीके से लेकर मतभिन्नता का परिचय देना एक चलन-सा (फैशन) हो गया है, जो हमारी संस्कृति के विरुद्ध है। हमें सदैव याद रखना है कि संस्कार का सम्बन्ध सिर्फ व्यक्ति से ही नहीं है बल्कि परिवार, समाज एवं राष्ट्र से भी जुड़ा है। अतः जीवन में अपनी संस्कृति और संस्कार को कभी नहीं खोना चाहिये, चाहे परिस्थिति कैसी भी क्यों ना हों। बड़ा दुःख होता है जब हम अपने आस-पास में अपने ही लोगों को अपनी संस्कृति और संस्कार के विपरीत चलते हुए देखते हैं। वह चाहे अनजाने में ही ऐसा कर रहे हों। हमें चाहिए कि हम ऐसा करने वाले लोगों को समझाऐं, उनसे आग्रह करें और ऐसा करने से उन्हें रोकें। समाज व राष्ट्र के प्रति यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा दक्षिण भारत के लोग अपनी संस्कृति और संस्कार के अनुसार ही अपना जीवन व्यतीत करना पसंद करते हैं। वे लोग किसी भी परिस्थिति में अपनी संस्कृति को नहीं भूलते, जबकि समय के साथ-साथ प्रगति की दृष्टी से आवश्यक परिवर्तनों को अपनाते भी हैं। किन्तु उनका रहन-सहन, खान-पान, पहनावा, उनकी भाषा आदि में आज भी उनकी संस्कृति और उनके संस्कारों को स्पष्ट रूप में देखा जा सकता है। हम सभी को चाहिए कि हम भी उनकी इस अच्छी आदत को अपनायें और उसका पालन करें। हमें चाहिए कि समाज के अधिकतर लोगों के साथ अपनी मातृ भाषा में ही वार्तालाप करें। अपने आचरण, व्यवहार, पहनावे, विचार आदि के जरिए अपने संस्कारों की झलक दें। ऐसा करने से हम हमारी संस्कृति, हमारे संस्कार और हमारे समाज को विलुप्त होने से बचा सकते हैं।

हमारे समाज में भी संयुक्त परिवार की जगह एकल परिवार लेते जा रहा है, जिसकी संख्या निरंतर बढ़ती जा रही हैं। साथ ही एक ही बच्चे के बाद हम वंश को सीमित करते जा रहे हैं। हम सभी को इस विषय को गंभीरता से लेना चाहिए और इसकी रोक-थाम का प्रयत्न करना चाहिए। यदि हम वंश को नहीं बढ़ाएंगे, तो हमारा समाज विलुप्त होते जाएगा। आज-कल के बच्चों में अपने समाज की संस्कृति और संस्कारों की जानकारी का अभाव दिखाई देता है, जिसका मुख्य कारण है- दादा-दादी के साथ नहीं रहना, माता-पिता दोनों का घर से बाहर जाकर काम करना। अपने रिश्तेदारों के प्रति बच्चों में अपनापन, प्रेम तभी उत्पन्न होगा जब वे उनसे मिलेंगे, उनके साथ रहेंगे। शायद इसीलिए बच्चों को छुट्टियों में अपने ननिहाल, अपनी बुआ, अपने चाचा के घर कुछ दिनों रहने के लिए भेजने की परंपरा है। माता-पिता स्वयं बच्चों के सामने अपने माता-पिता की सेवा कर उनकी देखभाल करेंगे, तभी तो उन बच्चों के मन में यह सब करने की भावना का निर्माण होगा, उनको प्रेरणा मिलेगी। इसीलिए हमें अपने व्यस्त जीवन में से कुछ समय निकालकर अपने बच्चों के साथ बैठकर उन्हें सम्बन्धो का महत्व बताना चाहिए। साथ ही उसे इस पवित्र सम्बन्ध को निभाने के लिए प्रेरित भी करना चाहिए।

सोशल मीडिया का आवश्यकता से अधिक उपयोग करना, यह भी वर्तमान की सबसे बड़ी समस्या बनती जा रही है। काम की व्यस्तता की वजह से पहले ही परिवार के लोगों के साथ समय बिताना मुश्किल होता है, फिर बचे हुए समय को भी हम व्हाट्सप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्यूटर आदि जैसे सोशल मीडिया के साथ बीता देते हैं। इस कारण परिवार के लोगो के साथ हम समय ही नहीं बीता पाते हैं। परिवार के लोगों के बीच दूरियां बढ़ने का यह भी एक मुख्य कारण है। माता-पिता चाहते हैं कि मेरा बच्चा पढ़-लिखकर इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, कलाकार आदि बने। साथ ही खेल-कूद में भी सबसे आगे रहे। इसे पूरा करने के लिए अनजाने में ही सही वे अपने बच्चो पर आवश्यकता से अधिक दबाव देने लगते हैं। वे बच्चों को मशीन अथवा रोबोट की तरह समझते हैं। इससे बच्चों पर निरंतर बोझ बढ़ता जा रहा है, परिणामस्वरूप उसके स्वास्थ्य व मानसिकता पर असर पड़ रहा है। क्या हमने कभी ऐसा सोचा है कि हमारे बच्चे क्या चाहते है? हमें चाहिए कि हम अपने बच्चे की रूचि के अनुसार उसे उसके जीवन में आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शित करें। बच्चे तो कच्ची मिट्टी के समान होते हैं, उसे जिस सांचा में डालें वैसा ही रूप ग्रहण करता है, जैसा संस्कार मिलेगा वैसा ही व्यक्तित्व बनेगा।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के जिला सभाओं के अन्तर्गत तहसील एवं स्थानीय सभाओं के गठन के आधार

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के वर्तमान में जिला सभाओं के अन्तर्गत तहसील एवं स्थानीय सभा के निर्वाचन को लेकर समाज में कई भ्रांतियाँ व्याप्त हो गई है। जबकि अ.भा. माहेश्वरी महासभा अपने परिशिष्ट ''ब'' में इसे स्पष्ट कर चुकी है। अतः समाज की जनजागृति हेतु इसका प्रकाशन किया जा रहा है।

टीम SMT

1. प्रत्येक ग्राम/नगर, जिसमें न्यूनतम 10 परिवार निवास करते हो, वहां स्थानीय सभा का गठन किया जावेगा। स्थानीय सभा अपने सदस्यों में से वांछित संख्या में तहसील कार्यकारी मण्डल हेतु सदस्यों का चयन करेगी। चुनाव में स्थानीय सभा के न्यूनतम 60 प्रतिशत सदस्यों की उपस्थिति आवश्यक होगी।

2. ग्राम/नगर या स्थानीय सभा प्रति परिवार जिला कार्यसमिति द्वारा निर्धारित सदस्यता शुल्क लेगी। स्थानीय/ग्राम सभा की सदस्यता हेतु सम्बन्धित परिवार के मुखिया अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्ति से सदस्यता आवेदन पत्र भराया जायेगा। महिला एवं युवा संगठन का सदस्य स्थानीय/ग्राम सभा का सदस्य नहीं बन सकेगा, यदि वह परिवार का एक मात्र मुखिया हो तो ही सदस्य बन सकेगा, लेकिन वह चुनाव नहीं लड़ सकेगा। स्थानीय सभा को अपने क्षेत्र में रहने वाले माहेश्वरी परिवारों में से कम से कम 80 प्रतिशत परिवारों को सदस्य बनाना आवश्यक होगा। यदि कोई महिला पूर्व में ही मुख्य संगठन में सक्रिय रूप से जुड़ी हुई हो तो उसे विशेष परिस्थिति में स्थानीय सभा की सदस्यता दी जा सकेगी।

3. जिस नगर में एक हजार से अधिक परिवार निवास करते हैं वहां सुविधानुसार क्षेत्रीय सभाओं का गठन किया जावेगा। ऐसी सभी क्षेत्रीय सभा को नगर सभा से सम्बद्धता प्राप्त करनी होगी। इसी प्रकार ऐसे शहर जिनका क्षेत्रफल विस्तृत है किन्तु परिवारों की संख्या 500 से 1000 के बीच है वहां भी नगरीय तहसील सभा का गठन किया जावेगा। वहां की क्षेत्रीय सभाएं ग्राम/नगर सभा के समान ही होगी।

4. प्रत्येक तहसील में कार्यकारी मण्डल के चयनित सदस्यों की संख्या निम्न प्रकार से होगी -

(अ) तहसील क्षेत्र में 25 परिवारों के होने पर सभी परिवारों के मुखिया अथवा उनके द्वारा नामित सदस्यों का कार्यकारी मण्डल होगा।

(ब) 26 से 100 परिवारों पर कार्यकारी मण्डल सदस्यों की संख्या अधिकतम 31 होगी।

(स) 101 से 500 परिवारों पर कार्यकारी मण्डल सदस्यों की संख्या अधिकतम 51 होगी।

(द) 500 से अधिक परिवार होने पर कार्यकारी मण्डल सदस्यों की संख्या अधिकतम 101 होगी।

5. तहसील संगठनों के क्षेत्र में निवास कर रहे नीचे लिखी श्रेणियों में आने वाले सदस्य तहसील कार्यकारी मण्डल पर पदेन सदस्य होंगे। इन्हें वे सभी अधिकार प्राप्त होंगे जो चयनित सदस्यों को प्राप्त हैं।

(क) जिला संगठन के विधान की धारा 7 (2) में वर्णित सभी पदेन सदस्य।

नोट-उपरोक्त सभी सदस्य तहसील की कार्यसमिति में कोई पदग्रहण नहीं करेंगे।

6. ऊपर (4) व (5) में वर्णित किये गये सदस्यों की सभा तहसील सभी कार्यकारी मण्डल कहलावेगी। ये सभी मिलकर तहसील कार्यसमिति हेतु पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्यों को चुनेंगे। इनके अलावा अध्यक्ष द्वारा दो तथा जिला कार्यसमिति द्वारा एक सदस्य का मनोनयन किया जायेगा।

7. ऊपर (6) के अनुसार चुने जाने वाले पदाधिकारी व कार्यसमिति सदस्य द्वारा इस प्रकार होंगे-

अध्यक्ष-एक,	उपाध्यक्ष-एक
मंत्री-एक,	सहमंत्री-एक
कोषाध्यक्ष-एक,	संगठनमंत्री एक, कार्यसमिति सदस्य

8. प्रत्येक तहसील कार्यकारी मण्डल सदस्यों में से तहसील कार्यसमिति में सम्बन्धित जिला सभा कार्यसमिति द्वारा एक सदस्य मनोनीत किया जावेगा। जिसे अन्य सदस्यों की भांति सभी अधिकार प्राप्त होंगे। जिला संगठन के विधान की धारा 11 (क) में वर्णित सभी सदस्य जो तहसील क्षेत्र में निवास करते हैं, वे सभी तहसील कार्यसमिति के पदेन सदस्य होंगे।

9. जिला सभा कार्यकारी मण्डल में प्रत्येक तहसील के परिवारों की संख्या के आधार पर सदस्य संख्या निश्चित की जावेगी। इनका चयन तहसील कार्यकारी मण्डल प्रत्येक गांव के परिवारों की संख्या को ध्यान में रखकर उचित प्रतिनिधित्व देते हुए करेंगे।

10. तहसील कार्यकारी मण्डल एवं कार्यसमिति के निर्वाचन हेतु निर्वाचन प्रक्रिया, मतगणना, आचार संहिता तथा सदस्यों द्वारा नियमों का उल्लंघन व अनुशासनात्मक कार्यवाही के नियम प्रदेश एवं जिला सभा के विधान के अनुरूप होंगे।

11. प्रत्येक तहसील सभा के चुनाव हेतु कार्यक्रम बनाकर सात दिवस पूर्व कार्यकारी मण्डल सदस्यों की सूची उनके पतों सहित सदस्यों में प्रसारित कर आपत्तियों का निवारण कर अन्तिम सूची सम्बन्धित जिला सभा को स्वीकृति हेतु भेजी जाऐगी। चुनाव प्रक्रिया में तिथि, स्थान, समय, पदों हेतु नामांकन पत्र प्रस्तुत करने, नाम वापस लेने, अन्तिम रूप से अधिकृत प्रत्याशियों की सूची प्रकाशित करने आदि की सूचना स्पष्ट रूप से प्रकाशित की जानी अनिवार्य होगी। स्थानीय सभा द्वारा चयन सूची पर स्थानीय सभा के अध्यक्ष, मंत्री तथा तहसील सभा के पर्यवेक्षकों के हस्ताक्षर आवश्यक हैं, स्थानीय सभा के चयन प्रक्रिया कार्य विवरण की फोटोकॉपी उपरोक्त पत्रों के साथ संलग्न की जावे। मतदाता सूची पर कार्यसमिति के निर्णयानुसार अध्यक्ष/मंत्री के हस्ताक्षर हो एवं सूचना ईमेल, डाक, कोरियर, समाचार-पत्र द्वारा एवं वाट्सअप पर भी भेजी जावेगी।

12. तहसील कार्यसमिति के चुनाव कराने हेतु जिला सभा से पर्यवेक्षक

बुलाना अनिवार्य होगा। उसकी मौजूदगी में चुनाव कराए जावेंगे। पर्यवेक्षक को इस चुनाव से सम्बन्धित सभी पत्र जिला सभा द्वारा उपलब्ध कराये जायेंगे। चुनाव सम्पन्न होने पर उसकी रिपोर्ट जिलाध्यक्ष/मंत्री को शीघ्र सभी पत्रों के साथ प्रेषित की जावेगी।

13. प्रत्येक ग्राम को एक इकाई मानते हुए तहसील सभा को जिला सभा से सम्बद्धता प्राप्त करने के लिए जिला कार्यसमिति द्वारा निर्धारित सम्बद्धता शुल्क देना होगा।

14. तहसील सभाएं कार्य संचालन हेतु जिला सभा के विधान की भावना के अनुरूप नियम बना सकेंगी। इन्हें सम्बन्धित जिला संगठन की कार्यसमिति से स्वीकृत कराना आवश्यक होगा।

15. जिला सभा कार्यकारी मण्डल सदस्य वही व्यक्ति बन सकेंगे जो

(अ) अ.भा. माहेश्वरी महासभा के मुखपत्र माहेश्वरी पत्रिका का सदस्य बना हुआ हो (रसीद नंबर लिखना अनिवार्य होगा)

(आ) सदस्य द्वारा चुनाव प्रक्रिया में सम्मिलित होने के पूर्व क्षेत्रीय, तहसील, स्थानीय एवं जिला सभा का सदस्यता शुल्क जमा कर दिया गया हो।

शहरी क्षेत्रीय तहसील सभाएं

15. जिस शहर में 1000 से अधिक परिवार रहते हैं, वहां शहरी क्षेत्रीय तहसील सभा का गठन किया जावेगा। इस हेतु शहर की परिवारों की संख्या तथा भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग क्षेत्रों में विभाजित किया जावेगा। प्रत्येक क्षेत्रीय सभा स्थानीय सभा के समान ही कार्य करेगी। क्षेत्र में निवास करने वाले प्रत्येक परिवार के मुखिया अथवा उसके द्वारा नामित व्यक्ति को क्षेत्रीय सभा का सदस्य बनाया जावेगा। प्रत्येक सदस्य को संगठन द्वारा निर्धारित सदस्यता शुल्क देय होगा। क्षेत्रीय सभा के गठन की प्रक्रिया स्थानीय संगठन के अनुरूप होगी। परिशिष्ट 'ब' की धारा 3 के अनुसार भी शहरी क्षेत्रीय तहसील सभाओं का गठन किया जावेगा। कार्यकारी मंडल/कार्यसमिति सदस्यों का चुनाव महासभा द्वारा निश्चित सदस्य परिवारों की संख्या अनुसार संबंधित क्षेत्र में ही होगा।

1. शहरी तहसील सभा कार्यकारी मंडल के चयनित सदस्यों की संख्या निम्न प्रकार से होगी।

अ. जिस शहर में 1000 से 3000 परिवार रहते हैं - 101
ब. जिस शहर में 3000 से अधिक परिवार रहते हैं - 151
स. जिस शहर में 500 से 1000 परिवार रहते हैं। - 071
(परिशिष्ट 'ब' की धारा 3)

2. प्रत्येक क्षेत्रीय सभा से शहरी तहसील कार्यकारी मंडल हेतु सदस्य संख्या निम्न प्रकार से तय की जावेगी।
शहरी क्षेत्र के कुल परिवारों की संख्या
शहरी तहसील के कार्यकारी मंडल के सदस्यों की संख्या।

3. शहरी क्षेत्रीय सभा कार्यसमिति में 2000 सदस्य परिवारों तक 21 तथा इससे अधिक परिवार होने पर 31 सदस्यों की पदाधिकारियों सहित कार्यसमिति का गठन किया जावेगा।

4. शहरी तहसील कार्यकारी मंडल में क्षेत्रीय सभा के अध्यक्ष एवं मंत्री को भेजना आवश्यक होगा।

5. शहरी क्षेत्रीय सभाओं का सीमांकन शहरी तहसील सभा कार्यसमिति की अनुशंषा को ध्यान में रखते हुए जिला सभा कार्यसमिति द्वारा किया जावेगा।

6. शहरी तहसील सभा के गठन की अन्य प्रक्रियाएं यथा वोटर लिस्ट चयन प्रक्रिया कार्यक्रम आदि तहसील सभा के गठन के अनुसार ही है।

7. शहरी तहसील सभा प्रत्येक क्षेत्रीय सभा से जिला संगठन की कार्यसमिति द्वारा निर्धारित सम्बद्धता शुल्क प्रति सत्र लेगी एवं सम्बद्धता प्रमाण-पत्र जारी करेगी।

8. शहरी क्षेत्रीय सभाएं जिला सभा कार्यकारी मंडल हेतु सदस्यों का निर्वाचन उनको आवंटित संख्या के अनुसार करेगी।

9. शहरी क्षेत्रीय सभाओं तथा शहरी तहसील सभा के चुनावों में जिला सभा के पर्यवेक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

10. जिन शहरी तहसील सभाओं में परिवारों की संख्या 3000 से अधिक है, वहां कार्यसमिति के चुनाव हेतु केन्द्रीय समिति एवं प्रदेश सभा से भी पर्यवेक्षक भेजा जावेगा।

11. शहरी स्तरीय तहसील सभा में भी पदेन सदस्य उसी प्रकार से होंगे जैसा तहसील सभा गठन बिन्दु संख्या 5 में दिया गया है।

12. शहरी तहसील सभा कार्यकारी मंडल द्वारा पदाधिकारियों सहित कार्यसमिति सदस्यों (कुल 25) का चुनाव किया जावेगा। जिसमें सभी कॉलोनी, मोहल्ले, स्कीम, अपार्टमेंट व वार्ड को उचित (पारिवारिक संख्या) प्रतिनिधित्व दिया जावेगा। पदाधिकारियों के पदों की संख्या व पदनाम का निर्णय शहरी तहसील सभा के विधान अनुसार होगा, नवनिर्वाचित अध्यक्ष कार्यसमिति हेतु 5 सदस्यों का मनोनयन करेंगे। इस प्रकार 131 सदस्यों की कार्यसमिति होगी।

16. महासभा द्वारा स्वीकृत मॉडल विधान के अनुसार ही प्रदेश, जिला/आंचलिक, तहसील/शहरी तहसील सभा का गठन आवश्यक होगा। ऐसा न होने पर महासभा, उस प्रदेश सभा उनके जिला व तहसील सभाओं के चुनाव केन्द्रीय समिति के माध्यम से पर्यवेक्षकों की देखरेख में मॉडल विधान व शृंखलाबद्ध संगठन की भावना को ध्यान में रखते हुए करा सकेगी और इस तरह से चयनित प्रदेश सभा/जिला ही उस प्रदेश का प्रतिनिधित्व महासभा में करेगी। इस कार्य हेतु महासभा आवश्यकतानुसार विभिन्न स्तरों के लिए तदर्थ समितियों का गठन कर सकेगी। जिला सभा, प्रादेशिक सभा व महासभा प्रतिनिधियों का चयन संबंधित क्षेत्रों द्वारा ही करके भेजा जाएगा।

17. अनेक प्रदेशों में स्थानीय तहसील जिला अथवा प्रदेश सभाएं संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के अन्तर्गत रजिस्टर्ड हैं। उन सभी संगठनों को अपने विधान एवं नियमावली में परिवर्तन मॉडल विधान के अनुसार करना होगा, अन्यथा उन्हें सबद्धता प्रदान नहीं की जावेगी। किसी भी विवाद में कोर्ट जाने वाले व्यक्ति अथवा संगठन की सम्बद्धता निरस्त करने का अधिकार उनको सम्बद्धता प्रदान करने वाली सभा को होगा। यदि संस्था रजिस्टर्ड है तो भी हमारे विधान की पालना एवं महासभा के नियम अनुसार ही हो एवं विधान की मूल भावना से अलग नहीं हो।

(अ.भा माहेश्वरी महासभा के विधान पर आधारित)

राह जिंदगी की...

अपनी सोच को बनाऐं सकारात्मक

प्रो. कल्पना गगडानी, मुंबई

नया साल शुरू हो गया। जोरदार शुभकामनाओं, शोर-शराबा, धूमधाम, नाचना-गाना, आतिशबाजी संग देर रात तक नये वर्ष के आगमन की अगवानी सब ने अपने-अपने ढंग से की।

व्हाटसेप पर नव वर्ष के बने- बनाये, सजे-सजाय शुभ हैपी न्यू ईयर संदेशों के उत्साह के बीच एक दो संदेश ऐसे भी आप सब को मिले होंगे जो रोते हुए बता रहे होंगे 'खत्म हो गया जिंदगी का एक और साल'। बड़ गई उम्र, बीत गया जीवन का एक और वर्ष, कम रह गई अब ये जिंदगी।

जीवन जगत की हर घटना में नकारात्मकता मात्र को देखना कुछ लोगों का प्रिय रवैया होता है, परंतु नकारे से भरी राह जिंदगी में न तो कभी आपको आगे बढ़ा सकती है और न ही खुशियाँ दिला सकती है। जिंदगी जीने का मजा तो तब है जब आपकी जिंदगी की राह सकारात्मक सोच की पुख्ता जमीन पर हो। जीवन डगर खूबसूरत, खुशबूदार, मुलायम फूलों, पंखुडियों से नहीं पटी हुई होती है, उसमें अधिकांशतः नुकीले पत्थरों की रगड़ और चुभीले कांटों की जलन मिलने की अधिक संभावना होती है। राह के बिना पर मंजिल नहीं मिलती। राह या तो बनानी पड़ती है, या बनी बनाई जटिल कंटीली राह पर चलना होता है।

तो क्या उदास होकर, रोते हुए, मन मसोसते हुए चलने के लिये हर इंसान अभिशप्त है? मंजिल पाने का यही एक तरीका हम इंसानों के पास बचा है? नहीं, कदापि नहीं। इस तरीके से तो हम मात्र कुछ कदम चल पायेंगे, फिर हार कर, टूट कर सदा के लिये गिर जायेंगे। नववर्ष पर पीछे मुड कर यह तो देखे कि क्या छूट गया? जिंदगी से क्या घट गया?

हमें तो सोचना होगा इस बीते एक साल में, जिंदगी के बढ़ते एक साल में अनुभव की कितनी पुंजी हमने इकट्ठा की? खुशियों की कितनी कलियों को अपने दामन में समेटा? यदि हमसे कोई गलती हुई तो उस गलती से हमने क्या सबक लिया? राह पर आगे बढ़ने के लिये हमने जो प्रयास किये क्या वो परिपूर्ण थे? अब और क्या, कैसा, कितना, कब, कहां करना है? जितनी शिद्धत आप अपनी कोशिशों में दिखाओगे उतनी ही कोशिशें आपकी कम फेल होंगी।

तो नव वर्ष का स्वागत कीजिये-नये उत्साह से, नई कोशिशो से, नई सोच से सम के साथ, लगन के साथ, मेहनत की प्रतीक्षा के साथ। एक नई सुबह हुई है, अब दिनचर्या ऐसी बनाएं शाम तक अपने गंतव्य तक पहुंच जायेंगे, हंसते गाते खुशियाँ मनाते। मुबारक नव वर्ष !

योग-मुद्रा

वाणी दोष एक ऐसी समस्या है, जिसका उपचार आसान नहीं। लेकिन योग की ''शंख मुद्रा'' से इससे काफी हद तक राहत प्राप्त की जा सकती है।

वाणी को मधुर बनाती है सहज शंख मुद्रा

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

कैसे करें :

इस मुद्रा में दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में फंसाकर, हथेलियां दबाकर दोनों अंगूठों को मिलाकर तर्जनी उंगली को हल्के से दबाएं। इस मुद्रा को दिन में दो-तीन बार 15-15 मिनट के लिए करें।

क्या हैं इसके लाभ :

इस मुद्रा से भी स्वर दोष दूर होते हैं। गले के रोग भी ठीक होते हैं तथा आवाज मधुर बनती है। तुतलाना बन्द होता है, जो बच्चे तुतलाते हैं, उन्हें इस मुद्रा के अभ्यास से बहुत लाभ होता है। मन शांत होता है व पाचन शक्ति बढ़ती है, गैस दूर होती है। आंतो के रोग दूर होते हैं। इससे महिलाओं के मासिक धर्म की अनियमितता भी समाप्त होती है। इस मुद्रा से बवासीर रोग दूर होता हैं व मणिपुर चक्र संतुलित होता है। रक्त संचार भी ठीक होता है। जब इस मुद्रा को मूलबंध लगाकर करते हैं तो और भी अधिक लाभ होता है। मूलबंध के साथ करने से पुरुषों में सहवास में शक्ति बढ़ती है एवं स्नायु तन्त्र मजबूत होता है।

हमारा अपने समाजबंधुओं से जुड़े रहना अतिआवश्यक माना जाता है। हमेशा से मान्यता रही है कि समाज में अपनी पहचान बनाना भी उतना ही जरूरी है, जितना परिवार में। हमारी पहचान भी समाज से जुड़ने पर बढ़ती है जो एक लंबे समय के लिए किए गए निवेश के समान है। लेकिन वर्तमान मे सोच बदलती जा रही है। आज की पढ़ी-लिखी युवा पीढ़ी की दुनिया सिर्फ अपने परिवार और कार्यक्षेत्र के इर्द-गिर्द घुमती रहती है। अपनी जीवनशैली में इतने उलझ गए हैं कि हमें अपने पड़ोसी के नाम-काम की जानकारी भी नहीं होती है। सोशल मीडिया दोस्तों की सूची में बढ़ोतरी होना ही हमारे लिए स्टेटस की बात होती है, पर अपने ही समाज के लोगों के साथ उठना-बैठना कोई मायने नहीं रखता है। उन्हे ये सब उन्नति में बाधक लगते हैं। आज की पीढ़ी की यह सोच कितनी उचित है? क्या समाज का हमारे जीवन में कोई अस्तित्व नहीं? अतः इस पर विचार करना समसामयिक हो गया है। उपरोक्त विषय ऐसा चिंतनीय है, जिस पर समाज व्यवस्था का भविष्य निर्भर है। आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

हमारा सामाजिक होना
उचित अथवा अनुचित?

हमारे परिवार की समाज से पहचान

समाज से जुड़े रहना हमारे लिए अतिआवश्यक है। जिस प्रकार परिवार से हमारी पहचान होती है, उसी प्रकार समाज से हमारे परिवार की पहचान होती है। हमारे रीति-रिवाज, संस्कृति-संस्कार समाज के कारण ही सुरक्षित और संरक्षित होते हैं। अपनी खुशी में हम चाहे समाजबंधुओं को शामिल करें या ना करें पर हम पर अगर कोई विपत्ति आई हो तो बिना बताये ही समाजबंधु हमारे साथ खड़े हो जाते हैं। समाजबंधुओं से जुड़ना हमारी आवश्यकता है, मजबूरी नहीं। कभी-कभी जो कार्य हमारे लिए मुश्किल होता है, वह सामाजिक संपर्क के कारण चुटकी में हल हो जाता है। यह सामाजिक संपर्क एक लंबे समय के लिए किए गए निवेश के समान है जो हमारी पढ़ाई-कैरियर, सगाई-ब्याह ही नहीं हमारे बुढ़ापे के एकाकीपन में भी बहुत उपयोगी साबित होता है। मानती हूँ कि जीवन अतिव्यस्त होता जा रहा है, परिवार के सदस्य एक छत के नीचे रहकर भी आपस में बात करने का समय नहीं निकाल पाते, ऐसे में बाहर वालों से संपर्क रखना मुश्किल हो सकता है, पर नामुमकिन नहीं है। एक कदम समाजबंधुओं की तरफ बढ़ाकर तो देखें, सौ कदम आपके साथ चलेंगे। आभासी दुनियां की तुलना में वास्तविक दुनिया से संबंध बनाये रखना श्रेयस्कर रहेगा। समाज से जुड़कर हमारी सोच और विचारधारा के साथ-साथ हमारा अस्तित्व भी निखरता चला जायेगा। हमारे सामाजिक ना होने से समाज को कोई कमी महसूस नहीं होगी पर एक वक्त के बाद हमें और हमारे परिवार को समाज की कमी अवश्य महसूस होगी।

❐ **सुमिता मूंधड़ा,** मालेगांव

समाज से ही अपनी पहचान

सामाजिक यानी समाज में एकजुट होकर जुड़े रहना। हम समाजजन प्रिय लोग हैं। जब तक हम समाज के कामों में रुचि नही लेते, उनसे मेल जोल नही बढ़ाते तब तक हमारी कोई पहचान नही बनती। हमारी पढ़ाई, कौशल, सिर्फ किताबी ज्ञान रह जाएंगे। हम खुले दिल से अपने अच्छे विचार का आदान प्रदान नही करेंगे तो न ही व्यापार में आगे बढ़ेंगे न ही समाज को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेंगे। समाज में परिवर्तन, ठहराव और कुछ अच्छाईयाँ लानी है, तो समय-समय पर समाज के साथ मेल-जोल बढ़ाकर सबका हौसला बुलंद करना चाहिए। इसमें हम लोगों के साथ छोटे-मोटे उद्योगों के बारे में चर्चा कर सकते हैं। सामाजिकता में संगठन होता है। ताकि हम एक दूजे को प्यार के बंधन में बांध कर देश को गौरवान्वित करें। सामाजिक रहना यानी आपस में जुड़े रहना। इससे मान-सम्मान बढ़ेगा, दूसरे देशों से व्यापार बढ़ेगा, विदेशी मुद्रा में निवेश होगा, हमारी ओर देखने का कोई ढांढस नही करेगा। नकारात्मक सोच नही रहेंगी तो आपसी संबंध मजबूत बनेंगे।

❐ **मीना कलंत्री,** वसई, जिला भायंदर

युवाओं की प्रगति में समाज का महत्व

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। एकाकीपन का जीवन वह नहीं जी सकता। सुख-दुःख बांटने के लिए उसे सामाजिक होना जरूरी है। अपनों के साथ समय व्यतीत करने में जो आनंद की अनुभूति होती है, वह अकल्पनीय है। सामाजिक संगठनों से जुड़ने में समाज के वरिष्ठजनों को युवाओं को प्रेरित करना चाहिए। युवाओं के हाथों में समाज के पद एवं कार्यक्रमों की बागडोर सौंपनी चाहिए जिससे वे अपनी नई सोच के साथ समाज जनों से पहचान बनाऐंगे एवं कहीं ना कहीं उन संबंधों को अपने समाज, व्यवसाय, रोजगार या पारिवारिक सुख-दुःख में उसका सहयोग पाएंगे। सामाजिक होने में युवा पीढ़ी कूपमंडूक ना होकर दूसरों से अच्छी बातों को ग्रहण करने के लिए प्रेरित होगी। पड़ोसियों से हमारे बहुत अच्छे संबंध होने चाहिए। किसी भी विपदा में वे ही सबसे पहले मदद करने के लिए आगे आएंगे। हर क्षेत्र में हमें सामाजिक होकर सभी से मिलजुल कर रहना चाहिए।

❐ **अनुभि राठी,** रतलाम (मध्यप्रदेश)

संतुलन बनाए रखें

सामाजिक होना अच्छी बात है। परंतु स्मरण रहे कि समाज की शुरुआत घर से होती है। हम समाज बंधुओं से जरूर जुड़े रहें किंतु हमारी प्राथमिकता हमारा परिवार हो। मनुष्य जैसे सामाजिक प्राणी है वैसे कौटुंबिक प्राणी भी है और परिवार का सदस्य होने के नाते उसके कुछ कर्तव्य होते हैं। परिवारजनों की इच्छायें ना सही पर आवश्यकताएं अवश्य पूरी होनी चाहिए। यहां मदर टेरेसा का एक कथन विचारणीय एवं अनुकरणीय है - 'विश्व शांति के लिए अगर आप कुछ करना चाहते हैं तो घर जाए और अपने परिवार से प्यार करें!' कहीं ऐसा ना हो कि हम सामाजिक कार्यभार क्षमता से अधिक बढ़ा लें और परिवारजनों पर रोष उतारें। आजकल सामाजिक होने के नाम पर एक महिला की प्रतिमाह 4-5 किटी पार्टीज होती है, जिसमें घंटो व्यतीत होते है.व घरों में अव्यवस्था की स्थिति बन जाती है। इस तरह घर-परिवार की उपेक्षा कर समाज में उठना बैठना व्यर्थ है। हां आकस्मिक स्थिति में हम समाज की मदद के लिए अवश्य जाए। ऐसे वक्त में आप परिवार को अपने साथ खड़ा पाएंगे। यूँ संतुलन साधते हुए बेशक हम समाज में समय निवेश करें। इससे हमारी समाज में जान पहचान रहेगी जो हमें एवं समाज दोनों को उन्नति की ओर ले जाएगी।

❐ **अनुश्री मोहता,** खामगांव

युवा पीढ़ी को समाज का महत्व बताना जरूरी

एक तरह की सोच, आचार विचार, परंपराओं, मान्यताओं वाले परिवार के समूह को समाज कहा जाता है। यह अपनों को सुरक्षा देने के भाव से बनाया गया समूह है जिसको बरकरार रखने का दायित्व हम सभी का है। समाज से युवाओं की दूरी में एकाकी परिवार, भागदौड़ की जीवन शैली व कहीं ना कहीं दूसरों से हमें क्या लेना, सेवा कार्य से दूरी, मोबाइल सहित अनेक कारण है जिसने सबको आस-पड़ोस व समाज ही नहीं खुद के घर से भी दूर कर दिया है। एक घर में बैठे अनेक सदस्य आपस में वार्तालाप के स्थान पर मोबाइल में व्यस्त रहते हैं, यह उसी बदलाव का प्रभाव है। समाज का महत्व तो हम समय समय पर श्री माहेश्वरी टाइम्स सहित अनेक सामाजिक पत्रिकाओं में पढ़ते भी रहते है कि मार्ग में कोई विपदा आ गई तो कैसे अनजान समाज संगठन के बंधुओं द्वारा सहायता की गई, यह हर कोई जानता ही है। अब मुख्य बात हमारे तीज त्यौहार पर्व उत्सव को आगे की पीढ़ी तक बनाए रखा जाए, इसके लिए समाज का भाव जीवित रखना होगा। इसके लिए सबको मिलकर समाज के लिए टाइम निकालने का प्रयास करना होगा। समय का नियोजन प्रथम आवश्कता है। प्रत्येक सप्ताह में कुछ समय समाज के लिए निकाला जाए और नए बदलाव के अनुरूप समाज के लोगों को कैसे सुविधा हम दे सके इस पर विचार किया जाना चाहिए। इसके लिए समाज के बंधुओं को भी आगे बढ़कर कार्य करने वाले समाज के अग्रणी बंधुओं को हतोत्साहित करने के स्थान पर प्रोत्सान देने का कार्य करना होगा। जिससे अपने रूटीन के कार्य के साथ समाज का चिंतन करने वाले लोग भी अपनेपन की खुशी महसूस कर सके व अधिक ऊर्जा के साथ कार्य कर सके।

❐ **कपिल करवा संगरिया,** बीकानेर

समाज अर्थात् व्यक्तित्व विकास

अपने विषय का नाम मै बदल कर देना चाहूँगी समाज यानी व्यक्तित्व विकास। जी हाँ मेरा व्यक्तिगत मानना है कि जीवन की गाड़ी को चलाने के लिए जो अनुभव, अनुशासन, निर्भिकता, नेतृत्व क्षमता, सबको साथ लेकर चलना हो या बोलने का कौशल सब कुछ हमें समाज में जुड़कर मिलते है। यहां तक कि अकेलेपन और नीरसता को हटा कर समाज संगठनों/संस्थाओं से हमें दोस्त रुपी कई सखियों का संग और साथ ही हर दिन अनुभव से भरे लोगो का मार्गदर्शन मिलता है। समाज हमारे सामाजिकता से भरे जीवन पथ पर उदासी को दूर कर जीवन पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा है। संगठन से मिले रिश्ते अटूट होते हैं। जीवन के साथ भी, जीवन के बाद भीड़। हां सबसे बड़ी बात हमें आजकल जो राजनीतिक तरीके से जोड़ तोड़ कर रहे हैं और सामाजिक संस्थाओ को क्लबों की तरह संचालित कर रहे हैं उन सब से दूर रहकर हमें निरंतर अपना योगदान देना चाहिए। अगर हमारे युवा समाज से दूर रहकर सुधार की उम्मीद करेंगे मुश्किल है परन्तु युवा सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर कर अन्दर घुसकर कुछ स्वार्थी लोगों के कारण हो रही सामाजिक बुराइयों को हटाने की कोशिश करें, ऐसा मेरा व्यक्तिगत विचार है, क्योंकि युवा पीढ़ी का योगदान महत्वपूर्ण है फिर वो परिवार में व्यापार में हो या सामाजिक परिवेशों में, शुद्ध समाज के लिए युवाओं को जरुर जुड़ना चाहिए।

❐ **शोभना सारडा माहेश्वरी,** गंगटोक

सामाजिकता ही पशुओं से भिन्न

हमारा समाजिक होना सर्वथा उचित है,मनुष्य सामाजिक प्राणी है जो हमे वन्यप्राणियों से अलग करती है। जितनी जरूरत उसे परिवार की होती है, उतनी ही समाज की, जिसके घेरे में रहकर वह अपनी मर्यादाओं को समझता है। भिन्न-भिन्न लोगो से मिलकर उसका सामाजिक दायरा भी बढ़ता है जो उसके व्यवसाय और व्यवहार को भी प्रभावित करता हैं। आज की युवा पीढ़ी अच्छी कमाई और अच्छी जीवन शैली के चक्कर मे घर परिवार से दूर बस जाती है और वहाँ की संस्कृति अपनाती है। बचपन से ही बच्चों को समाज में उनके अस्तित्व का महत्व समझायें, जिससे वे कोई भी कार्य अच्छा, बुरा करने के पहले उसके परिणामों का निष्कर्ष समझ सकें। महानगरों में दूरियां होने से अलग-अलग नामो से संगठन, मण्डल की स्थापना की जाती है, युवा पीढ़ी भी इन सबमे सक्रियता से भाग लेती है। इसलिए जरूरी है हर पीढ़ी को उनके विकास में सहायक होकर उनके फैसलों में सहायता करनी चाहिए। तभी निश्चित रूप से, आज जिस समाज का ढांचा हमने खड़ा किया है, उसमें आज की पीढ़ी अपना अस्तित्व नए रूप में जरूर प्रस्तुत करेगी। समय के अनुसार परिवर्तन की मांग तो संसार और समाज का नियम है, जिसे हर पीढ़ी को अपनाना होगा, तभी सुंदर समाज की संकल्पना साकार होगी।

❐ **ज्योति सोनी,** नागपुर (महाराष्ट्र)

माहेश्वरी समाज की सबसे पुरानी
और सफल वैवाहिक सेवा

www.maheshwari.org

हमारी अन्य सेवाएं
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

निःशुल्क
पंजीकरण
9312946867

दोनों कुछ देर खड़े एक-दूसरे की मनुहार करते रहे। पानी के मारे होठ और अंतड़ियाँ सूख रही थी पर कोई भी पहले पानी पीने को तैयार नहीं था। प्राणों पर बन आयी थी, प्राणरक्षक पानी सामने था पर प्रेम के अधीन दोनों एक-दूसरे की मनुहार किये जा रहे थे। प्रेम की घड़ियाँ तो जीवन में कितनी ही बार आयी पर आज त्याग की घड़ी थी। त्याग की पराकाष्ठा ही तो प्रेम है। एक-दूसरे की मनुहार करते दोनों परम दिव्य भाव में स्थित हो गये।

मनुहार

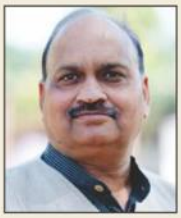

हरिप्रकाश राठी, जोधपुर
94141-32483

चाँद आसमान को दो-तिहाई से ऊपर पार कर थकी-सी जम्हाई ले रहा था। चांदनी की महीन चादर ओढ़े थार के टिब्बे मीलों पसरे पड़े थे। भोर का तारा अंधेरे दरवाजे के पीछे खड़ा बाहर निकलने का मौका तक रहा था। पूरा भैरवगढ़ गाँव, ढोर एवं पेड़-पौधे सभी निशादेवी की गोद में निश्चिंत पड़े थे।

तभी झाड़ पर बैठे कुछ बूढ़े मोरों ने जोर से कूक कर ढलती रात की सूचना दी। बुजुर्गों का अनुसरण करते हुए एक के बाद एक कई युवा मोर बोल उठे.पि..आ..ओ।

परदेस गये प्रियतम की विरहिणी की छाती में मानो कटार-सी लगी। घुटनों को ऊपर कर उसने तकिये को छाती से दबाया एवं मन ही मन मोरों को कोसा, कलमुंहे! यह भी कोई कूकने का समय है। क्या तुम्हें इतना भी होश नहीं कि अभी वो परदेस में हैं।

आशंकित नवब्याहे अल्हड़ युवकों ने अपनी प्रेयसियों को खींचकर अपने कठोर बाहुपाश में जकड़ लिया, न जाने कब इनकी नींद खुल जाये और घड़े उठाकर तालाब की ओर चलती बने। उनके विशाल नितंबों को अपने पाँव-पाश में बांधकर अधखुली आँखों से उन्होंने उनके पीन पयोधरों के मंगला दर्शन किये, फिर वहीं सर रखकर सो गये। यौवन लावण्य का सार है। प्रियतम की प्रेम भरी मुस्कान, रसमयी चितवन, रतनारे मादक नैन, भौहों के इशारे, कामातुर हाव-भाव एवं अमृत-सी मीठी वाणी ही प्रेमियों की सम्पत्ति है। भला कौन युवक इन्हें यूँ छोड़ देगा?

युवतियाँ कुछ देर चुपचाप उनके प्रेम पाश में बंधी रही वरन् और नजदीक होकर उनसे ऐसे लिपट गयी जैसे लतायें शाखाओं से चिपक जाती है। जब मर्द निश्चिंत हो गये तो एक-एक कर उनके बाहुपाश के नीचे से सरक कर चलती बनी। मूर्ख मर्द भला चतुर नारियों को कब पहचान पाये हैं?

भंवरी के ब्याह को पन्द्रह दिन से ऊपर होने को आए। नई नौ दिन की। दस दिन बाद ही सास ने हिदायत दे दी थी, 'अब गठिया के मारे मेरे पाँव नहीं चलते और तालाब भी ढाई कोस पर है। कल से तू ही पानी लाना।' गत तीन रोज से लगातार वही पानी भरकर ला रही थी। वह तो भगवान का शुक्र है, उसके साथ ही ब्याह कर आई उसके गाँव की नाथी भी साथ पानी भरने जाती थी वरना अकेले इतना लम्बा रास्ता पार करते जान निकल जाये। नाथी से वह मन की बात तो कह सकती है।

भंवरी ने एक हाथ लम्बा घूंघट निकाला, सर पर ईडाणी रखी, फिर एक-एक कर तीन घड़े सर पर रखकर बाहर आई तो नाथी सामने ही खड़ी थी। उसी की तरह लंबा घूंघट निकाले एवं सर पर तीन घड़े रखे वह भंवरी का इंतजार कर रही थी। कल ही उसने नाथी को समझा दिया था, 'मेरा दरवाजा नहीं खटखटाना, बुढ़िया टोके बिना नहीं रहेगी, एक नाथी है जिसे घर की इतनी चिंता है और एक तू बेशरम मर्द को पकड़े पड़ी रहती है।

दोनों ने तालाब की राह ली।

अकाल का लगातार चौथा साल था। अब धरती भी फटने लगी थी। वनस्पति, पेड़-पौधे सभी ठूंठ खड़े ऐसे लगते थे मानो मात्र चन्द्र किरणें पीकर जीने वाले वैरागी हों। कितने ही ढोर मर गये थे एवं कितनों ही की हड्डियां निकल आयी थी। थनों से अब दूध की बजाय खून टपकता था। गाँव के बाहर पशुओं के कंकाल इस तरह बिखरे पड़े थे मानो यम गाँव में आ बसा हो। आषाढ़ पूरा होने को आया पर पानी की एक बूंद नहीं बरसी। किसान आँखें फाड़े बादलों को तकते रहते, पर मेह भरे मेघ न जाने कहाँ छुपे पड़े थे। गाँव वालों ने जो बन पड़ा, किया। पण्डितों से यज्ञ करवाये, भोपों से झाड़े लगवाये, देवी-देवताओं को बलि दी पर मेघ अब भी रूठे थे। वह तो ईश्वर का शुक्र है कि थार में रातें ठण्डी होती है वरना सूर्यदेव तो दिनभर आँखें फाड़े अंगारे बरसाने पर आमदा थे।

इस बार ज्योतिषियों ने मूसलाधार मेह की भविष्यवाणी की तो किसानो की पथराई आँखें चमक उठी। आशा उत्साह की जननी है। सभी ने अपने खेत, हल-बैल तैयार कर

लिये। सभी के हृदय से एक ही पुकार उठ रही थी, 'प्रभु! इस बार मेघ जम कर बरसे।' बूढ़ी औरतें गीत गाकर मेघों को लुभाती ' मेह बाबो आजा दूध रोटी खाजा' यानि हे मेघ! हमारे गाँव से होकर गुजरो, तुम्हें खीर में भिगोकर रोटी खिलायेंगे।

भंवरी और नाथी सरपट तालाब की ओर चली जा रही थी। नववधुओं की रसभरी बातों में भला कौनसे रास्ते लम्बे होते हैं। दोनों एक-सी पोशाक पहनी थी। दोनों का श्रृंगार भी एक-सा था। कमर पर कांचली, नीचे घाघरा, सर पर महीन ओढ़नी, पूरे हाथों को ढकता हुआ सफेद चूड़ा, माथे पर चांदी का बोर एवं पाँव में चांदी के कड़े। तेज श्वास के चलते दोनों के उद्दण्ड वक्ष कांचली में नहीं समाते थे। दोनों एक दूसरे को छेड़ती-इठलाती, हँसती-मुस्कुराती आगे बढ़ रही थी। पूरे रास्ते चांदनी बिछी थी। कहीं-कहीं मोड़ पर आवारा अंधेरा आँख चुराकर उन्हें देखने का प्रयास करता तो दोनों अपनी प्रथम दो अंगुलियों से घूंघट उठाकर रास्ता खोज लेती। युवतियों की अंग-कांति ही दिशाओं का अंधकार हर लेती। तब अंधेरा खिसियाकर रह जाता। दोनों की तेज चाल के साथ ऊपर नीचे होते वक्ष उनकी क्षीण कमर को भार के मारे विकल कर देते, अगर ऊँचे नितम्ब सहारा नहीं देते तो न जाने कमर की क्या दुर्गत होती ?

भंवरी नाथी से कुछ अधिक सयानी एवं चतुर थी। हँसकर नाथी से बोली, 'बापू ने मर्द तो बांका ढूंढा, पर गाँव ऐसा देखा कि पानी लाते-लाते कमर टूट जायेगी।'

'हाँ! आधी कमर तो रात में टूट जाती है बाकी पानी लाते-लाते टूट जायेगी।' नाथी ने ऊपर के होठ से नीचे का होठ काटकर शरारत की। उसकी रतनारी आँखों में पिया प्रेम की मदिरा के प्याले छलक रहे थे।

'चल बावरी ! तुम्हें शरम नहीं आती ऐसी बातें करते हुए!' भंवरी मंद-मंद मुस्कुराते हुए बोली।

'अरे, अब कौनसी शरम। शरम तो सारी मरद पी गया। यह तो वही बात हुई कि नटिनी बाँस पर चढ़कर घूंघट निकाले!' नाथी ने यह कहकर अर्थपूर्ण आँखों से भंवरी की ओर देखा। दोनों सखियाँ खिलखिलाकर हँस पड़ी।

हँसते-हँसते भंवरी चीखी, 'ऊई नाथी! मेरी कांचली खुल गयी। दोनों वहीं रुकी। अपने घड़े उतारे। नाथी ने कसकर भंवरी की काँचली को बांधा। घड़े उठाते-उठाते नाथी ने तीर डाल ही दिया, 'काँचली रात अच्छी तरह से नहीं बांधी थी क्या?'

'क्या करूं, मेरा तो हाथ नहीं पहुंचता और उस अनाड़ी को बांधना नहीं आता।' भंवरी की आँखों में लाल डोरे तैरने लगे थे।

दोनों एक बार फिर खिलखिलाकर हँस पड़ी।

रास्ता यूँ कट गया। अब सामने तालाब था। दोनों ने घड़े वहीं रखे, नीम से दातुन किया, अपने वस्त्र उतारे एवं पानी में नहाने लगी। तालाब पर अब भी चांदनी बिछी थी। भोर का अल्हड़ तारा इस दृश्य को चोर आंखों से कब तक देखता? अंधेरे दरवाजे को खोलकर वह भी बाहर आ गया। कामातुर आँखों से कुछ देर उसने इस दृश्य को निहारा तो उसकी आँखों की चमक बढ गई। आनन्द के उल्लास से वह और तेज चमकने लगा।

नाथी और भंवरी दोनों ने स्नान कर वस्त्र पहने। एक-एक कर तीनों घड़े पानी से भर कर सर पर रखे एवं वापस गाँव की राह ली। सर पर बढे भार से सारी रसभरी बातें विलुप्त हो गई। अब तो बस किसी तरह घर पहुंचें एवं बोझ उतारें। अब रास्ता लम्बा लगने लगा। कुछ दूर चले ही थे कि दोनों की श्वासें चढ़ने लगी। एकाएक भंवरी को याद आया कि गाँव पहुंचने का एक और रास्ता है। उस रास्ते से गाँव कुछ कोस भर कम पड़ता है लेकिन रास्ते में जंगल है। उसने नाथी को यह बात बतायी। नाथी भी बोझ के मारे बेहाल थी, छोटे रास्ते का लोभ संवरण नहीं कर पायी।

'अब कौन सा जंगल पड़ा है। सब कुछ तो सूख गया है।' नाथी हाँफते हुए बोली।

दोनों आज नये रास्ते पर चल पड़ी।

कोई आधा कोस चले होंगे कि सामने एक दृश्य देखकर भँवरी की चीख निकल गयी।

'उई माँ! यहाँ तो हिरण-हिरणी मरे पड़े हैं। ये तो कृष्णसार मृग दिखते हैं !'

दोनों वहीं ठिठक गई। पास में एक छोटा-सा गड्ढा था जिसमें पानी भरा पड़ा था। नाथी गहरे सोच में पड़ गई। ये दोनों मरे कैसे? विस्मय से उसने अपनी सखी भँवरी से यूँ पूछा,

खड़्यो न दीखै पारधी,

लग्यो न दीखै बाण।

मैं थनै पूछूँ ऐ सखी,

किण विध तज्या पिराण।।

(अर्थात् न तो यहाँ आस-पास शिकारी दिखता है, न इनके बाण लगा है, प्यास से ये मर नहीं सकते, क्योंकि पानी पास में ही पड़ा है। फिर ये मरे कैसे?)

अपनी प्रिय सखी के मर्म भरे इस प्रश्न का चतुर भँवरी शीघ्र उत्तर ताड़ गयी। तब उसने उनके मरने की कहानी यूँ समझायी।

भाग- 2

इसी जंगल में कृष्णसार जाति का एक हिरण एवं हिरणी का जोड़ा रहता था। दोनों के हृदय में एक दूसरे के प्रति अनन्य प्रेम था। हिरण का नाम कृष्णा एवं हिरणी का राधा था। दोनों हमेशा साथ-साथ रहते, एक साथ घास चरते और साथ ही पोखर पर पानी पीने जाते। कृष्णा कुछ पल भी इधर-उधर होता तो राधा विकल हो जाती। यही हाल कृष्णा का राधा के बिना होता। दोनों की जान एक दूसरे में बसती थी। दोनों एक दूसरे को हृदय से समर्पित थे। दोनों का अविचल और अटल-प्रेम जंगल भर में मशहूर था।

एक दिन चाँदनी रात में दोनों एक दूसरे से बतिया रहे थे। जंगल के पेड़-पौधों से छन-छन कर आ रही चाँदनी मानो अमृत कलश उँडेल रही थी। जंगल में बह रही ठंडी बयार दोनों के मन को ताज़गी से भर रही थी। प्रकृति ही जब काम-उद्दीपन पर तुली हो तो किसकी क्या बिसात? काम मानो सारी मर्यादाओं का हरण करने पर आमादा था।

कृष्णा राधा को अपने सींगों से खुजाने लगा। प्रेम पुलकित राधा उस स्पर्श सुख का आनंद लेते हुए चुप बैठी थी। बहुत देर यूँ ही मूक प्रेमालाप होता रहा। अंततः राधा संकोच-मिश्रित अभिलाषा से अपने प्रियतम को निहारने लगी। कृष्णा मानो उसके प्राण, मन और आत्मा का अपहरण कर रहा था। राधा की विकल दशा देख कृष्णा ने प्रेम-पगी आँखों

से उसे निहारा। यूँ निहारते-निहारते ही दोनों विदेह हो गये। दोनों का प्रेम कब तुरीय तत्व को छू गया, पता ही नहीं चला। बाद में थके हारे दोनों ने तालाब में आकर जल-क्रीड़ा की।

अभी वे जल-क्रीड़ा कर बाहर आये ही थे कि दोनों घास में छुपे एक शेर को देखकर सहम गये। राधा डर के मारे थर-थर काँपने लगी। तभी शेर जोर से दहाड़ा। कृष्णा जानता था कि वह शेर के हाथ हरगिज नहीं आयेगा। उसे अपनी दौड़ पर पूरा भरोसा था पर राधा डर के मारे वहीं ठिठक गयी। उसके पाँव धरती से चिपक गये, इंद्रियाँ जड़वत् हो गयी। तभी शेर दहाड़ मारते हुए राधा की ओर बढ़ा। आज कृष्णा के प्रेम की परीक्षा थी। वह चाहता तो आराम से भाग कर अपनी जान बचा सकता था पर राधा को अकेले इस हालत में छोड़कर कैसे भाग सकता था? आज उसने अपनी प्रेयसी के साथ ही मरने का निश्चय कर लिया। मैं मर्द हूँ, राधा की रक्षा मेरा धर्म है-पहले मैं मरूँगा। शेर के आगे बढ़ते ही कृष्णा ने साहस कर शेर के मुँह पर जोर से सींग मारे। संयोगवश एक सींग शेर की आँख में घुस गया। एक आँख फूटते ही शेर जोर से चीखा तभी राधा ने देखते-ही-देखते अपने सींग शेर की दूसरी आँख पर मारे। पलभर को मानो शेर अँधा हो गया। वह पंजा मारता तब तक दोनों भाग खड़े हुए।

दोनों तेजी से भागे जा रहे थे। जंगल में बहुत दूर पहाड़ी के नीचे एक छोटी-सी कंदरा थी। दोनों उसी में घुस गये। हाँफते-हाँफते दोनों की साँस फूल रही थी। निढाल होकर दोनों वहीं बैठ गये। साँस थमी तो राधा ने कहा, 'आज तुम हिम्मत कर शेर की आँख में सींग नहीं मारते तो मैं मर ही जाती।'

'ऐसा न बोल राधा! कृष्णा प्राण रहते तुम्हें पहले नहीं मरने देगा। वह जीवन ही क्या जिसमें राधा न हो। तुम्हारे बिना तुम्हारी याद में रोते-रोते मैं यूँ ही मर जाता। फिर तुमने भी तो अपने सींग मारकर मेरी जान बचायी है।'

'तुम तो अकारण ही इतना यश देते हो। आज दूसरा मर्द होता तो भाग खड़ा होता। सब अपनी जान पहले बचाते हैं।'

'मेरी जान तो तुम हो राधा ! मेरा तो श्वास-श्वास, रोम-रोम तुम्हारा है। भगवान करे पहले मैं मरूँ ताकि मुझे तुम्हारा विरह न देखना पड़े।'

उस दिन के पश्चात् दोनों का प्रेम दिन दूना रात चौगुना बढ़ने लगा।

एक बार दोनों पहाड़ी की चोटी पर हरी घास चर रहे थे कि राधा को दूर एक चीता दिखा। उसने तुरन्त कृष्णा को इशारा किया, दोनों ने ऐसी दौड़ लगाई कि चीता जाने कहाँ छूट गया। उस रात दोनों उदास बैठे भगवान को कोस रहे थे। कृष्णा चुप्पी तोड़कर बोला, 'भगवान ने हमारी जाति को यूँ मरने के लिए ही पैदा किया है क्या? भगवान के घर भी कैसा अंधेर है? हम किसी को नहीं मारते पर जिसे देखो हमारी जान के पीछे पड़ा रहता है। जंगल में कोई ऐसा जानवर नहीं जिसे हमारी तलाश न हो। कभी शेर तो कभी चीता, तो कभी दूसरे हिंसक जानवर, यहाँ तक कि आदमी भी धनुष-बाण अथवा बंदूक लिये हमें ढूँढता रहता है। यूँ डर-डर कर कब तक जियें। जंगल में निकलते हैं तो अगले पल का भी भरोसा नहीं होता।'

'सही कहते हो कृष्णा! जंगल के सभी हिंसक प्राणी तो अपनी रक्षा कर लेते है पर हमें भगवान ने इतने तेज पंजे और बल नहीं दिया, अन्यथा हम भी अपनी रक्षा कर लेते। जंगल राज में अहिंसा का कोई मूल्य नहीं।'

'यहाँ तो जो जितना हिंसक है, वह उतना ही जीता है।' कृष्णा गहरी साँस भर कर बोला।

यूँ दुख बाँटते-बाँटते दोनों जाने कब सो गये।

साल-दर-साल बीतते गये। पिछले तीन वर्षों में जितनी गर्मी पड़ी उतनी तो कभी नहीं पड़ी। जंगल में एक-एक कर जानवर मर रहे थे। दुर्भिक्ष काल बनकर जंगल पर छाया हुआ था। पेड़ ठूंठ हो गये, घास ढूंढे नहीं मिलती। सारे पोखर सूख गये। जानवर दिन भर इधर-उधर तकते, बस जैसे-तैसे गुजर होता। सभी जानवर आदमियों की बस्ती के पास आकर चुपके से अपनी प्यास बुझाते।

इन्हीं दिनों एक बार कृष्णा और राधा प्यास के मारे बेहाल हो गए। जंगल छान मारा पर पानी कहाँ था। गाँवों की बस्तियों में जाते तो शिकारी मार देते। पर आज तो वैसे ही मरण था। हताश दोनों गाँव की ओर आए तो उन्हें एक छोटे गड्ढे में पानी दिखा। पानी इतना भर था कि दोनों में से एक अपनी प्यास बुझा सकता था।

दोनों गड्ढे के पास आकर ठिठक गये। आज फिर दोनों की प्रेम परीक्षा थी। राधा ने कृष्णा से कहा, 'कृष्णा! यह पानी तुम पी लो, तुम सुबह से प्यासे हो।'

'नहीं राधा! पहले तुम। जब तक तुम प्यासी हो, मैं पहले कैसे पी सकता हूँ !'

'तुम्हें मेरी कसम है !' राधा आग्रह भरी आँखों से देखकर बोली।

'तुम्हें भी मेरी कसम है !' कृष्णा ने उसी आग्रह से उत्तर दिया।

दोनों कई देर खड़े एक-दूसरे की मनुहार करते रहे। पानी के मारे होठ और अंतड़ियाँ सूख रही थी पर कोई भी पहले पानी पीने को तैयार नहीं था। प्राणों पर बन आयी थी, प्राणरक्षक पानी सामने था पर प्रेम के अधीन दोनों एक-दूसरे की मनुहार किये जा रहे थे। प्रेम की घड़ियाँ तो जीवन में कितनी ही बार आयी पर आज त्याग की घड़ी थी। त्याग की पराकाष्ठा ही तो प्रेम है। एक-दूसरे की मनुहार करते दोनों परम दिव्य भाव में स्थित हो गये।

भाग- 3

तब चतुर भँवरी ने यह कहकर नाथी के मर्म भरे प्रश्न का उत्तर दिया –

जल थोड़ो नेहो घणो, लग्यो प्रीत रो बाण।

तूं पी तूं पी कैवता, दोनों तज्या पिराण।।

अर्थात् जल कम था और नेह अधिक। दोनों ने तू पी....तू पी कहते-कहते प्राण त्याग दिये।

कहानी कहते-सुनते बहुत समय हो चुका था। सूर्य अब ऊपर चढ़ आया था। दोनों गाँव में पहुँचकर अपनी-अपनी फूस की झोंपड़ियों में घुसीं।

भँवरी की सास की आँखों से अंगारे बरसने लगे थे। देखते ही बोली, 'अरे करमजली! घर में बूंद भर पानी नहीं है, तूने तो अपनी प्यास रास्ते में बुझा ली होगी। सास के मरने की राह देख रही थी क्या?

समस्त समाज बन्धुओं को नववर्ष की हार्दिक मंगलकामनाएं

Somani

SOMANI ISPAT PRIVATE LIMITED

the inner strength
for your construction

Sanjay Kumar Somani
+91 - 92465 34957

Sudhir Kumar Somani
+91 - 98490 24065

Aakash Somani
+91 - 99080 99081

11-6-27/1, 2 & 3, Opp. IDPL Factory, Balanagar, Hyderabad - 37 (T.S.) INDIA
+91 - 40 - 2377 1877 / 8375 / 2411,
contact@somanisteel.com, www.somanisteel.com

HR Coil / TMT De-Coiling Unit & Godown at
Survey No. 76/2, Gundlapochampally
Near Kompally, Hyderabad
Cell : 77022 66065

Gajadhar Gaggar - 90003-04058
Dinesh Gaggar - 90003-04044

VIZAG
Plot No. 28, D Block Extn., Behind Sail Yard
Autonagar, Visakhapatnam
Ph : 0891-2754044

Mahendra Rathi
92468-87753

GROUP COMPANY

MAHESWARI FASTENERS & BRIGHT PVT. LTD.
Manufactures of : MS & HDG Fasteners (BIS & AP TRANSCO APPROVED)
Plot No. 152 & 154, Medchal Industrial Estate, Hyderabad, Ph : +91 - 40 - 2980 3123

Authorised Dealer of : SAIL, VSP, JSW, JSPL, ESSAR & UTTAM VALUE

खुश रहें - खुश रखें

बदलना होगा जीवनशैली का नजरिया और तरीका...

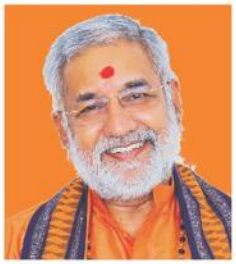

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

इस समय संसार की आधे से ज्यादा आबादी अस्थिरता, महंगाई, बेरोजगारी से संघर्ष के बीच कठिन जिंदगी जी रही है। परेशान रहना कुछ लोगों का भाग्य ही बन गया है। ऐसे में हमें एक नई जीवनशैली अपनाना होगी।

सबसे महत्वपूर्ण और जरूरी है अपनी सेहत का ध्यान रखिए, क्योंकि अब आत्मअनुशासन का समय है। परिवर्तन इसलिए आएगा कि 19वीं सदी के अंत में दुनिया में मरने वाले हर सात व्यक्तियों में से एक की मौत टीबी से होती थी, लेकिन इस दौर में मौत के नए-नए कारण, नए-नए नजारे देखने को मिल र हे हैं। हो सकता है अब आपको अपने साथ मेकअप किट, पर्सनल किट के साथ हाईजिन किट भी शामिल करना पड़े, क्योंकि पिछले कुछ साल या महीनों में जिस वायरस से हमारा सामाना हुआ था, वह गया या फिर लोटकर आएगा, यह अब तक रहस्य ही है।

अब लंबे समय तक या कहें हमेशा इस बात की तैयारी रखिए कि सेहत के प्रति स्वयं को और दूसरों को उत्साहित रखेंगे, क्योंकि संक्रमण का भय और उदासी हावी होने की कोशिश करेंगे। खुद भी खुशी से जीएं और अपना सकारात्मक असर दूसरों में प्रसारित - प्रचारित करने का अभियान बना लें।

हार्वर्ड के एक सर्वे के अनुसार उन लोगों को पार्किन्सन, अजलाईमर्स और हृदय रोगों से बचने की संभावना बढ़ जाती है जो अपने माता - पिता, भाई-बहन, जीवनसाथी, संतान और मित्रों के बीच अधिक समय बिताते हैं। यह बात सुनने में थोड़ी अटपटी लग सकती है, पर अब लंबे समय तक लाभकारी है।

पिछले महामारी के दौर को याद करें तो ऐसा पहली बार हुआ कि मंदिरों के पट भी लंबे समय तक बंद रहें। प्रकृति और ईश्वर दोनों ही अनचाही-अनकही-अनसही मार दे रहे थे। कुल मिलाकर वह दौर हमें जो बहुत बड़ा सबक दे गया, अब भी समय रहते समझना है। हो सकता है पाप का बोझ जो हर क्षेत्र में बढ़ता जा रहा है, उसे बैलेंस करने के लिए ऐसा हुआ हो।

हम सब अपनी दिनचर्या का एक कैलेंडर बनाते हैं। पहले वह 90 प्रतिशत पूरा हो जाता था, पर याद रखिए, अब नहीं होगा। अब तो कभी भी, कुछ भी हो सकता है। इसलिए निराश और उदास बिलकुल न हों। यह हेल्थ इमरजेंसी का दौर चल रहा है। इसमें जीवनशैली के प्रति नजरिया और तरीका दोनों बदलना होंगे।

इस दौर ने हमें यह सोचने पर मजबूर किया है कि क्या था जिसके पीछे हम इतनी तेजी से भाग रहे थे। क्या था जिसे हम ट्रेजर हंट की तरह ढूंढ रहे थे। और, इन सबमें हमने खो दिया वह सुकून वह सुख, अपनों के साथ के पल। पिछले विपरीत समय ने यह मौका दिया है हमें सुधर जाने का। ऊपर वाले ने मनुष्य जीवन दिया है तो क्यों न कम से कम अब तो यह जिंदगी सादगी से जी ली जाए।

पिछले दिनों कोरोना महामारी के दौरान जो सबक लिए वे हमें याद रखने हैं। महामारी का असर जब वह फैलती है, तब तोरहता ही है, अपने वाले वक्त में नए-नए रूपों में भी प्रकट होता है। कुछ लोगों के लिए यह अच्छा सकारात्मक भी हो सकता है। परोपकार के सिद्धांत नए रूप में सामने आएंगे। लोग दान का सही रूप समझने लगेंगे। एकजुटता का महत्व समझ में आ जाएगा।

महाभारत से सीखना होगी जीवनयुद्ध की तैयारी - आने वाले समय में भी हमें एक जीवन युद्ध लड़ना है। ऐसे में महाभारत से कुछ शिक्षा लेने का समय होगा। महाभारत के महानायक श्रीकृष्ण थे। कौरवों के दल में उनके सामने भीष्म, द्रौण, कर्ण, दुर्योधन, शकुनि, अश्वत्थामा और शल्य, ये सात प्रमुख महारथी थे। ऐसे ही पिछले महामारी के दौर में ये सात तरह के लोग हमारे सात दुश्मन थे- गंदगी करने वाले, हर कहीं थूकने-खांसने-छींकने वाले, भीड़ का हिस्सा बनने वाले, अफवाह फैलाने वाले, सेवा के नाम पर भ्रष्टाचार करने वाले, बिना मास्क पहने हुए और सोशल डिस्टेंसिंग के नियम की धज्जियां उड़ाने वाले। परंतु हमें श्रीकृष्ण से सीखना है कि इन्हें व्यक्ति न मानें। ये कौरव पक्ष के वे लोग हैं जो विनाशक परिस्थितियों के प्रतीक हैं।

भीष्म वृद्ध थे, ब्रह्मचारी थे, लेकिन उनकी प्रतिज्ञा ही उनकी कमजोरी बन गई। वे जिद्दी होते गए गलत लोगों का साथ देने में। श्रीकृष्ण ने उनको बड़ी विद्वता और चातुर्य से निपटाया था। द्रौण मोह में डूबे हुए थे। उनको पूरी निष्ठा और ईमानदारी से समझाते हुए दंड दिया था। कर्ण दुर्योधन के कुसंग में पड़ा था। कृष्ण ने उसे समझाया भी था और नहीं समझने पर वध भी करवाया। दुर्योधन तो एक प्रकार से समूचे समाज का दुश्मन था। उस पर हमेशा दबाव बनाए रखा था कृष्णजी ने।

शकुनि घरफोडू और एक ऐसी वृत्ति थी जिसने घर में घुसकर विनाश की महामारी फैलाई थी। उसको उसी की भाषा में समझाया था कृष्ण ने। अश्वत्थामा हिंसक और क्रूर था। उसे दूरदर्शिता से पराजित किया। शल्य रिश्तेदार था, कौरवों का अंतिम सेनापति था, लेकिन भ्रमित था। श्रीकृष्ण ने बहुत अच्छी लीडरशिप के साथ उसे भी पराजित किया था।

श्रीकृष्ण की अपनी एक अनूठी शैली थी जो आज हमें भी अपनाना होगी। जीवन है तो युद्ध तो लड़ा ही है, लेकिन यदि भीतर कृष्ण हैं तो सामने शत्रु कितना बलवान है, इसकी चिंता नहीं रहेगी। आज हर तरफ से घेरती जा रही दुर्गुणरूपी कौरवों की सेना से हमें बहुत दूरदर्शिता, समझदारी, सावधानी व पराक्रम से निपटना होगा। इसके लिए पहली जरूरत है नियमित और अनुशासित जीवनशैली।

तिल का केक

सामग्री : 1 -1/4 कप मैदा, 50ग्राम भूने हुए तिल, 200 ग्राम मिल्कमेड, 100 ग्राम दूध, 90 ग्राम बटर, 2 टीस्पून पीसी शक्कर, 1 टीस्पून बेकिंग सोडा, 1/2 टीस्पून कुकिंग सोडा, आधा टीस्पून वेनिला इसेंस, आधा टीस्पून तिल एसेंस।

विधि : मैदा, बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा मिलाकर तीन बार छान ले।

एक बाउल में मिल्कमेड, मक्खन, पिसी चीनी और एसेंस मिलाकर अच्छे से फैट ले। उसके बाद उसमें छाना हुआ मैदा मिलाकर हल्के हाथों से मिक्स करें। जब वहां मिश्रण थोड़ा गाढ़ा हो तब उसने दूध डालकर, उस बैटर को थोड़ा पतला करें, और बबल्स आने तक फैट ले। फिर उसमें थोड़ी तिल डाल कर अच्छे से मिलाएं। ग्रीस किये हुए केक टीन में यह मिश्रण डालें। ऊपर से बची हुई तिल स्प्रिंकल कर दे। अब फ्री हिट ओवन में 180 डिग्री पर 35 मिनट के लिए यह केक बेक कर ले।

आपका बढ़िया तिल केक बनकर तैयार है ।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

समाज मे बढ़ रियाँ तलाक

खम्मा घणी सा हुकुम आज बात कर रियाँ हाँ.. समाज मे बढ़ता तलाक री ... हुकुम भारतीय समाज मे पति-पत्नी रों रिश्तों बहुत ही पवित्र मान्यों जावें.. रिश्तों दो परिवार ने जोड़न री कड़ी हुवें.. जिणमें सिर्फ दो लोग ही नही दो परिवारों री भी अहम भूमिका हुवें... अगर रिश्तें में मिठास,आपसी समझ हुवें तो पूरे जीवन मे कोई परेशानी नहीं आवें... आजकल बढ़ता तलाक यां सोचण ने मजबूर कर रियाँ है आखिर कांई वजह है और यों अब बड़ों विषय हूँ ग्यो है जीण पर चर्चा करण री जरूरत है कि एड़ी कांई वजह है जिन कारण ए रिश्ता कमजोर हुवता जा रियाँ है आपसी कलह और झगड़ा इण तरह बढ़ता जा रियाँ है कि तलाक तक पहुंच जावें।

हुकुम पिछला कुछ समय सूं लोगा री मानसिकता में बहुत बदलाव आयों है पेहला शादी घर परिवार रे लोगो रे बीच जांच पड़ताल करने फैसलों लियो जावतो जिनी बुनियाद बड़ा बुजुर्ग करता..पर.. अबे शादी केवल दो लोगो रे पसन्द नापसन्द तक सीमित हूँ गई है। फेसबुक व्हाटसअप रे जरिये शादी जेड़ा जिंदगी भर रा रिश्ता जोड़ देवे.. चट मंगनी-पट ब्याह और पछे फटाफट तलाक में खत्म भी हूँ जावें।

हुकुम , मनोवैज्ञानिकों रो माननो है समाज मे बढ़ता तलाक री वजह है विश्वास री कमी। आजकल सब युवा वर्ग जॉब में है.. पति पत्नी कामकाज रे सिलसिले में बाहरे जावें एड़ा में बाहरे लोगा सूं मिलनो-जुलनों हुवे... ऑफिस में बातचीत हुवे.. कई बार पति-पत्नी एक दूसरे पर विश्वास नहीं करें जो तलाक रो कारण बन जावें ।

हुकुम एक कारण यों भी देखण ने आवें कि सास- ससुर जरूरत सूं ज्यादा दखल करें। हुकुम जरूरत सूं ज्यादा दखल भी पति-पत्नी रे रिश्तें ने टूटण री वजह बन जावें। माँ रा जिता अधिकार बेटे पर हुवें पत्नी रा उता अधिकार पति पर हुवें... एडे में बहु द्वारा दिखायो अधिकार घर मे स्वीकार नहीं कियों जावें जो रिश्तें रे टूटण री वजह बणे... एक और लड़की पक्ष वाळा भी घणों हस्तक्षेप करें तो भी रिश्तें में दरार आ जावें ।

हुकुम आज बड़ा बड़ा सेलिब्रेटी ने देखा जिनें आपा फॉलो करां वे प्रेम विवाह करने भी सफल नहीं हो पाया.. अनुपम खेर, मिथुन चक्रवती, कमल हासन, आमिरखान, संजय दत्त, एड़ा खूब सेलिब्रेटी जो दो दो बार तलाक ले चुकिया है। अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी सानिया मिर्जा भी बहुत सुर्खियों में है। अवैध सम्बंध भी तलाक रो एक कारण है ।

हुकुम शास्त्र केहवें शादी रो पवित्र बंधन ईश्वर द्वारा निर्मित करयोडो हुवे और स्वयं भगवान द्वारा यों रिश्तों बण ने आवें... तो इण रिश्तें ने टूटन मत दो। आपस मे दोनो पति पत्नी आपरो अहम निकाल एक दूसरे परिवारों रो सम्मान करें प्रेमपूर्वक और समझदारी सूं हर विवाद ने सुलझावण री कोशिश करें।

अक्सर वे बच्चा बहुत शारीरिक व मानसिक रूप सूं कमजोर हूं जावे जिण घर मे पति- पत्नी क्लेश में जीवें । इण पर विचार करिजों सा।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- जितनी जल्दी आप अपने जीवन की जिम्मेदारी लेंगे उतनी जल्दी सफल होंगे
- ताकत अपने लफ़्ज़ों में डालो आवाज में नही... क्योंकि फसल बारिश से होती है बाढ़ से नहीं...
- 'सुन लेने से' कितने सारे सवाल सुलझ जाते हैं' सुना देने से' हम फिर से वहीं उलझ जाते हैं...!
- बुरा लग जाये ऐसा सत्य जरूर बोलो... लेकिन सत्य लगे ऐसा झूठ कभी मत बोलो...
- सोच विचार करने में समय लगाएँ, लेकिन जब काम का समय आए, तो सोचना बंद करें और आगे बढ़ें।
- अच्छे जरूर बने लेकिन... साबित करने की कोशिश बिल्कुल ना करें...
- मन के जिस दरवाजे से शक अंदर प्रवेश करता है, प्यार और विश्वास उसी दरवाजे से बाहर निकल जाते हैं...

कार्टून कौतुक

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

आपके के लिए जनवरी महीना अत्यंत अनुकूल साबित होने वाला है। जीवन में एक नई ऊर्जा का संचार होगा। बहुत दिनों से पेंडिंग कार्य गति पकड़ेंगे। पारिवारिक रिलेशनशिप में मधुरता आएगी। इस महीने आपको चाहिए कि अपने जीवनसाथी की सलाह को बहुत गंभीरता से लेवें। व्यवसाय जगत में यह महीना आपसे अतिरिक्त श्रम की मांग करता है, तब आपको सफलता मिलेगी। व्यवसाय से संबंधित कुछ कठोर निर्णय आपको इस महीने में लेने पड़ सकते हैं। आर्थिक रूप से प्रथम 2 सप्ताह अनुकूल रहेंगे एवं अंतिम 2 सप्ताह मिले-जुले असर वाले रहेंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना मिले-जुले असर वाला रहेगा।

वृषभ

आपको इस महीने में संयम रखना चाहिये। खासकर वाणी के ऊपर विशेष नियंत्रण रखें। तत्काल प्रतिक्रिया देने से बचें। कार्यक्षेत्र में आपके कार्यों की आलोचना हो सकती है जिसे सहानुभूतिपूर्वक सुनकर अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करें एवं और बेहतर करके दिखाएं। जो जातक व्यापार करते हैं उनके नई योजना बनाने का उचित समय है। आर्थिक रूप से वृषभ राशि के जातकों के लिए जनवरी माह शुभ फलदायी रहेगा। पैतृक संपत्ति से लाभ होगा। आकस्मिकता से धन लाभ होने की संभावना है। अचल संपत्ति में इन्वेस्ट करने पर लाभ संभावित है। स्वास्थ्य की दृष्टि से आपको अपनी विशेष केयर करने की आवश्यकता है। मौसम अनुसार आहार-विहार करें एवं योग प्राणायाम इत्यादि करें।

मिथुन

आपके लिए जनवरी माह एक नई ऊर्जा का संचार करने वाला साबित होगा। उत्साह की अधिकता रहेगी। घूमने फिरने के अवसर बनेंगे। आय के नए स्त्रोत खुलेंगे। नौकरी के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातक का इस महीने अपने वरिष्ठ अधिकारियों से मनमुटाव हो सकता है। कृपया इसकी सजगता रखें। जोखिम भरे निवेश के कार्य में लगे हुए जातकों के लिए बहुत सावधानी रखने की आवश्यकता है।

कर्क

आपको जनवरी के महीने में अपने जीवन और व्यवसाय में संतुलन बनाकर रखने की आवश्यकता होगी। सफलता अधिक कड़े परिश्रम की मांग करेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में आपकी प्रशंसा होगी। कलात्मक रुझान बढ़ेगा। व्यवसाय करने वाले जातकों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ेगा जो महीने के उत्तरार्ध तक हल हो सकेंगी। स्वास्थ्य अत्यंत उत्तम रहेगा।

सिंह

आपके लिए यह माह मिले-जुले प्रभाव वाला रहेगा। व्यवसाय की दृष्टि से यह महीना औसत स्तर का रहेगा। कार्यक्षेत्र पर वाद विवाद संभावित है। दूसरों पर अपनी राय की आदत के प्रति सजग रहें, जो जातक व्यवसाय के क्षेत्र में हैं, उन्हें इस महीने जोखिम पूंजी निवेश नहीं करना चाहिए। विशेषकर शेयर मार्केट, सट्टा बाजार आदि से जुड़े जोखिम पूर्ण निवेश में सजगता रखें। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए जनवरी मिलाजुला परिणाम लेकर आएगी। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। कोई पुरानी महत्वकांक्षा पूर्ण होने के योग बनेंगे। जो जातक नौकरी पेशा है उन्हें अपने वरिष्ठ अधिकारियों से संभल कर व्यवहार करना है, विवाद संभावित है। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। मौसम के कारण होने वाली परेशानियां हो सकती है।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए जनवरी माह उत्तम रहेगा। विशेषकर कॅरियर की दृष्टि से यह महीना आपके लिए शुभ फलदायी रहेगा। दूसरे सप्ताह भी आपको कोई सुखद समाचार सुनने को मिलेगा। आर्थिक पहलू उज्जवल रहेंगे। परिवार के वृद्धजनों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। परिवार में शुभ आयोजन होंगे।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए इस महीने मिले-जुले परिणाम मिलेंगे। जो जातक विदेश में नौकरी के लिए प्रयत्न कर रहे हैं, उन्हें सफलता मिल सकती है। जो जातक इस महीने अपना कार्यक्षेत्र बदलने का विचार कर रहे हैं वे इसे अभी स्थगित रखें तो ही अच्छा है। व्यय अत्याधिक रहेगा। पारिवारिक दृष्टि से यह एक सुखद महीना रहेगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए जनवरी माह अत्यंत सुखद रहेगा। कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। उत्साह बना रहेगा। नवीन कार्य योजना बनेगी। बिगड़े हुए संबंधों में सुधार आएगा। प्रथम 2 सप्ताह आर्थिक रूप से कमजोर रहेंगे और अंतिम 2 सप्ताह में धन का प्रवाह अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से जातकों की पुरानी शारीरिक समस्याएं हल होने की संभावना रहेगी। परिवार में प्रति क्रिया के कारण क्रोध उत्पन्न हो सकता है, वाणी पर संयम रखें।

मकर

मकर राशि के लिए जनवरी एक सुखद महीना रहेगा, जो जातक लंबे समय से पीड़ित है, उनके स्वास्थ्य में आश्चर्यजनक सुधार आवे। कार्यक्षेत्र में क्षमताओं पर भरोसा करते हुए रचनात्मक प्रयोग करते रहें, अच्छे परिणाम मिलेंगे। आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी। पारिवारिक दृष्टि से जनवरी प्रेम और सहकार से ओतप्रोत रहेगा। कुल मिलाकर मकर राशि के जातकों के लिए जनवरी अत्यंत शुभ रहेगा।

कुम्भ

कुंभ राशि के जातकों के लिए जनवरी सर्वांगीण विकास का एक अवसर रहेगा। स्वास्थ्य आर्थिक, सामाजिक एवं कार्यक्षेत्र में चारों दिशाओं में अनुकूलता रहेगी। ठीक से अवसर पहचान कर अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करें। परिश्रम की तुलना में फल में न्यूनता रहेगी।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए जनवरी एक शानदार महीना साबित होगा। पिछले शुभ कर्मों का उदय काल है। कार्यक्षेत्र में लंबित योजनाएं पूर्ण होगी। धन का प्रवाह तेज रहेगा। व्यय अधिक रहेगा। पारिवारिक जीवन में गलतफहमिओ को ज्यादा तूल न दें और अपना व्यवहार संतुलित रखें। संपत्ति से संबंधित प्रकरण में सफलता मिलेगी। घर से दूर जाने के योग प्रबल रहेंगे।

पुण्य स्मरण

हमारे प्रेरणा-स्रोत

परम श्रद्धेय
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
(दशम पुण्यतिथि)

परम श्रद्धेय
स्व. श्री मदनलाल पलौड़
(अष्टम पुण्यतिथि)

आपकी प्रेरणा सम्बल बनकर
हमेशा दिखाती रहे 'सत्य की राह'

सेवा त्याग सदाचार

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

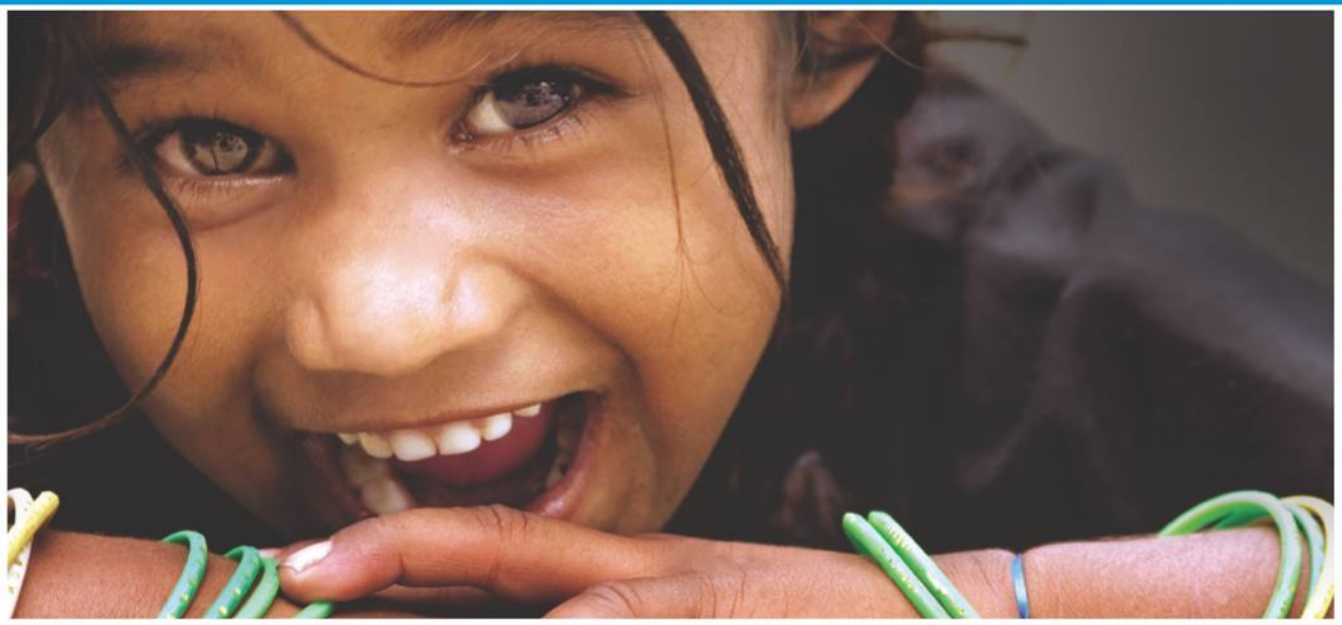

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2023-2025
Despatch Date - 02 January, 2023

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

https://www.facebook.com/smtmagazine/
https://srimaheshwaritimes.com